राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

तृतीय वार्षिक प्रतिवेदन

2021-22

तृतीय
वार्षिक प्रतिवेदन
2021-22

अनुक्रमणिका

आभार 7

1. परिचय 8

1.1 हमारे विषय में 8
1.2 वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा डीपीआईआईटी 9
1.3 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश अधिदेश 9
1.4 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम 11

2. वैधानिक निकाय 13

2.1 संचालन/शासी परिषद और सदस्य 13
2.2 संचालन परिषद की स्थायी समिति 17
2.3 सीनेट 17
2.4 फैकल्टी फोरम 17

3. अंग विन्यास/ संरचना और अकादमिक कार्य प्रवाह 22

3.1 संकाय प्राध्यापक 22
औद्योगिक डिजाइन फैकल्टी (एफआईडी) 22
संचार डिजाइन फैकल्टी (एफसीडी) 23
कपड़ा एवं परिधान डिजाइन फैकल्टी (एफटीएडी) 23
सूचना प्रौद्योगिकी एकीकृत डिजाइन फैकल्टी (एफआईटीआईडी) 24
बहुविषयक डिजाइन फैकल्टी (एफआईडी) 24
डिजाइन आधारित पराविषयक अध्ययन फैकल्टी (एफडीबीटीएस) 24
3.2 संस्थान का प्रबंधन 24
3.3 क्रियाकलाप प्रमुख 25
गतिविधि अध्यक्ष के कार्य—शिक्षण और प्रशिक्षण 25
गतिविधि अध्यक्ष के कार्य —रणनीति और आयोजना 25
गतिविधि अध्यक्ष के कार्य —अनुसंधान विकास और ज्ञान प्रबंधन केंद्र 25
गतिविधि अध्यक्ष के कार्य —वैश्विक पंहुच प्रकोष्ठ 26
गतिविधि अध्यक्ष के कार्य —आरोग्य केंद्र 26

4. अकादमिक कार्यक्रम 28

4.1 फाउंडेशन अध्ययन (प्रथम वर्ष) 28
4.2 डिजाइन स्नातक बी.डेएस (औद्योगिक डिजाइन) 36
4.3 डिजाइन स्नातक बी.डेएस (संचार डिजाइन) 39
4.4 डिजाइन स्नातक बी.डेएस (कपड़ा एवं परिधान डिजाइन) 39
4.5 गुणवत्ता प्रबंधन 41
4.6 प्रवेश 43

5. उपलब्धियां और गतिविधियां 47

5.1 संबद्धता, सदस्यता और समझौता ज्ञापन 47
5.2 पुरस्कार और सम्मान 52
5.3 विशिष्ट अतिथि 53
5.4 गतिविधियाँ 56
5.5 कोविड 19 के दौरान संस्थान द्वारा की गयी पहल और मानव संसाधन विकास 59

6. शिक्षण और अध्ययन संसाधन 62

6.1 31 मार्च 2022 को पदों की स्थिति 62
6.2 परिसर और बुनियादी ढांचा 62

7. परिसर जीवन 70

7.1 मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव 70
7.2 थिंकिन (संगोष्ठी) 70
7.3 हरित अभियान 70
7.4 स्थापना दिवस 70
7.5 उत्सव-आयोजन 71
7.6 स्वच्छता ही सेवा 74
7.7 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में निवासियों का जीवन 75
7.8 विद्यार्थी गतिविधियां 76
7.9 उत्कृष्ट पद्धतियाँ 80

8. वित्तीय संसाधन 81

8.1 पृथक लेखा परीक्षण रिपोर्ट 81
8.2 वार्षिक लेखा 104

माननीय अध्यक्ष, शाषी परिषद् व संयुक्त सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा वृक्षारोपण

माननीय अध्यक्ष, शासी परिषद् द्वारा छात्रों के साथ वार्तालाप

आभार

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश की शासी परिषद राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश को देश का एक प्रमुख डिजाइन संस्थान बनाने में लगातार सहयोग-समर्थन के लिये माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल का आभारी है। उनके मार्गदर्शन ने वर्ष 2021-22 में संस्थान की सफलता और विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला।

परिषद 2019 में स्थापना के बाद से वर्तमान समय तक उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग-डीपीआईआईटी से मिलने वाले सहयोग और मार्गदर्शन के लिये आभार व्यक्त करती है। इस नवगठित संगठन की समुचित सहायता और सहयोग के लिये हम सचिव, डीपीआईआईटी स्वर्गीय डॉ. गुरू प्रसाद मोहापात्रा के प्रति भी कृतज्ञ आभार व्यक्त करते हैं। ऐसे प्रभावशाली व्यक्तित्व का मार्गदर्शन हमारे लिये सौभाग्य का विषय है। संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी श्री एम.के.सिंह और उपसचिव श्री करण थापर का भी बहुत बहुत धन्यवाद, जिनके लगातार सहयोग समर्थन और मार्गदर्शन से संस्थान को अपनी प्रक्रियाएं और प्रणालियां विकसित करने में मदद मिली। उन्होंने एक साझा लक्ष्य की दिशा में हमारे साथ काम किया और संस्थान के प्रभावशाली ढंग से कामकाज के अनुकूल स्थितियां सृजित की।

शासी परिषद भारतीय उद्योग परिसंघ के प्रति भी आभार व्यक्त करना चाहता है जिसने संस्थान को विभिन्न संगोष्ठियों, विचार विमर्श और आयोजनों में शामिल होने का मौका दिया और मध्य भारत के औद्योगिक परिदृश्य से हमें अधिक से अधिक अवगत कराया। विद्यार्थियों के लिये उज्ज्वल भविष्य सृजित करने के हमारे प्रयासों में भारतीय उद्योग संघ के साथ हमारी भागीदारी बहुत ही महत्वपूर्ण साबित हुई है। संस्थान की विभिन्न प्रशिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार के सुझावों के लिये मध्यप्रदेश वाणिज्य और उद्योग संघ (एफएमपीसीसीआई) को भी बहुत बहुत घन्यवाद। उनके योगदान का हमारे विद्यार्थियों, शिक्षकों और कार्यक्रमों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। संस्थान सकारात्मक उपलब्धियों के लिये आगे भी इस भागीदारी को जारी रखना चाहता है।

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, मध्यप्रदेश सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों तथा जिला प्रशासन, भोपाल के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी विश्वस्तरीय अध्ययन अध्यापन गतिविधियों के संचालन के अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने में उनके बहुमूल्य सहयोग के लिये साधुवाद। उनके सहयोग से ही मध्य भारत में कारीगरों/शिल्पियों, उद्योग और लोगो के लिये हमारी विभिन्न पहल की सफलता सुनिश्चित हो सकी है। कोविड के दौरान आवश्यक मदद पंहुचाने में राज्य सरकार के विभिन्न मंत्रालय और विभागों की तत्परता विशेष रूप से सराहनीय रही है, हम भविष्य में भी उनसे ऐसे ही सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश परिसर

1. परिचय

1.1 हमारे विषय में

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (एनआईडी एमपी) भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान है। भोपाल के आचारपुरा में विंध्याचल पहाड़ियों की पृष्ठभूमि में एक मनोरम स्थल पर यह संस्थान 29.49 एकड़ के हरित आवासीय परिसर में स्थित है। यह संस्थान झीलों के शहर में एक औद्योगिक क्षेत्र के निकट अवस्थित है, जिससे हमारे विद्यार्थियों को प्रकृति की गोद में रहते हुए नवीनतम औद्योगिक गतिविधियों से परिचित होने का अवसर मिलता है। देश के अधिकांश बड़े शहरों से अलग भोपाल में काफी हरियाली, कम प्रदूषण, बहुत ही सुखद जलवायु तथा उत्कृष्ट सड़क, रेल और वायु संपर्क सुविधा है।

एनआईडी एमपी में विभिन्न क्षेत्रों से आये विद्यार्थियों और कर्मचारियों के विविधतापूर्ण समुदाय के कारण अत्यंत जीवंत, कलात्मक और बहुसांस्कृतिक माहौल है। संस्थान विविधता और समावेशन के लिये प्रतिबद्ध है तथा शिक्षण, प्रशिक्षण, भागीदारी और सामुदायिक सेवा के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सतत-सुदृढ़ संबंध कायम करने के लिये प्रयासरत है।

संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और मार्गदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता और कल्पनाशीलता को बढ़ावा देता है तथा समस्याओं का अभिनव समाधान तलाशने का प्रयास करता है। शिक्षक विद्यार्थियों की मदद करते हैं और उन्हें विफलता को सीखने और विकसित होने के अवसर के रूप में लेकर जोखिम उठाने और चुनौतियों का सामना करने के लिये प्रोत्साहित करते हैं। विद्यार्थियों को साथ काम करने, सहयोग करने और विभिन्न माध्यमों से स्वयं को अभिव्यक्त करने को प्रेरित किया जाता है।

शिक्षक विद्यार्थियों को विषय विश्लेषण एवं उसका मूल्यांकन कर प्रश्न करने की क्षमता को प्रोत्साहित करते हैं। संस्थान विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करते हैं और उन्हें संसाधन उपलब्ध कराते हैं ताकि वे अपनी व्यक्तिगत यात्रा में अच्छे से अच्छा कर सकें। शिक्षक विद्यार्थियों के साथ सुदृढ़ और सहयोगी संबंध विकसित करने के लिये कठिन परिश्रम करते हैं ताकि वे स्वयं को महत्वपूर्ण महसूस करें जिससे उनका भरोसा बढ़े और उनकी रचनात्मकता विकसित हो। यह दृष्टिकोण डिजाइनिंग के चयनित क्षेत्र में उनके कौशल को बढ़ावा देता है और रोजगार पाने की उनकी योग्यता बढ़ती है।

एनआईडी एमपी डिजाइन शिक्षा में उत्कृष्टता का केंद्र है और अपने विद्यार्थियों को संतुलित, मूल्यों के प्रति निष्ठावान, संवेदनशील और समाज के उत्तरदायी सदस्य के रूप में विकसित करता है। एनआईडी एमपी का लक्ष्य नयी सहस्राब्दि के ऐसे डिजाइनर तैयार करना है जिनमें मानवीय और नैतिक मूल्यों के प्रति आस्था हो और जो भारत को विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में लाने के लिये तत्पर हों। संस्थान अपनी विभिन्न परियोजनाओं और संपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग, व्यवसाय और समुदाय के बीच एक प्रभावी इंटरफेस के रूप में काम कर रहा है।

एनआईडी एमपी को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा प्राप्त है। यह दर्जा देश के विशिष्ट क्षेत्र में उच्च कौशल प्राप्त कर्मी विकसित करने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान को दिया जाता है। यह डीपीआईआईटी के तहत एक स्वायत्तशासी संस्थान है जो स्वशासन के कुशल मॉडल के माध्यम से अकादमिक उत्कृष्टता के साथ शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार सुधार कर रहा है। यह स्वायत्तता एनआईडी एमपी को उद्योग, सरकार इत्यादि की जरूरतों के अनुरूप अपना पाठ्यक्रम और आकलन विधियां तैयार करने की स्वतंत्रता देती है।

छात्रावास और भोजनालय खंड: एनआईडी एमपी परिसर

पुस्तकालय खंडः एनआईडी एमपी परिसर

1.2 वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा डीपीआईआईटी

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार विदेशी और घरेलू व्यापार के विकास को विनियमित करने और बढ़ावा देने के लिये जिम्मेदार है। यह उत्पादकों और निर्यातकों के लिये अवसर और अनुकूल कार्य माहौल सृजित करने का प्रयास करता है। इस मंत्रालय का कार्य निष्पादन दो विभागों के जरिये होता है – वाणिज्य विभाग तथा उद्योग आंतरिक एवं व्यापार संवर्द्धन विभाग।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए औद्योगिक क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने वाले उपाय तय करने और लागू करने के लिये उत्तरदायी है। यह विभाग औद्योगिक नीति निर्धारण के लिये भी उत्तरदायी है, जिसमें भारतीय उद्योगों में उत्पादकता, औद्योगिक प्रबंधन, ई-वाणिज्य और स्टार्ट अप संबंधी मुद्दे, व्यापार सुगमता बढ़ाना, खुदरा कारोबार सहित आंतरिक व्यापार संवर्द्धन और उद्योग प्रशासन से संबंधित विभाग आते हैं।

डीपीआईआईटी भारत सरकार की निम्नलिखित पहल और नीतियों के प्रबंधन के लिये नोडल विभाग है।

1. मेक इन इंडिया (एमआईआई)
2. परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी)
3 भारत में निवेश
4. सार्वजनिक खरीद
5. व्यापार सुगमता (ईओडीबी)
6. स्टार्ट अप इंडिया
7. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)
8. राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) नीति
9. राष्ट्रीय डिजाइन नीति
10. औद्योगिक पार्क रेटिंग प्रणाली (आईपीआरएस)
11. बौद्धिक संपदा अधिकार प्रशासन
12. आईपीआर संवर्द्धन और प्रबंधन प्रकोष्ठ (सीआईपीएम)

1.3 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश अधिदेश

एनआईडी का अधिदेश विश्वस्तरीय डिजाइन शिक्षा उपलब्ध कराना तथा गुणवत्तापूर्ण डिजाइन और उसके उपयोग के बारे में जागरुकता बढ़ाकर जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

1. भारत की डिजाइन संबंधी विविध जरूरतें पूरी करने के लिये उत्कृष्ट डिजाइन पेशेवरों का सृजन।
2. डिजाइन प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करना, अन्य संस्थानों का डिजाइन कौशल संवर्द्धन और वैश्विक स्तर के अनुरूप डिजाइन शिक्षा और शोध को बढ़ावा देना।
3. वर्तमान और नये संस्थागत उपायों से क्वालिटी डिजाइन के पेशेवरों और शिक्षकों की संख्या बढ़ाना।
4. डिजाइन संबंधी ज्ञान, अनुभव तथा उत्पाद, प्रणाली,

सामग्री, डिजाइन, तथा पारंपरिक और आधुनिक प्रौद्योगिकियों से संबंधित जानकारियों का कोष बनना।

5. सुलभ लागत पर घरेलू डिजाइन संबंधी समाधानों और दैनिक उपयोग के उत्पादों को बढ़ावा देना।

6. राष्ट्रीय महत्व के सेक्टरों में पेशेवर डिजाइनरों की सेवा लेना सुनिश्चित करना ताकि डिजाइन शिक्षा और अभ्यासों का स्तर बढ़ाया जा सके।

7. राजस्व अर्जन रणनीति के रूप में विद्यार्थियों की भागीदारी से एकीकृत डिजाइन परामर्श सेवाएं और अभिनव डिजाइन समाधान उपलब्ध कराना।

8. जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिये विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन जैसे बहुविषयक क्षेत्रों के लिये डिजाइन इनपुट, उत्पाद, सेवाएं, प्रक्रियाएं, प्रणालियां इत्यादि सृजित करना और उपलब्ध कराना।

9. बेहतर सूचना और इंटरफेस डिजाइन के माध्यम से भौतिक विश्व को वर्चुअल और डिजिटल विश्व से जोड़ना।

10. संपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से शिल्प और हथकरघा क्षेत्र, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, लघु, मध्यम और बड़े पैमाने के उद्यमों के लिये डिजाइन प्रयोग उपलब्ध कराना और इसके जरिये रोजगार के अवसर सृजित करना।

अकादमिक खंड: एनआईडी एमपी परिसर

1.4 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश 29 नवंबर 2019 को भारत के राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम,2019 के दायरे में लाया गया। संस्थान को डिजाइन में स्नातक डिग्री (बी,डेएस), डिजाइन में मास्टर डिग्री (एम.डेएस) और डिजाइन में पीएचडी डिग्री प्रदान करने के लिये अधिकृत किया गया।

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम,2019, एवं राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम,2014 के आदेशानुसार एनआईडी एमपी में अध्यापन, संस्थान के प्राधिकरण, शासी परिषद की शक्तियां, सीनेट, निधियों के स्रोत, लेखा और लेखा परीक्षण, विधान और अध्यादेशों से संबंधित प्रावधान और ऐसी अन्य सूचनाएं निर्दिष्ट की जाती हैं।

प्रथम विधान अधिनियम में दिये गये प्रावधानों को आगे विस्तार देते हैं और इनमें शासी परिषद की शक्तियां, परिषद के लिये स्थायी समिति, निर्देशक, सीनेट, फैकल्टी शाखा, शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, फेलोशिप, छात्रवृत्तियां, पदक, पुरस्कार इत्यादि, अकादमिक सलाहकार समिति, फैकल्टी फोरम, स्टाफ सदस्यों का वर्गीकरण, नियुक्ति के लिये चयन समिति, कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रणाली इत्यादि शामिल है।

अध्यादेश अध्ययन, अध्यापन, मूल्यांकन और विद्यार्थियों के अनुभवों से जुड़े अन्य पक्षों की रूपरेखा तय करते हैं। वे संस्थान में शिक्षा के प्रति सुसंगत और समान दृष्टिकोण सुनिश्चित करते हैं।

विभिन्न क्षेत्रों जैसे अकादमिक समग्रता, मूल्यांकन विधियां, ग्रेडिंग, संसाधन उपयोग, विद्यार्थी आचार संहिता इत्यादि के लिये विनियम तय करने वाले मानक और नीतियों का निर्धारण करते हैं।

विन्ध्यांचल पहाड़ियों की पृष्ठभूमि में एनआईडी एमपी परिसर

2. वैधानिक निकाय

2.1 शासी परिषद और सदस्य

शासी परिषद संस्थान की प्रधान कार्यकारी और नीति निर्धारक निकाय है। यह व्यापक अकादमिक नीतियों और कार्यक्रमों का अनुमोदन करता है और संस्थान के कार्यों पर निगरानी रखता है। यह संस्थान के सामान्य निरीक्षण, दिशानिर्देश और नियंत्रण के लिये भी उत्तरदायी है। शासी परिषद में विभिन्न समूह के लोग शामिल होते हैं – व्यापक अनुभव रखने वाले उद्योगपति, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, संस्थान समुदाय के सदस्य, विभिन्न क्षेत्रों से प्रमुख शिक्षाविद, जो विविध दृष्टिकोण और विशेषज्ञता के साथ होते हैं।

शासी परिषद वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करती है और उसे पारित करती है, वार्षिक बजट पारित करती है, लेखा परीक्षित विवरणों की समीक्षा करती है, संस्थान के कामकाज से संबंधित विधान तय करती है, अध्यादेशों का अनुमोदन करती है और संस्थान के कार्य निष्पादन के लिये अपनायी जाने वाली प्रक्रियाएं तय करती है। इसके अलावा यह संस्थान की शैक्षणिक और अन्य संबंधित गतिविधियों का निरीक्षण करती है, विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन की समीक्षा करती है, उनके शैक्षणिक विकास पर निगरानी रखती है और नये अकादमिक कार्यक्रम शुरू करने की स्वीकृति देती है। परिषद कार्य संपादन के लिये आवश्यक समितियों का गठन करती है। ऐच्छिक, अनुदान, दान तथा उपहार राशि इत्यादि प्राप्त करने के लिये परस्पर सहमत शर्तों पर सरकार और निजी संगठनों के साथ समझौता करने का अधिकार और शक्तियां भी शासी परिषद के ही पास है।

शासी परिषद शैक्षणिक मानदंड निर्धारित करती है, संस्थान की संरचना तय करती है और संसाधनों के आवंटन पर नजर रखती है। वित्तीय कार्य निष्पादन पर नजर रखकर तथा वित्तीय आयोजना और व्यय संबंधी नीतियों को स्वीकृति देकर परिषद यह सुनिश्चित करती है कि संस्थान वित्तीय रूप से सुदृढ़ और सतत सुचारु बना रहे। शासी परिषद प्रवेश, अध्ययन, स्नातक संबंधी मानदंडो का अनुमोदन करती है और संस्थान के अकादमिक स्तर पर नजर रखती है। यह सुनिश्चित करने का दायित्त्व भी परिषद का है कि संस्थान सुलभ और समावेशी बना रहे तथा समानता और विविधता को बढ़ावा दे।

शासी परिषद राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश को डिजाइन शिक्षा में अग्रणी उच्च शिक्षण संस्थान बनाने तथा विद्यार्थियों और अन्य हितग्राहियों की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिये लगातार मार्गदर्शन प्रदान कर रही है।

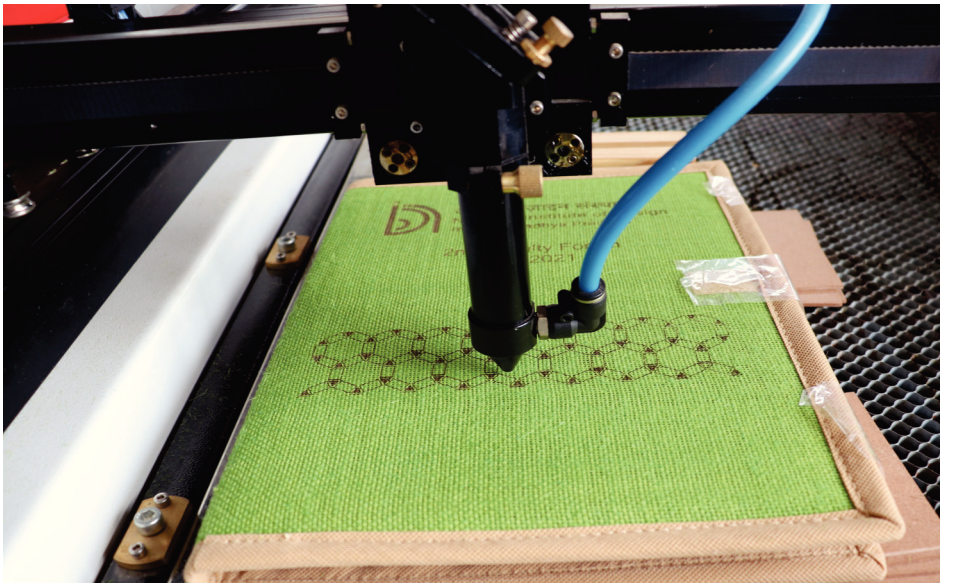

लेजर कटिंग और इनग्रेविंग मशीन की सहायता से फोल्डर पर पैटर्न उकेरना

धातु खराद मशीन को परिचालित करता विद्यार्थी

शासी परिषद के सदस्य

श्री रविंदर
अध्यक्ष शासी निकाय एवं संयुक्त सचिव
डी पी आई आई टी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार
(01.04.2021-15.04.2021)

श्री आर.के. सिंह
संयुक्त सचिव
डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
(15.04.2021- 31.03.2022)

प्रो. धीरज कुमार
सदस्य सचिव, निर्देशक
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

श्री शशांक प्रिय
सदस्य, अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार
डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

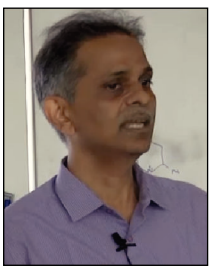

श्री संजय प्रसाद
सदस्य, संयुक्त सचिव
सार्वजनिक वित्त II संभाग, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्रीमती नीता प्रसाद
सदस्य, संयुक्त सचिव (आईसीसी/पी)
उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

श्री अतीश कुमार सिंह
सदस्य, संयुक्त सचिव
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

श्री अनुपम राजन
सदस्य, प्रधान सचिव
उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश सरकार

श्री मनोज गोविल
सदस्य, प्रधान सचिव
वित्त विभाग, मध्य प्रदेश सरकार

श्री संजय कुमार शुक्ला
प्रधान सचिव
औद्योगिक नीति और निवेश संवर्द्धन, मध्य प्रदेश सरकार

श्री अविनाश लावनिया
सदस्य, जिला कलेक्टर
भोपाल जिला, मध्य प्रदेश सरकार

विद्यार्थी ज्यूरी कार्य प्रदर्शन

बुनियादी सामग्री प्रदर्शन

2.2 शासी परिषद की स्थायी समिति

शासी परिषद की स्थायी समिति सभी रणनीतिक, वित्तीय, शासनिक, प्रशासनिक, कार्य संबंधी और शैक्षणिक मामलों की निगरानी और मूल्यांकन करती है, परामर्श देती है तथा इनसे संबंधित अंतर्दृष्टि और दूरदृष्टि उपलब्ध कराती है।

स्थायी समिति कर्मचारियों की भर्ती, शिक्षण और गैर शिक्षण कर्मियों की सेवा शर्तों, वार्षिक लेखा, बजट तैयार करने, आय और व्यय, आवर्ती/अनवर्ती व्यय की सीमा तय करने, बुनियादी ढांचा खरीद और रखरखाव, परिसंपत्तियों का निर्माण, नियामक अनुपालन, गुणवत्तापूर्ण नीति, नवाचार और इनक्यूबेशन, पेटेंट इत्यादि मामलों में अनुशंसा करती है।

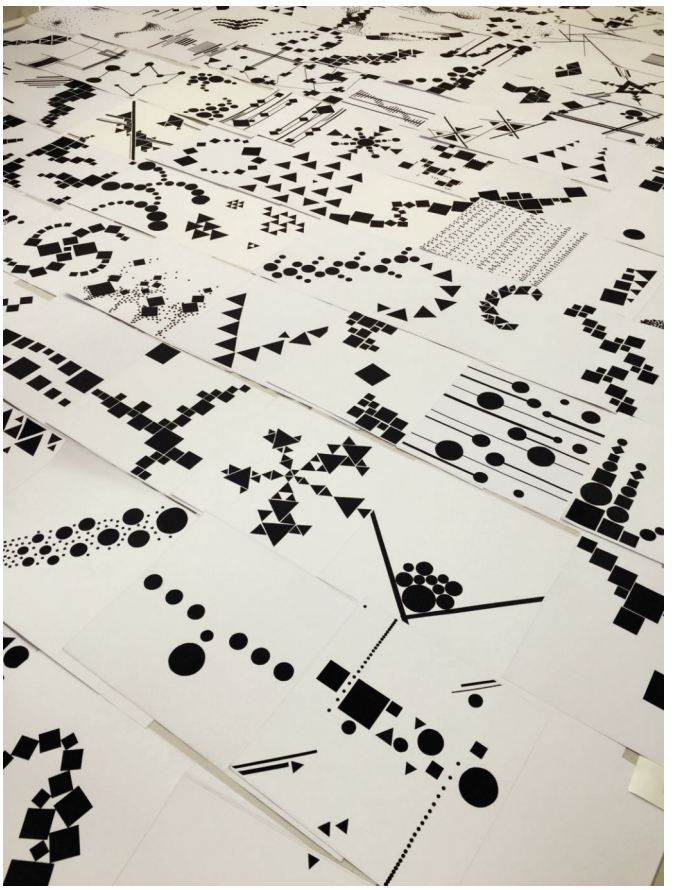

संरचना पाठ्यक्रम के घटकों का विद्यार्थी कार्य प्रदर्शन

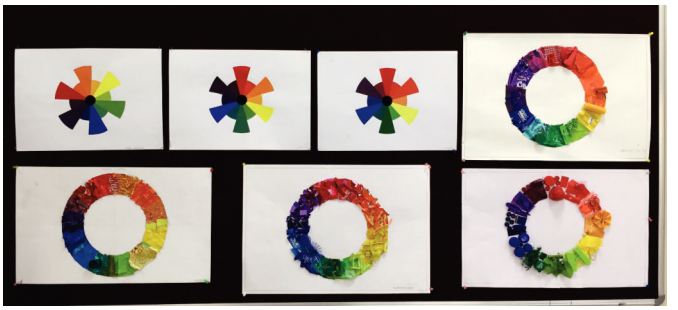

रंग पाठ्यक्रम तत्वों पर विद्यार्थी असाइनमेंट

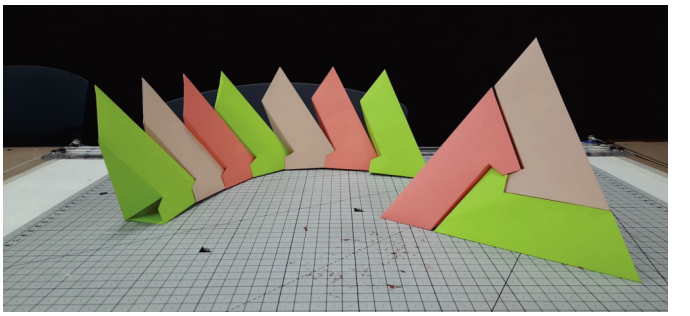

3-डी ज्यामितीय निर्माण पर विद्यार्थी का असाइनमेंट

2.3 सीनेट

सीनेट संस्थान का प्रधान अकादमिक प्राधिकरण है जिसका दायित्व शिक्षण, मूल्यांकन और शोध पर नियमन रखना और इनका मानदंड बनाये रखना है। यह शिक्षण, विस्तार, समन्वय कार्यक्रम, बौद्धिक संपदा अधिकार संवर्द्धन, उद्यमिता और इनक्यूबेशन इत्यादि के प्रबंधन और मानदंडो में सुधार के लिये भी उत्तरदायी है।

एनआईडी एमपी का सीनेट प्रवेश, अनुदेश और परीक्षाओं, पाठ्यक्रम संरचना और रिवीजन, छात्रवृत्ति और पुरस्कार, डिग्री प्रदान करने, विषय व्यवस्था/ कार्यक्रमो/ परिसरों के सृजन, पुनःसंरचना, समापन इत्यादि से जुड़े मामलों की समीक्षा करता है। इसके लिये सीनेट समितियां या कार्य बल गठित कर सकता है जो कार्य विशेष का परीक्षण करते हैं और अपनी अनुशंसाएं सौंपते हैं। सीनेट विभिन्न शिक्षकों और विषयों से संबंधित गतिविधियों की समय समय पर समीक्षा भी करता है और संस्थान में शिक्षा मानदंडों की उत्कृष्टता बनाये रखने के लिये समुचित कार्य योजना की सिफारिश करता है।

2.4 फैकल्टी फोरम

फैकल्टी फोरम में संस्थान के सभी शिक्षक सदस्य शामिल होते हैं। यह फोरम सभी शिक्षकों के बीच सूचना प्रसार तंत्र मजबूत करने तथा नैतिक और पेशेवर मानदंड के उच्च स्तर को बढ़ावा देने के उपाय सुझाता है। फोरम में सभी शिक्षक सदस्य एकत्र होकर अपने प्रभार के अंतर्गत आने वाले विषयों पर अपने

सहयोगियों की प्रस्तुतियां सुनते हैं तथा गुणवत्ता में और सुधार, अध्ययन–अध्यापन प्रक्रियाओं, मूल्यांकन प्रणाली और अन्य संबंधित समकालीन विषयों में नवाचार लाने के लिये चर्चा में भाग लेते हैं। विषय व्यवस्था प्रमुख और गतिविधि प्रमुख अपने संबंधित विषयों/गतिविधियों में पिछले फैकल्टी फोरम की बैठक के बाद हुई प्रगति की रिपोर्ट सौंपते हैं।

आउटडोर लाईव स्केचिंग करते विद्यार्थी

निदेशक, एनआईडी एमपी को एक समूह फोटोग्राफ भेंट किया गया

बुनियादी शिक्षण: प्रकृति चित्रांकन

निर्देशक, एनआईडी एमपी द्वारा उद्घाटन संबोधन

एनआईडी एमपी के निर्देशक फैकल्टी फोरम का उद्घाटन करते हुए

फैकल्टी फोरम के दौरान विचार-विमर्श

फैकल्टी फोरम के दौरान विचार-विमर्श

फोरम नवाचारी सोच को प्रोत्साहित करता है तथा शिक्षक सदस्यों के बीच एकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देता है। फैकल्टी फोरम की बैठक वर्ष में कम से कम दो बार होती है। फोरम सीनेट को पाठ्यक्रम प्रतिपादन, मूल्यांकन और निर्णायक समिति पर भी फीडबैक देता है।

फैकल्टी फोरम के दौरान विषय प्रमुख, संचार डिजाइन द्वारा प्रस्तुति

फैकल्टी फोरम के दौरान विषय प्रमुख, वस्त्र और परिधान डिजाइन द्वारा प्रस्तुति

फैकल्टी फोरम के दौरान विषय प्रमुख, औद्योगिक डिजाइन द्वारा प्रस्तुति

फैकल्टी फोरम के दौरान विषय प्रमुख, फाउंडेशन अध्ययन द्वारा प्रस्तुति

अनुभाग विन्यास और अकादमिक कार्य प्रवाह

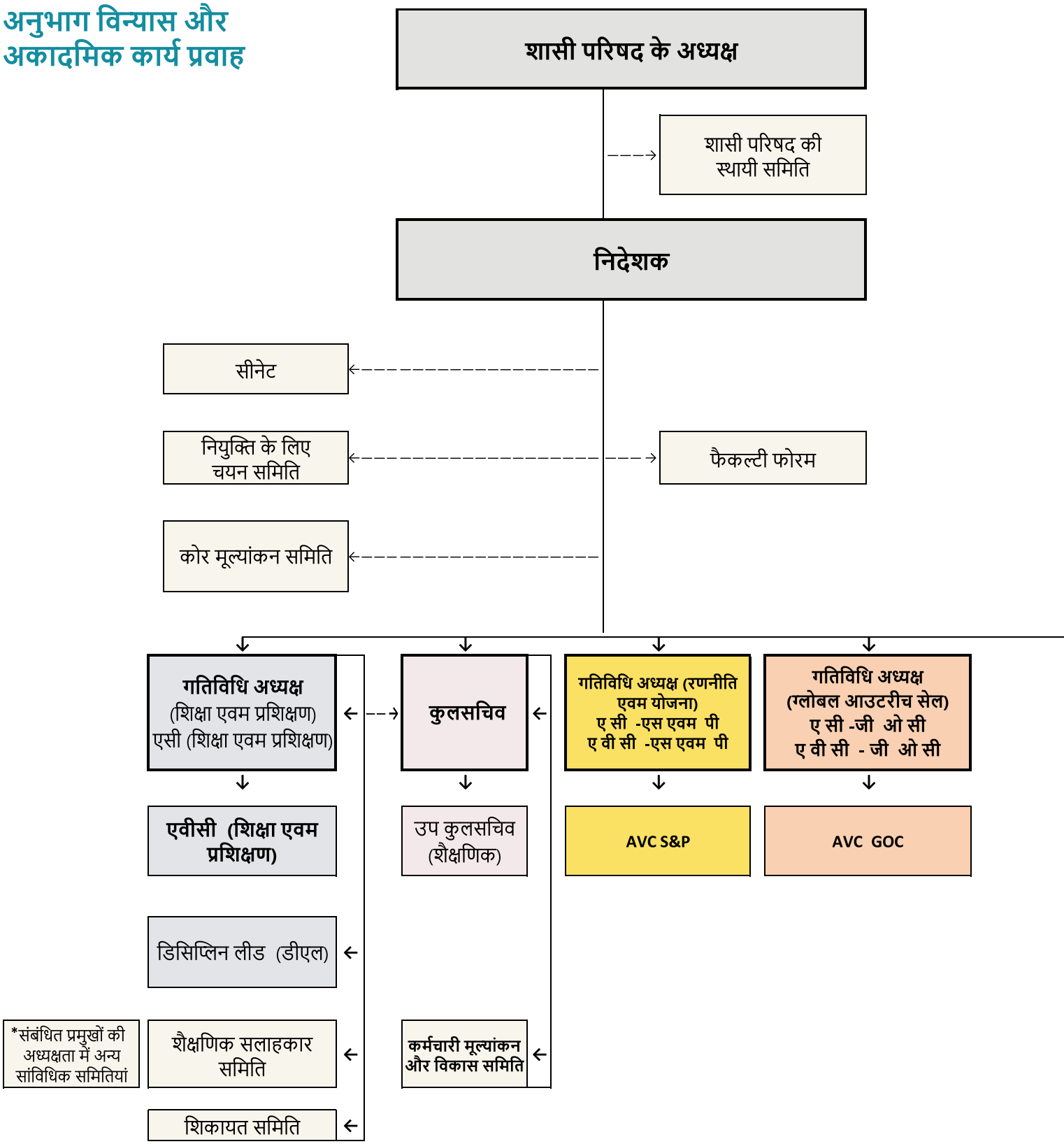

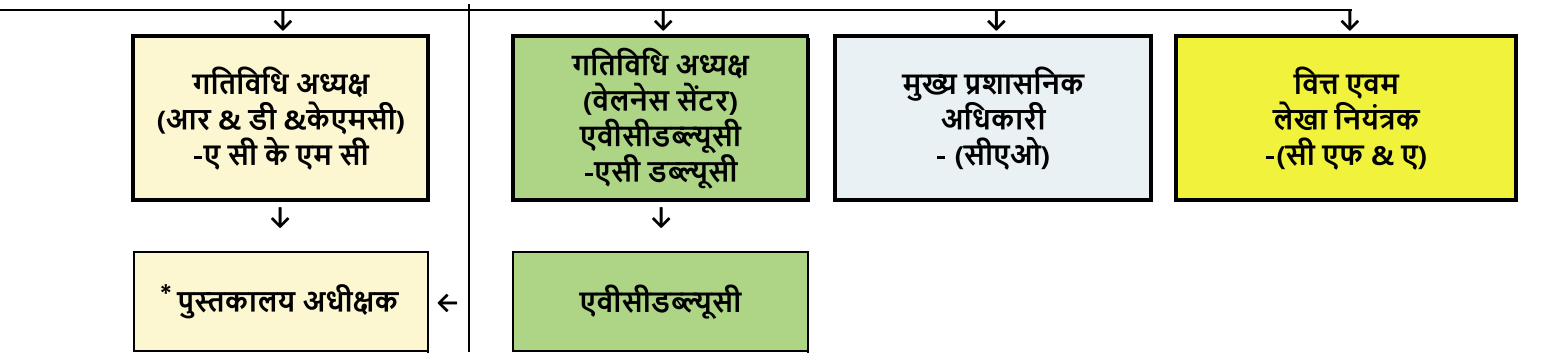

टिप्पणी :

1. सभी यूजी प्रोग्राम के लिए प्रथम वर्ष के सामान्य फाउंडेशन स्टडीज को सभी विषयों के लिए व्यापक ज्ञान आधार बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
2. सभी स्नातक कार्यक्रमों का उन्मुखीकरण व्यापक आधारित है, जो संकाय वर्ग की जरूरतों के अनुरूप है
3. सभी कार्यक्रम उद्योग प्रथाओं और मानकों के अनुरूप हैं। विभिन्न शैक्षणिक स्वरूपों में सभी कार्यक्रमों के लिए उद्योग का प्रदर्शन केंद्रीय है।

3. अनुभाग विन्यास और अकादमिक कार्य प्रवाह

3.1 फैकल्टी वर्ग

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश का प्राध्यापक एवं प्रशिक्षक वर्ग सक्षम रचनात्मक और कुशल डिजाइन पेशेवरों का विविध समुदाय है। जो लगातार नए डिजाइन विकसित करने तथा उद्योग और समाज की डिजाइन संबंधी समस्याओं का समाधान तलाशने में लगे रहते हैं। प्रत्येक शिक्षक वर्ग शोध, अनुसंधान और विचार-विमर्श के माध्यम से पाठ्यक्रम में शामिल विभिन्न विषयों के बारे में महत्वपूर्ण जागरूकता विकसित करने के लिए प्रयासरत रहता है।

प्रत्येक विषयवर्ग के शिक्षक अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं जो विद्यार्थियों को नवीनतम जानकारी, तकनीक औ विषय के संबंधित सर्वोत्तम अभ्यासों से परिचित कराते हैं। इससे विद्यार्थियों को अपने चयनित क्षेत्रों में ज्ञान और कौशल बढ़ाने में मदद मिलती है। कभी-कभी दो या अधिक शिक्षक वर्ग साथ मिलकर काम करते हैं और अंतर विषयक पाठ्यक्रम, अकादमिक जानकारी उपलब्ध कराते हैं, जिससे विद्यार्थियों में डिजाइन संबंधी मुद्दों की व्यापक समझ विकसित होती है और वे संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए कौशल संपन्न होते हैं। विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी अनेक गतिविधियों/कायक्रमों का संचालन करते हैं और कभी कभी अन्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को भी उसमें शामिल करते हैं। इससे विद्यार्थी समुदाय को उन गतिविधियों औ कार्यक्रमकों में भाग लेने का मौका मिलता है जो उनकी रूचि का क्षेत्र है और साथ ही वे संस्थान में उपलब्ध संसाधनों और अवसरों का भी लाभ उठा पाते हैं।

संस्थान तीन संकाय में स्नातक डिजाइन कार्यक्रम उपलब्ध कराता है। प्रत्येक संकाय का व्यापक ध्यान क्षेत्र नीचे दिया गया है:

औद्योगिक डिजाइन संकाय (एफआईडी)

औद्योगिक डिजाइन संकाय विद्यार्थियों को उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं की डिजाइन और विकास में विशेषज्ञता उपलब्ध कराता है। इस फैकल्टी में असाधारण, नवाचारी शिक्षक-प्रशिक्षक शामिल हैं, जिनका उद्देश्य विषय के संबंधित रचनात्मकता, दूरदर्शिता और निष्ठा-समर्पण के उच्चस्तर को प्राप्त करना है। विद्यार्थियों को डिजाइन सिद्धांत, उत्पाद डिजाइन, सामग्री और विनिर्माण, परिस्थिति विज्ञान और संधारणीय डिजाइन से संबंधित अवधारणाओं के बारे में पढाया जाता है।

विषय के अध्ययन का उद्देश्य मूल्य संतुष्टि और उपयोगिता के साथ ग्राहक अनुकूल उत्पादों का निर्माण करना है जैसे- फर्नीचर, आंतरिक सज्जा की वस्तुएं, सेरेमिक और शीशे के उत्पाद इत्यादि। संस्थान का लक्ष्य ऐसे स्नातकों को तैयार करना है जिनमें समाज और उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता अनुरूप सुंदर, सुरूचिपूर्ण और आकर्षक डिजाइन सृजित करने का ज्ञान और कौशल हो।

विद्यार्थी मृदा मॉडलिंग संबंधित बुनियादी बातें सीखते हुए

एक जारी कार्यशाला सत्र

संचार डिजाइन फैकल्टी (एफसीडी)

संचार डिजाइन संकाय का लक्ष्य विद्यार्थियों को दृश्य और मौखिक संचार के सिद्धांतों और अभ्यासों की शिक्षा देना है। यह संकाय अत्यधिक विविध मीडिया और मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़ा है। पाठ्यक्रम इस प्रकार तय किए जाते हैं जो विद्यार्थियों में डिजाइन सिद्धांत की मजबूत आधारशिला विकसित कर सके और साथ ही साथ उन्हें डिजाइन उपकरणों और तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव भी उपलब्ध करा सके।

विद्यार्थियों को दृश्य माध्यम से अवधारणा और मानवीय अनुभवों को स्पष्ट करने के लिए शब्दों, चित्रों और अभिव्यक्तियों को जोड़ने की कला सिखलाई जाती है। विद्यार्थी ग्राफिक डिजाइन, एनिमेशन, फिल्म और वीडियो संचार डिजाइन, फोटोग्राफी, एक्जीबिशन डिजाइन, इलुस्ट्रेशन, वेब डिजाइन और विज्ञापन इत्यादि से संबंधित आवधारणाएं सीखते हैं।

डिजिटल चित्रांकन और अभिव्यक्ति के लिए उच्च प्रोफेशनल ग्राफिक्स टेबलेट का उपयोग।

कैमरे का प्रयोग सीखना

कपड़ा एवं परिधान डिजाइन संकाय (एफटीएडी)

कपड़ा और परिधान डिजाइन संकाय डिजाइनिंग से संबंधित एक अनूठा शिक्षण वर्ग है जो कपड़ा, परिधान, फैशन और आंतरिक साज-सज्जा उत्पाद डिजाइन से जुड़ा है। इस विषय वर्ग के अंतर्गत शामिल कार्यक्रम वस्त्र उत्पाद विकास, परिधान डिजाइनिंग, जीवनशैली और फैशन उत्पादों और उनके व्यापार के बीच एक संतुलन स्थापित करते हैं। इसके तहत उपलब्ध कराये जाने वाले कार्यक्रम कपड़ा विकास, वस्त्र विनिर्माण प्रौद्योगिकी, जीवन शैली और फैशन उत्पाद तथा डिजाइन की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से गहराई से जुड़े हैं। विद्यार्थियों को पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र और आधुनिक प्रौद्योगिकी आधारित कपड़ा, परिधान और सहायक उत्पाद उद्योग दोनों में सर्वोत्तम मानदंड विकसित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

वस्त्र विनिर्माण लैब में परिधानों का प्रदर्शन।

फैब्रिक प्रिंटिंग के बाद स्ट्रीमिंग प्रक्रिया।

सूचना प्रौद्योगिकी एकीकृत डिजाइन संकाय (एफआईटीआईडी)– अभी कार्यक्रम उपलब्ध कराए जाने हैं

सूचना प्रौद्योगिकी एकीकृत डिजाइन संकाय वर्ग ऐसे कार्यक्रम उपलब्ध कराता है जिनकी अवधारणा सूचना-प्रौद्योगिकी आधारित डिजाइन के इर्द-गिर्द विकसित होती है। यह संकाय भविष्य के डिजाइन उद्योग को ध्यान में रखकर डिजाइन संबंधी समाधान उपलब्ध कराता है। विद्यार्थियों को एक उत्सुक नवाचारी के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए उभरते डिजाइन परिदृश्य को ध्यान में रखा जाता है। इस प्रकार प्रशिक्षित विद्यार्थी उद्योगों की आवश्यकता को समझते हैं और रचनात्मक माध्यमों से डिजाइन का उपयोग करते हैं तथा समस्याओं के कुशल समाधान में भी सक्षम होते हैं।

अंतरविषयक डिजाइन फैकल्टी (एफआईडी)– अभी कार्यक्रम उपल्बध कराए जाने हैं।

अंतरविषयक डिजाइन फैकल्टी वर्ग गैर डिजाइन विषयों जैसे- विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रबंधन इत्यादि की डिजाइन आधारित आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करता है और विशेषज्ञता प्राप्त कार्यक्रमों के माध्यम से संबंधित समस्याओं का समाधान तलाशता है। इस वर्ग के अंतर्गत उपलब्ध कराये जाने वाले अधिकांश कार्यक्रम परास्नातक अध्ययन माने जाते हैं। हालांकि कुछ मामलों में समुचित कारणों से स्नातक स्तर पर भी ये उपलब्ध कराये जा सकते हैं।

इस विषय वर्ग के तहत उपलब्ध कराये जाने वाले क्रार्यक्रम इस विश्वास पर आधारित होते हैं कि सफल नेतृत्व के लिए प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों की व्यापक समझ जरूरी है। इस फैकल्टी का उद्देश्य ऐसे स्नातक तैयार करना है जो समाज से समक्ष आने वाले चुनौतियों का सामना बहुविषयक समाधानों के साथ करने में सक्षम हो।

कुटीर और ग्रामीण उद्योग विभाग, मध्य प्रदेश सरकार की प्रधानसचिव सुश्री स्मिता भारद्वाज के साथ टेराकोटा अयनार अश्व प्रतिमा कला पर बातचीत।

जनजातीय कार्य विभाग मध्य प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम - टीआरवाईटी अनुसंधान और विकास केंद्र को अंतिम रूप देने के अवसर पर उपस्थित श्री रविन्द्र चौधरी, निदेशक जनजातीय कार्य विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, श्रीमती मीनाक्षी सिंह, उप सचिव, वन्य और अन्य वरिष्ठ अधिकारी, वन्य। विभिन्न संपर्क परियोजनाओं पर विचार-विमर्श के बाद

डिजाइन आधारित पराविषयक अध्ययन (एफडीबीटीसी) – अभी कार्यक्रम उपलब्ध कराये जाने हैं

यह फैकल्टी डिजाइन आधारित वैज्ञानिक शोध, डिजाइन प्रबंधन अध्ययन, डिजाइन अभियांत्रिकी, सामाजिक संदर्भ में डिजाइन, या कोई अन्य क्षेत्र जिनमें डिजाइन मूल्य संबर्द्धन और रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण हैं, पर ध्यान केंद्रित करती है।

3.2 संस्थान का प्रबंधन

प्रबंधन टीम अकादमिक और रणनीतिक नेतृत्व, कार्यात्मक समन्वय, शिक्षण और संपर्क में उत्कृष्टता को प्रोत्साहन, सेमेस्टर वार शैक्षणिक कैलेंडर जारी करना, विद्यार्थियों और कर्मचारियों का हित संरक्षण, वार्षिक बजट की तैयारी संबंधी जरूरतें पूरी करना और संस्थान की गतिविधियों और संसाधनों का प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करती है।

अकादमिक गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी, अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग-समन्वय, उद्योग-संस्थान संपर्क को बढ़ावा, मानव संसाधन विकास, अवसंरचना उन्नयन और विद्यार्थियों को संस्थान संचालन के केंद्र में रख कर प्रभावी प्रबंधन का लक्ष्य पूरा किया जाता है।

संस्थान का प्रबंधन निम्नलिखित प्राधिकरणों द्वारा संचालित होता है:

(i) शासी परिषद

(ii) निदेशक

(iii) सीनेट

(iv) शासी परिषद की स्थायी समिति

(v) क्रिया कलाप प्रमुख (शिक्षा)

(vi) अन्य गतिविधि अध्यक्ष

(vii) अकादमिक परामर्शदात्री समिति

(viii) फैकल्टी फोरम

(ix) विभाग प्रमुख

(x) विषय प्रमुख

(xi) रजिस्ट्रार (कुलसचिव)

(xii) मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

(xiii) वित्त और लेखा नियंत्रक

3.3 क्रियाकलाप प्रमुख

गतिविधि अध्यक्ष कुछ निर्धारित केंद्रीकृत गतिविधियों के कार्यान्वयन प्रमुख होते हैं और ये सौंपे गए विशेष कार्यों के तहत गतिविधियां चलाने के लिए उत्तरदायी होते हैं। वे इन क्रियाकलापों के तहत निर्णय लेने और अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन, लघु अवधि और दीर्घावधि रणनीति/योजनाएं, अनुसंधान और विकास गतिविधि संचालन, संपर्क पहल, संस्थान समुदाय के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में शामिल होते हैं।

क्रियाकलाप प्रमुख, प्रथम विधान की धारा 22 के प्रावधानों के तहत निर्देशक द्वारा मनोनीत किए जाते हैं। वर्तमान में संस्थान में निम्नलिखित गतिविधि अध्यक्ष हैं :

(i) गतिविधि अध्यक्ष (शिक्षण और प्रशिक्षण)

(ii) गतिविधि अध्यक्ष (कार्यनीति और आयोजना)

(iii) गतिविधि अध्यक्ष (अनुसंधान और विकास तथा ज्ञान प्रबंधन केंद्र)

(iv) गतिविधि अध्यक्ष (वैश्विक संपर्क प्रकोष्ठ)

(v) गतिविधि अध्यक्ष (आरोग्य केंद्र)

1. गतिविधि अध्यक्ष के कार्य— शिक्षण और प्रशिक्षण

शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधि अध्यक्ष गुणवत्तापूर्ण शिक्षण अनुकूल विद्यार्थी केंद्रित माहौल सृजित करता है और अध्ययन अध्यापन की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए आवश्यक कार्य सुनिश्चित करता है। वह सभी फैकल्टी वर्गों और कार्यक्रमों के तहत शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रशासनिक और अकादमिक गतिविधियों का प्रभारी होता है। संस्थान के शिक्षण और अनुसंधान का मानदंड बनाये रखने के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों में समन्वय और नियमन का दायित्व भी उसके जिम्मे होता है। शिक्षण-प्रशिक्षण गतिविधि अध्यक्ष विद्यार्थियों की अनुशासनात्मक मुद्दों और शिकायतों पर भी नजर रखता है।

2. गतिविधि अध्यक्ष के कार्य— कार्यनीति और आयोजना

कार्यनीति और आयोजना गतिविधि अध्यक्ष संस्थान की दीर्घावधि योजनाएं तय करता है, लक्ष्यों, रणनीतियों, नीतियों और कार्ययोजनाओं के अनुपालन की निगरानी रखता है। वह संस्थान के लक्ष्यों, मिशन और उद्देश्यों के अनुरूप कार्यनीति और योजनाएं निर्धारित करने के प्रति उत्तरदायी होता है। विभिन्न विभागों और कार्यालयों के बीच व्यापक समन्वय और हितधारकों की भागीदारी के लिए आवश्यक रणनीतिक पहल और विशेष प्रोजेक्ट विकसित करने, कार्यान्वित करने और जारी रखने का दायित्व भी उसके जिम्मे है। कार्यनीतिक और आयोजना गतिविधि अध्यक्ष दीर्घावधि योजनाओं की तैयारी और समन्वय, नीति विकास के लिए सुझाव प्रस्तुत करने और संस्थान के विकास के लिए कार्यक्रमों के मूल्यांकन में भी शामिल होता है।

3. गतिविधि अध्यक्ष के कार्य — अनुसंधान और विकास तथा ज्ञान प्रबंधन केंद्र

अनुसंधान और विकास तथा ज्ञान प्रबंधन केंद्र गतिविधि अध्यक्ष अनुसंधान को बढावा देने और संस्थान में अनुसंधान आधारित अभ्यासों को लागू करने के लिए उत्तरदायी है। वह डिजाइन क्षेत्र में अनुसंधान नेतृत्व के लिए विभागों और अन्य संस्थानों के बीच अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के उपायों के लिए भी

उतरदायी है। गतिविधि अध्यक्ष बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं के लिए अवसरों की पहचान करता है। वह परियोजना प्रस्तावों की तैयारी, वित्त पोषण के लिए आवेदन सौंपा जाना और वित्त पोषण एजेंसियों के साथ संपर्क सुनिश्चित करता है। अनुसंधान और विकास गतिविधियों की प्रगति के बारे में निदेशक को समय-समय पर रिपोर्ट सौंपा जाना, प्रायोजित अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव की स्थिति और लक्षित कार्य निष्पादन के लिए प्रस्तावित कार्रवाई भी उसके दायित्व क्षेत्र में है।

4. गतिविधि अध्यक्ष के कार्य — वैश्विक संपर्क प्रकोष्ठ

वैश्विक संपर्क प्रकोष्ठ क्रियाकलाप प्रमुख, संस्थान और विदेशी हित-धारकों के बीच महत्वपूर्ण सेतु है। उसका लक्ष्य उद्योग और व्यापार संगठनों के साथ लगातार संपर्क विकसित करना है। वैश्विक संपर्क प्रकोष्ठ गतिविधि अध्यक्ष उद्योग, अन्य सगठनों और शिक्षा जगत के साथ समन्वय के लिए तंत्र की योजना बनाने और कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी है। वह फैकल्टी को परामर्श सेवाओं में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विदेशी भागीदारी अवसरों का लाभ उठाने के लिए तंत्र विकसित करता है और परामर्श नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर नजर रखता है। वह प्रायोजित अनुसंधान, औद्योगिक परामर्श, परियोजना और पेशेवर प्रशिक्षण संबंधी विषयों के लिए भी उत्तरदायी होता है।

प्रधान सचिव कुटीर और ग्रामोद्योग विभाग, एमपी और मध्यप्रदेश के प्रमुख वस्त्र और फैशन डिजाइनर निर्देशक कार्यालय में आयोजित विचार-विमर्श के दौरान।

आमंत्रित/अतिथि अधिकारी को सीएनसी राउटर मशीन के कार्यनिष्पादन की जानकारी देते तकनीकी अनुदेशक।

5. गतिविधि अध्यक्ष के कार्य— आयोग्य केंद्र

आरोग्य केंद्र गतिविधि अध्यक्ष विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, व्यक्तिगत विकास और समग्र आरोग्य के लिए आवश्यक कार्यनीतिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराता है। वह संस्थान के विद्यार्थियों और कर्मचारियों का शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, पर्यावरणीय और पेशेगत आयोग्य सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होता है। आरोग्य केंद्र गतिविधि अध्यक्ष एनआईडी एमपी में व्यापक नैदानिक, परामर्श संबंधी और गतिविधि आधारित उपायों की योजना बनाता है और उन्हें कार्यान्वित करता है।

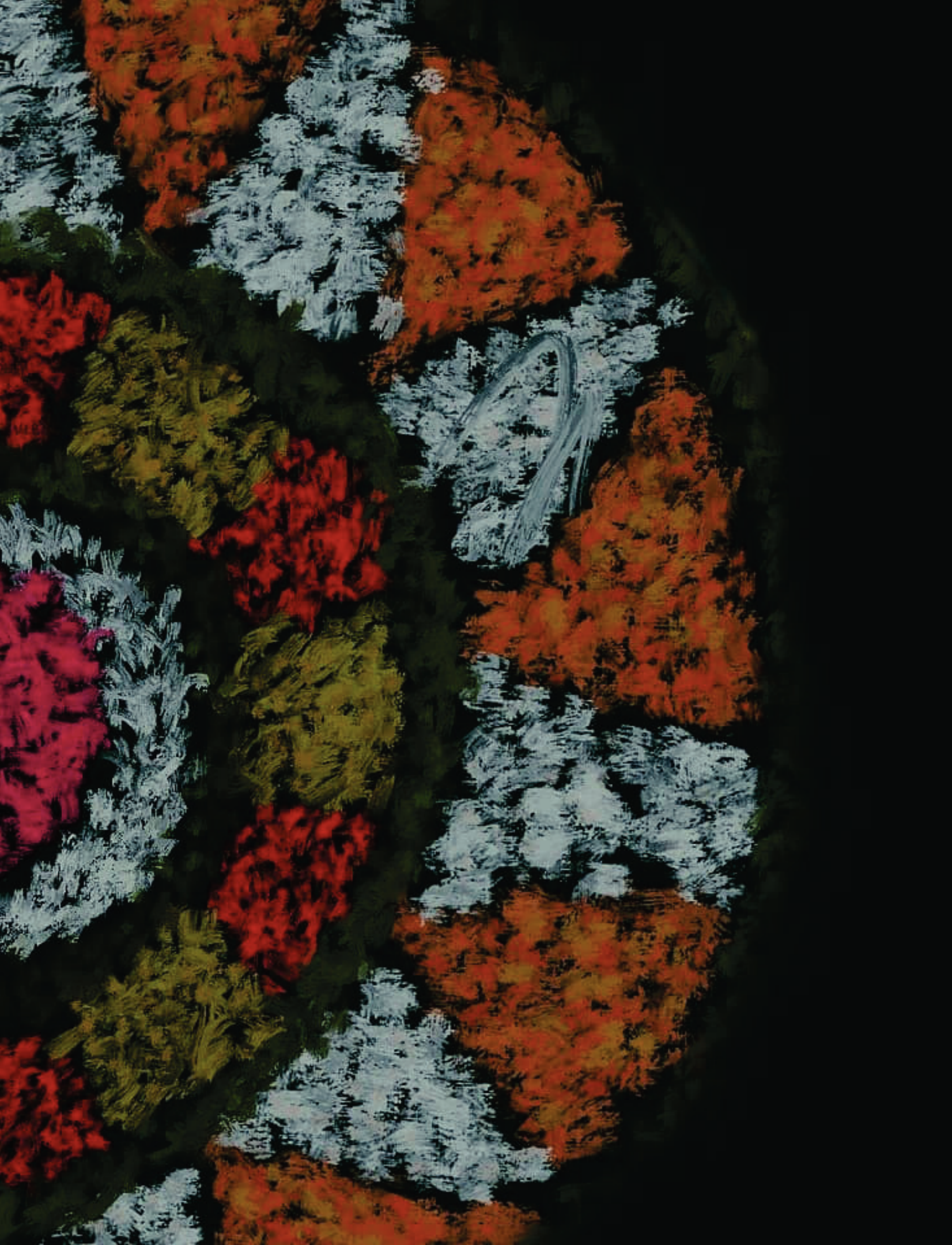

4. अकादमिक विषय

संस्थान तीन विषयों में स्नातक डिग्री प्रदान करता है- स्नातक डिजाइन (औद्योगिक डिजाइन) , स्नातक डिजाइन (संचार डिजाइन) और स्नातक डिजाइन (कपड़ा और परिधान डिजाइन)। इन सभी विषयों के लिए पहले वर्ष में साझा फाउंडेशन प्रोग्राम होता है।

4.1 फाउंडेशन अध्ययन (यूजी कार्यक्रम) १ वर्ष

अनुकूलन कार्यक्रम (ऑनलाइन)

नए बैच के लिए अनुकूलन कार्यक्रम का संचालन फाउंडेशन अध्ययन टीम (सुश्री नीतिका देवगन, सुश्री सुव्रता यादव, श्री अमित के. गहलोत और श्री सनी कोलेकर) द्वारा 13 और 14 सितंबर 2021 को किया गया।

डिजाइन क्षेत्र के प्रतिष्ठित अतिथि वक्ताओं द्वारा विद्यार्थियों के लिए अनुकूलन संबोधन।

ऑनलाइन कक्षाएं

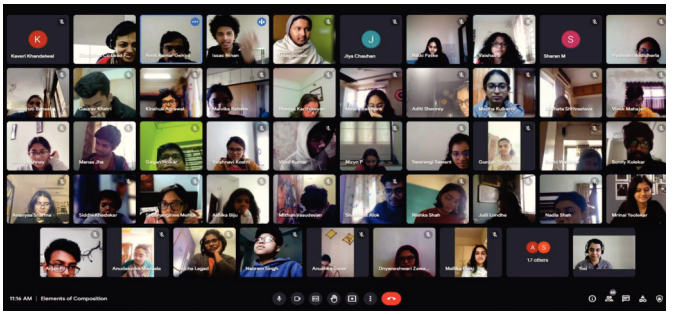

फाउंडेशन अध्ययन सेमेस्टर का पहला दिन।

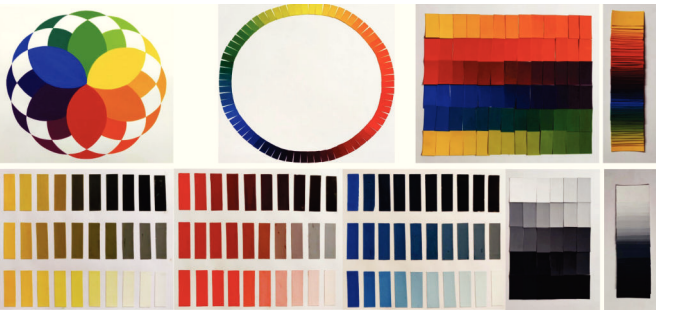

रंग पाठ्यक्रम के तत्वों पर विद्यार्थियों का असाइन्मेंट

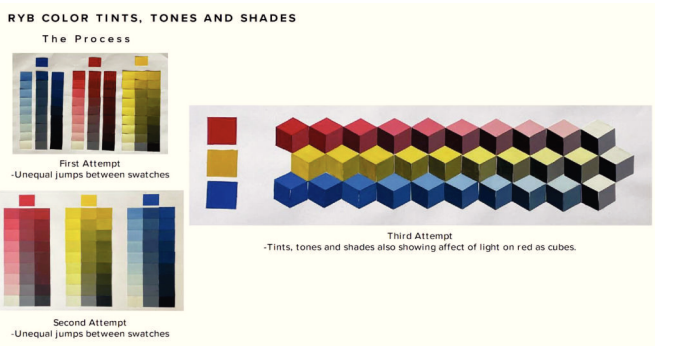

रंग पाठ्यक्रम के तत्वों पर विद्यार्थियों का असाइन्मेंट

विद्यार्थियों द्वारा रंग योजना अन्वेषण

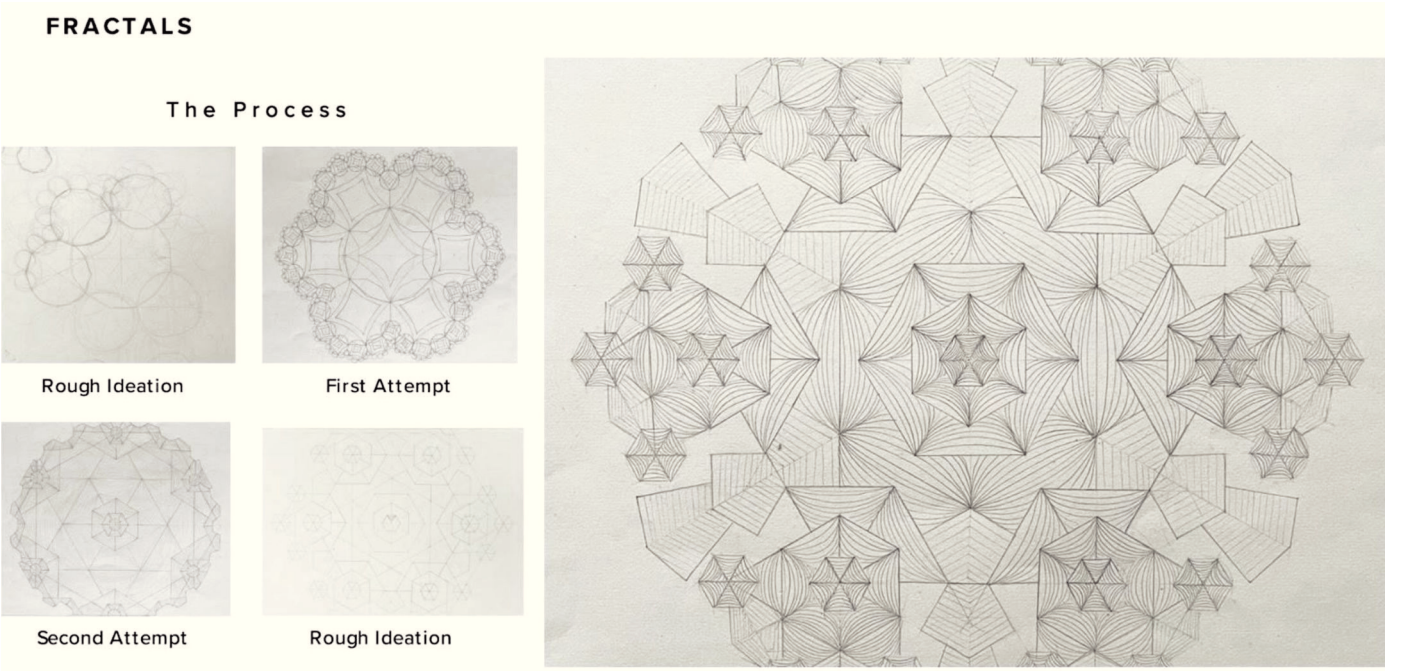

विद्यार्थियों द्वारा अक्षय ज्यामितिय कार्य

विद्यार्थियों द्वारा अक्षय ज्यामितिय कार्य

डिजाइन चित्रांकन और फ्री हैंड चित्रांकन में विद्यार्थियों का कार्य।

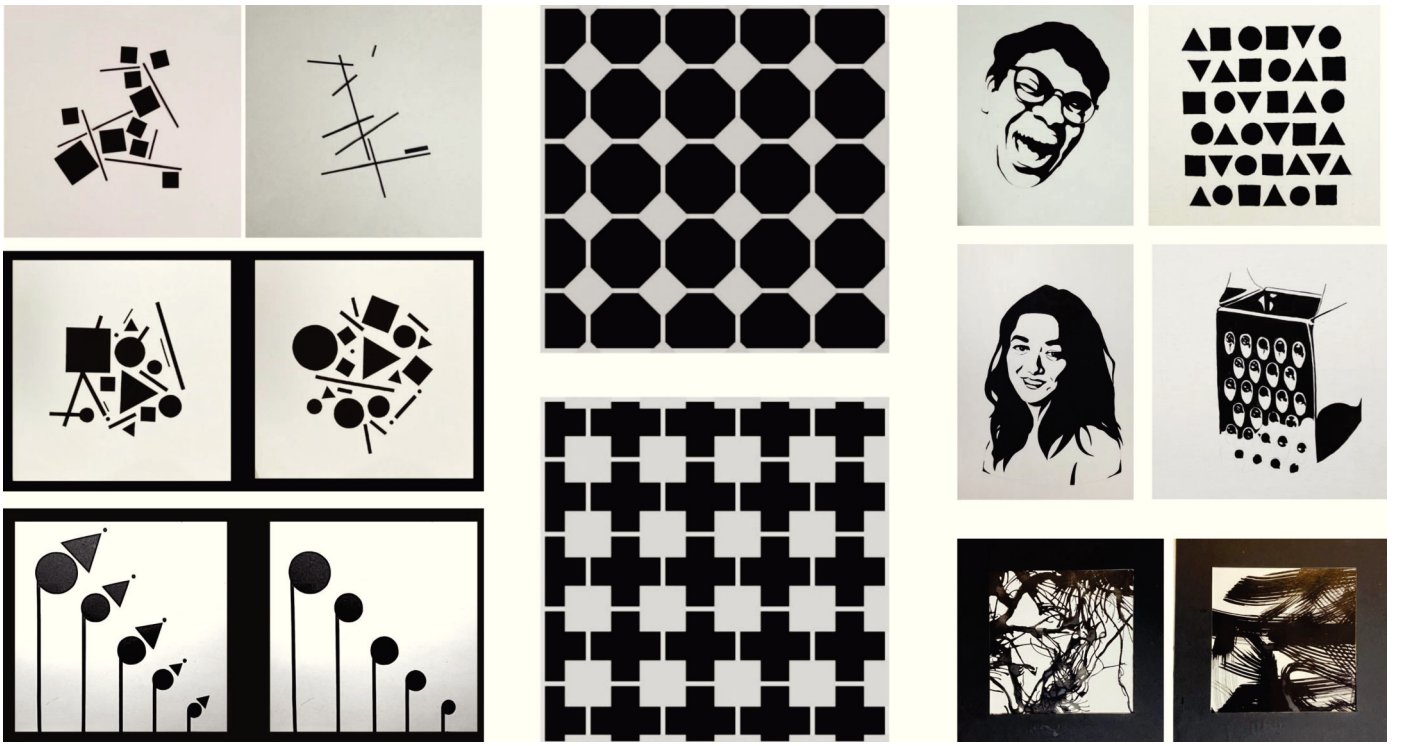

संरचना तत्वों में विद्यार्थी कार्य

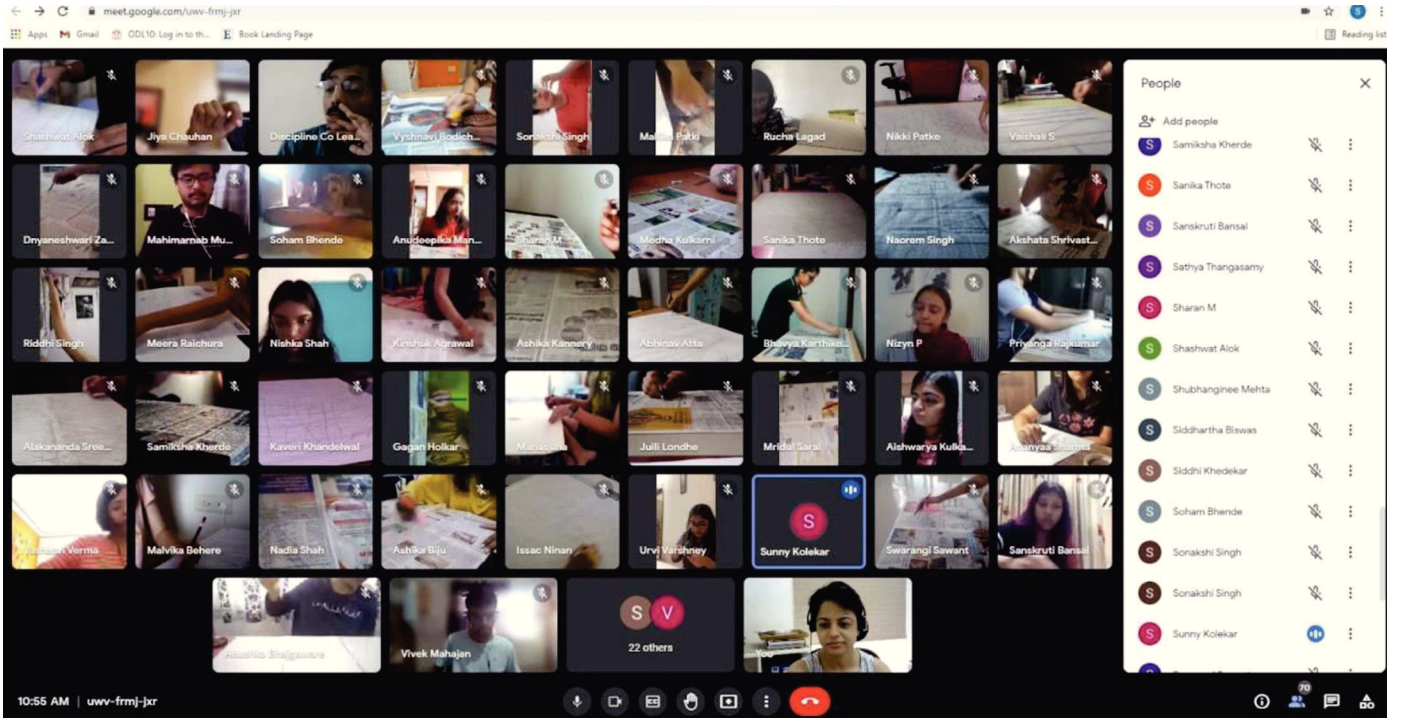

सेमेस्टर 1 का अंतिम दिन

कैलिग्राफी कार्यशाला

श्री सुतीर्थे डे द्वारा संचालित कैलिग्राफी कार्यशाला

श्री सुतीर्थे डे द्वार संचालित कैलिग्राफी कार्यशाला

रि-पत्रम

यह सुश्री सुव्रता यादव (फाउंडेशन अध्ययन) द्वारा सृजित और फाउंडेशन अध्ययन टीम- श्री शैलेन्द्र ओझा और श्री राहुल मीणा द्वारा समर्थित पहल है।

संस्थान से एकत्र कागज कचरे का पुन:चक्रण और प्रसंस्करण।

In an effort to give back to nature,
We at National Institute of Design Madhya Pradesh are recycling paper with minimum resources and creating paper and more products from it.
This PAPER LAB , named re-patram ; the name is derieved from the sanskrit title for paper '*patram*'. *re* is for recycle and reuse of paper.

प्रक्रिया

प्राप्त उत्पाद

दस्तावेजीकरण प्रक्रिया

विद्यार्थी कार्यों के मॉड्यूल का दस्तावेजीकरण :

पाठ्यक्रम हैंडबुक | फाउंडेशन अध्ययन

विद्यार्थी हैंडबुक

फाउंडेशन अध्ययन सेमेस्टर दस्तावेजीकरण पुस्तिका

फाउंडेशन अध्ययन वार्षिक दस्तावेजीकरण पुस्तिका

फाउंडेशन फैकल्टी :

सुश्री नितिका देवगन (विषय प्रमुख)

श्री अमित के. गहलोत (विषय उप-प्रमुख)

सुश्री सुव्रता यादव (विषय उप-प्रमुख)

श्री सनी कोलेकर (फैकल्टी)

निर्णायक मंडल | फाऊंडेशन अध्ययन :

बाहरी निर्णायक मंडल सदस्य : श्री वाई विवेकानंद , सुश्री नंदिता मेहरोत्रा

आंतरिक निर्णायक मंडल सदस्य : सुश्री नितिका देवगन, श्री अमित के. गहलोत, सुश्री सुव्रता यादव, श्री सनी कोलेकर।

मॉड्यूल : फ्री हैंड चित्रांकन

श्री नवल सिंह चौहान (अतिथि फैकल्टी), श्री अमित के. गहलोत, सुश्री सुव्रता यादव, सुश्री नीतिका देवगन, श्री सनी कोलेकर

मॉड्यूल : अक्षय ज्यामिति

सुश्री सुव्रता यादव, श्री अमित के. गहलोत, सुश्री नीतिका देवगन

मॉड्यूल: डिजाइनर चित्रांकन

श्री अमित के. गहलोत, सुश्री सुव्रता यादव, सुश्री नीतिका देवगन

मॉड्यूल : विज्ञान और मुक्त कला

डॉ. मदन मीणा, सुश्री अनुस्मिता दास, सुश्री खुशबू भारती, (अतिथि फैकल्टी) श्री अमित के. गहलोत, सुश्री सुव्रता यादव, सुश्री नीतिका देवगन, श्री सनी कोलेकर

मॉड्यूल : कला और डिजाइन का इतिहास

डॉ. रेबेका रूबेन्स (अतिथि शिक्षक), श्री अमित के. गहलोत, सुश्री नीतिका देवगन, सुश्री सुव्रता यादव, श्री सनी कोलेकर

मॉड्यूल : संरचना

सुश्री नीतिका देवगन, सुश्री सुव्रता यादव, श्री अमित के. गहलोत, श्री सनी कोलेकर, श्री. हर्ष (अतिथि शिक्षक), श्री. सुतीर्थे डे (अतिथि शिक्षक)

मॉड्यूल : रंग

सुश्री नीतिका देवगन, सुश्री सुव्रता यादव, श्री अमित के. गहलोत, श्री सनी कोलेकर,

विशेष सत्र

सुश्री विद्या अय्यर (रंग विशेषज्ञ प्रोफेशनल)

श्री सुतीर्थे थे (कैलिग्राफी विशेषज्ञ)

फाउंडेशन अध्ययन के एक विद्यार्थी का ऑनलाइन आसाइनमेंट

फाउंडेशन अध्ययन के एक विद्यार्थी का ऑनलाइन आसाइनमेंट।

4.2 डिजाइन स्नातक (औद्योगिक डिजाइन)

औद्योगिक डिजाइन (आईडी) कार्यक्रम इस विषय में रचनात्मकता, दूरदृष्टि और निष्ठा का उच्चस्तर स्थापित करने वाले असाधारण और नवाचारी डिजाइनरों के प्रशिक्षण और विकास के लिए समर्पित है। यह अत्यधिक विविधतापूर्ण कार्यक्रम डिजाइन के माध्यम से उद्योग आधारित व्यापक उत्पादों के लिए विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित करता है। यह कार्यक्रम केवल एक उत्पाद की आकृति पर ही ध्यान केंद्रित नहीं करता बल्कि उसके क्रियात्मक पक्ष पर भी और उपयोगकर्ताओं को मिलने वाली मूल्य संतुष्टि और अनुभव पर भी ध्यान देता है।

कार्यक्रम के तहत निधारित पाठ्यक्रम औद्योगिक डिजाइनों के पारंपरिक मूल्यों और नवीनतक रूझानों पर भी बल देता है, ताकि विद्यार्थी दोहरे आयामों वाले चित्रांकन से लेकर तीन आयाम वाले मॉकअप और मॉडल सृजित करने में विशेषज्ञता

प्राप्त कर सके, जिसमें विनिर्माण संबंधी बारीकियां भी शामिल हों। कार्यक्रम के समापन तक विद्यार्थी जीवन के विविध क्षेत्रों में प्रयुक्त होने वाली अवधारणा विकसित करने तथा उत्पादों, उपकरणों और संयंत्रों के डिजाइन और सुधार की तकनीक सीख लेता है।

संहिता	**पाठ्यक्रम– चौथा सेमेस्टर**
EL401	इलेक्टिव : डेटा विजुअलाइजेशन (संकल्पना)
EL402	इलेक्टिव : उद्योग विश्लेषण नीत डिजाइन प्रक्रिया
EL403	इलेक्टिव : पैरामैट्रिक डिजाइन
ID401	उत्पाद चित्रांकन-II
ID 403	सामग्री और विनिर्माण–II
ID404	भौतिक परिस्थिति विज्ञान
ID405	प्रोटोटाइप विकास 1
ID402	आकार-प्रकार अध्ययन – II
ID406	डिजाइन परियोजना - I
संहिता	**पाठ्यक्रम – छठा सेमेस्टर**
EL601	इलेक्टिव: डेटा विजुअलाइजेशन (संकल्पना)
EL602	इलेक्टिव: उद्योग विश्लेषण नीत डिजाइन प्रक्रिया
EL603	इलेक्टिव: पैरामैट्रिक डिजाइन
ID601	पैकेजिंग डिजाइन
ID604	समावेशी डिजाइन
ID602	सेवा डिजाइन
ID603	मूल्य अभियांत्रिकी
ID605	डिजाइन परियोजना –III

मृदापात्र निर्माण कला कक्षा से पहले की तैयारी

इस डिजाइन प्रक्रिया में डिजाइनिंग, मॉडलिंग, प्रोटोटाइपिंग और परीक्षण के चरण शामिल होते हैं। मशीनों और उपकरणों से सुसज्जित औद्योगिक डिजाइन कार्यशाला में विद्यार्थी नवाचार, सौंद्यबोध और कार्यात्मकता बनाए रखने के लिए तत्वों के बीच संतुलन स्थापित करना सीखते हैं। इसमें पहले धातु, मृदा और सेरेमिक, लकड़ी, प्लास्टिक और अन्य सामग्री से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं से जुड़े क्षेत्र शामिल होते हैं। हालांकि बड़ी संख्या में मशीनों औ उपकरणों के सहयोग से सुविधाएं बढाने के लगातार प्रयास किए गए हैं। इनका उपयोग विद्यार्थियों को आधुनिक औद्योगिक डिजाइन की विधियों में प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता है। विद्यार्थी इनके माध्यम से शिक्षकों और तकनीकी कर्मचारियों की सतर्क निगरानी में अपनी रचनात्मक योग्यताएं, दृश्यात्मक और स्थानिक क्षमताओं, औद्योगिक प्रक्रियाओं, तकनीकों की जानकारी और त्रि आयामी अवधारणा योग्यताओं में बढ़ोतरी करते हैं।

वर्तमान में एनआईडी एमपी के औद्योगिक डिजाइन कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों जैसे- लकड़ी की कारीगरी, सामान्य कार्यशाला, मशीन शॉप, बेल्डिंग शॉप, सेरेमिक और मृदा, सूचना प्रोद्योगिकी समर्थित लैब, कटाई-छटाई और निर्माण संबंधी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सीएनसी राउटर मशीन की सहायता से विभिन्न आकारों की कटाई और 2डी प्रोफाइल।

खराद और पिसाई मशीन

विद्युत भट्ठी

विद्यार्थियों द्वारा मृदा मॉडलिंग और बर्तन निर्माण कार्य

औद्योगिक डिजाइन कार्यशाला में उपलब्ध मशीनों की सूची

1 सेंटर लेदर मशीन और संबंधित साजो सामान
2 लेजर इनग्रेवर और कटिंग मशीन
3 2 स्पीड स्क्रॉल सॉ डीएस 460
4 हॉट वायर कटर थर्मो कट
5 सिंपो पॉट व्हील और थ्रोईंग बैट्स
6 अल्टीमेटर 3डी प्रिंटर और फिलामेंट
7 प्लास्टर व्हील
8 पाइप रैपिड बेंडर
9 थ्री रॉल्स स्लिप हैंड रॉलर
10 हाथ से संचालित शियरिंग मशीन
11 बॉक्स और पेन बेंडिंग मशीन
12 प्लैनर- थिकनेसर एडी 41
13 फेल्डर थिकनेसर डी951
14 फेल्डर बैंड सॉ एफबी 510
15 सर्कुलर सॉ मशीन के 350
16 धूल संग्राहक एएफ 14
17 इंगरसॉल एयर कम्प्रेशर और ड्रायर/ फिल्टर
18 वैक्यूम फॉर्मिंग मशीन एंड फ्रेम
19 गैस वेल्ड़िंग
20 टीआईजी वेल्डिंग मशीन
21 एमआईजी वेल्डिंग मशीन
22 आर्क वेल्डिंग मशीन
23 सर्कुलर सॉ- हस्त
24 बेल्ट सैंडर- हस्त
25 एंगल ग्राइंडर
26 मित्रे सॉ
27 सैंड बफिंग मशीन (हस्त)
28 फ्लेक्सिबल ग्राइंडर
29 ड्रिलिंग मशीन (हस्त)
30 विद्युत भट्ठी
31 सीएनसी राउटर

32 मिलिंग मशीन

33 लकड़ी खराद मशीन

34 पावर हैक्सॉ मशीन

4.3 डिजाइन स्नातक (संचार डिजाइन)

संचार डिजाइन कार्यक्रम विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में लगातार विकसित हो रही पेशेगत विशेषज्ञता में योगदान के लिए सुदृढ तकनीकी, सृजनात्मक और समन्वित कौशल से लैस करता है। यह कार्यक्रम संचार डिजाइन के अत्यधिक विविध और व्यापक विस्तार से संबंधित है। विद्यार्थी संचार डिजाइन के विभिन्न क्षेत्रों में उभरने वाली जटिल समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न अवधारणाएं, सौंदर्यबोध और तकनीकी कौशल विकसित करते हैं।

यह कार्यक्रम विचारों और कार्यों को प्रभावित करने वाले जटिल मुद्दों को दृश्य माध्यम से संप्रेषित करता है। विद्यार्थी विभिन्न स्टूडियो/लैब असाइनमेंट के माध्यम से इस व्यापक क्षेत्र के विविध उपक्षेत्रों से परिचित होते हैं और विषय को उसके सांस्कृतिक, सामाजिक, पारिस्थितकीय और आर्थिक संदर्भ में समझना सीखते हैं। विद्यार्थियों को बहुआयामी संदेशों और भावनाओं के सम्प्रेषण के लिए विविध परियोजनाओं पर काम करने और प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एक विद्यार्थी द्वारा परीक्षण अन्वेषण।

सामूहिक प्रोजेक्ट पर काम करते विद्यार्थी

4.4 डिजाइन स्नातक (कपड़ा और परिधान डिजाइन)

कपड़ा और परिधान डिजाइन (टीएड़ी) एक विशिष्ट और अनूठा कार्यक्रम है जो वस्त्र, फैशन और आंतरिक साज-सज्जा की व्यापक आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह कार्यक्रम वस्त्र उत्पाद विकास और परिधान डिजाइनिंग के क्षेत्र में एक संतुलन स्थापित करता है। यह वस्त्र विकास और परिधान विनिर्माण प्रौद्योगिकी की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से गहराई से जुड़ा है। विद्यार्थी पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र और आधुनिक वस्त्र प्रौद्योगिकी तथा परिधान उद्योग में अपनी विशेषज्ञता विकसित करते हैं। यह कार्यक्रम वस्त्र उद्योग के रचनात्मक और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में डिजाइन कला, रसायण विज्ञान और ऐतिहासिक परिदृश्य के क्षेत्रों से संबंधित इनपुट में संतुलन भी स्थापित करता है।

विद्यार्थी वस्त्र और परिधान क्षेत्रों में मानव निर्मित और प्राकृतिक तंतु दोनों में विभिन्न प्रक्रियाओं का अन्वेषण करना सीखते हैं। इस कार्यक्रम में वस्त्र और परिधान के ऐतिहासिक संदर्भ, संरचना, विचारोन्मेष, बुनियादी करघा संरचना, करघा लगाने, तंतु सृजन, सिलाई और परिधान निर्माण तकनीक, पैटर्न निर्माण इत्यादि शामिल हैं। विद्यार्थी कटाई, सिलाई, ड्रैपिंग और विभिन्न उपयोगों के अनुकूल परिधान बनाने का कौशल सीखते हैं।

'वस्त्र और परिधान' केवल स्टाइल, फैशन या शालीनता तक ही सीमित नहीं है। यह व्यक्ति की प्रभावशीलता से जुड़ी बुनियादी आवश्यकता है। व्यापक स्तर पर दृश्य संस्कृति, परंपरा, संरक्षा

और पहचान इसके दायरे में आते हैं। वस्त्र और परिधान डिजाइन पेशेवर रिटेल ब्रांड, शिल्प क्षेत्र, मीडिया घरानों, निर्यात केंद्रों, क्रेताओं, डिजाइन स्टूडियो, ऑनलाइन स्टोर, वैश्विक ब्रैंड, फिल्मों, थियेटर और मंचीय परिधान आपूर्तिकर्ताओं, उद्यमियों और शैक्षणिक संस्थानों इत्यादि के लिए काम करते हैं। वस्त्र और परिधान डिजाइन कार्यक्रम मुख्य रूप से ऐसे डिजाइनरों को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करता है जो रोजगार के नए अवसर सृजित कर सके और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान कर सके।

परिधान निर्माण लैब में संस्थान समुदाय के लिए मास्क की सिलाई।

एक नमूने में विभिन्न प्रकार की स्टिच का प्रदर्शन।

अनुपयोगी सामग्री से ड्रैपिंग एक्सप्लोरेशन

वस्त्र एवं परिधान कार्यशाला कार्यशाला

कार्यशाला में टेबल टॉप लूम, जैकवार्ड लूम, ब्लॉक प्रिंटिंग टेबल, स्क्रीन प्रिंटिंग टेबल, स्क्रीन फ्रेम, स्क्रीन एक्सपोजिंग मशीन, क्योरिंग मशीन, स्ट्रिमिंग मशीन, अत्याधुनिक सिलाई मशीनें, ओवरलॉक स्टिचिंग मशीन, पैटर्न निर्माण टेबल, जीएसएम कटर, बीसली बैलेंस, इलेक्ट्रोनिक ट्विस्ट टेस्टर, ईपीआई और पीपीआई काउंटर, एनालिटिकल बैलेंस, ट्रांस्फर प्रिंटिंग मशीन, वैक्यूम आयरन टेबल, स्टैंड़िंग स्टीम आयरन, फ्रीज, वॉशिंग मशीन और विभिन्न आकार के ड्रेस उपलब्ध हैं। वस्त्र कार्यशाला में विद्यार्थी एनालॉग से डिजिटल आधार पर काम कर सकते हैं तथा शास्त्रीय और पारंपरिक बुनाई और प्रिंटिंग से लेकर आधुनिक सामग्री निर्माण तक की कला सीख सकते हैं।

विद्यार्थियों द्वारा निर्मित टाइ और डाई नमूने।

तकनीकी अनुदेशक द्वारा जैक्बार्ड लूम का नियमित रख-रखाव कार्य।

4.5 गुणवत्ता प्रबंधन

संस्थान में गुणवत्ता प्रबंधन अनेक उपायों और विधियों का संकलन है, जिनका उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि प्रक्रियाओं में आवश्यक मानदंड बनाए रखा जा रहा है। संस्थान की गुणवत्ता प्रणाली उच्च गुणवत्ता बनाये रखने के लिए प्रक्रियाओं और उत्तरदायित्वों का निर्वहन करती है और आवश्यक साधन उपलब्ध कराती है। वर्तमान व्यवस्थाओं में सुधार के उपाय, प्रक्रियाएँ, निर्देश और निषेध, फीडबैकिंग तंत्र के माध्यम से उत्कृष्टता निर्वहन का प्रयास किया जाता है। संस्थान कार्यक्रमों में लगातार सुधार, उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थियों का कौशल उन्नयन तथा संस्थान और उद्योग के बीच समन्वय को बढावा देकर गुणवत्ता प्रबंधन को प्रोत्साहित करता है।

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश, संस्थान समुदाय को अपनी क्षमता और कौशल में सुधार के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराता है तथा विद्यार्थियों और कर्मचारियों के शारीरिक और मानसिक और भावनात्मक आरोग्य को बढ़ावा देने के लिए नियमित उपाय करता है। संस्थान सौर पैनल, जल पुन:संभरण, सौर वॉटर हीटर के उपयोग से सतत सुचारू कार्यक्षमता को बढावा देता है। संस्थान ने हरित पहल के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। पुन:चक्रित पानी का उपयोग पौधों और लॉन में पानी देने के लिए किया जाता है। पुन:उपयोग में आने योग्य पानी के बोतलों का इस्तेमाल बैठकों/आयोजनों में होता है। विद्यार्थियों को भोजन बर्बाद नहीं करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। जैविक कचरे को उपयोगी ऊर्वरक में बदलने के लिए कम्पोस्ट मशीन का इस्तेमाल होता है।

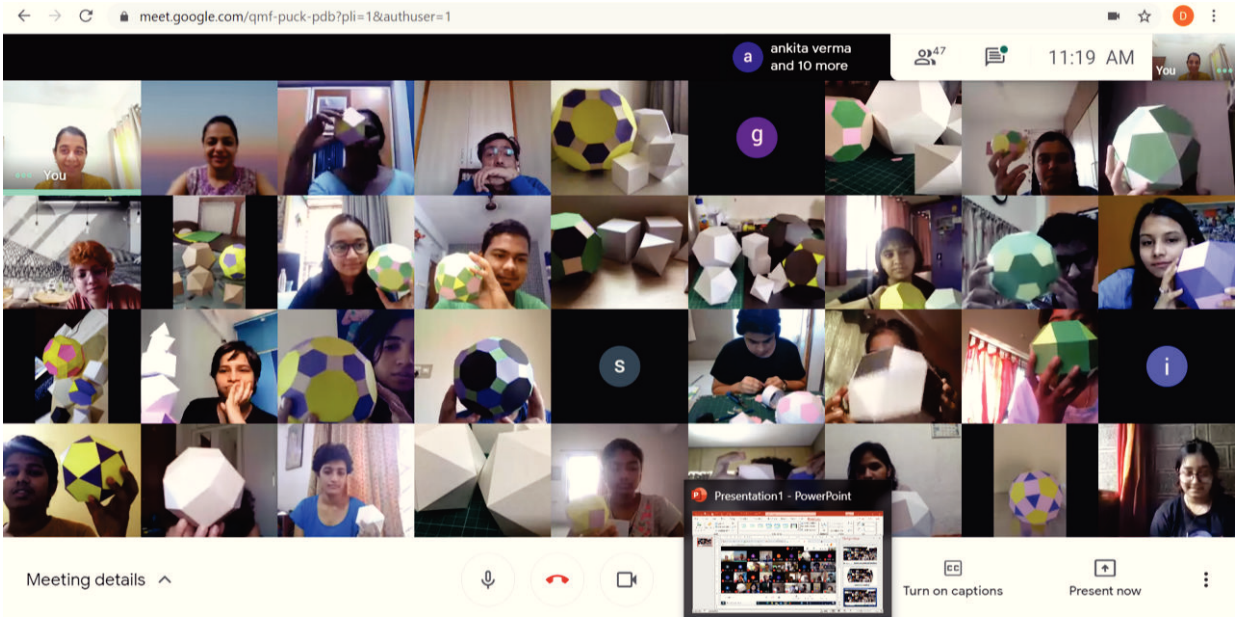

बुनियादी सामग्री और प्रक्रियाओं पर ऑनलाइन सत्र

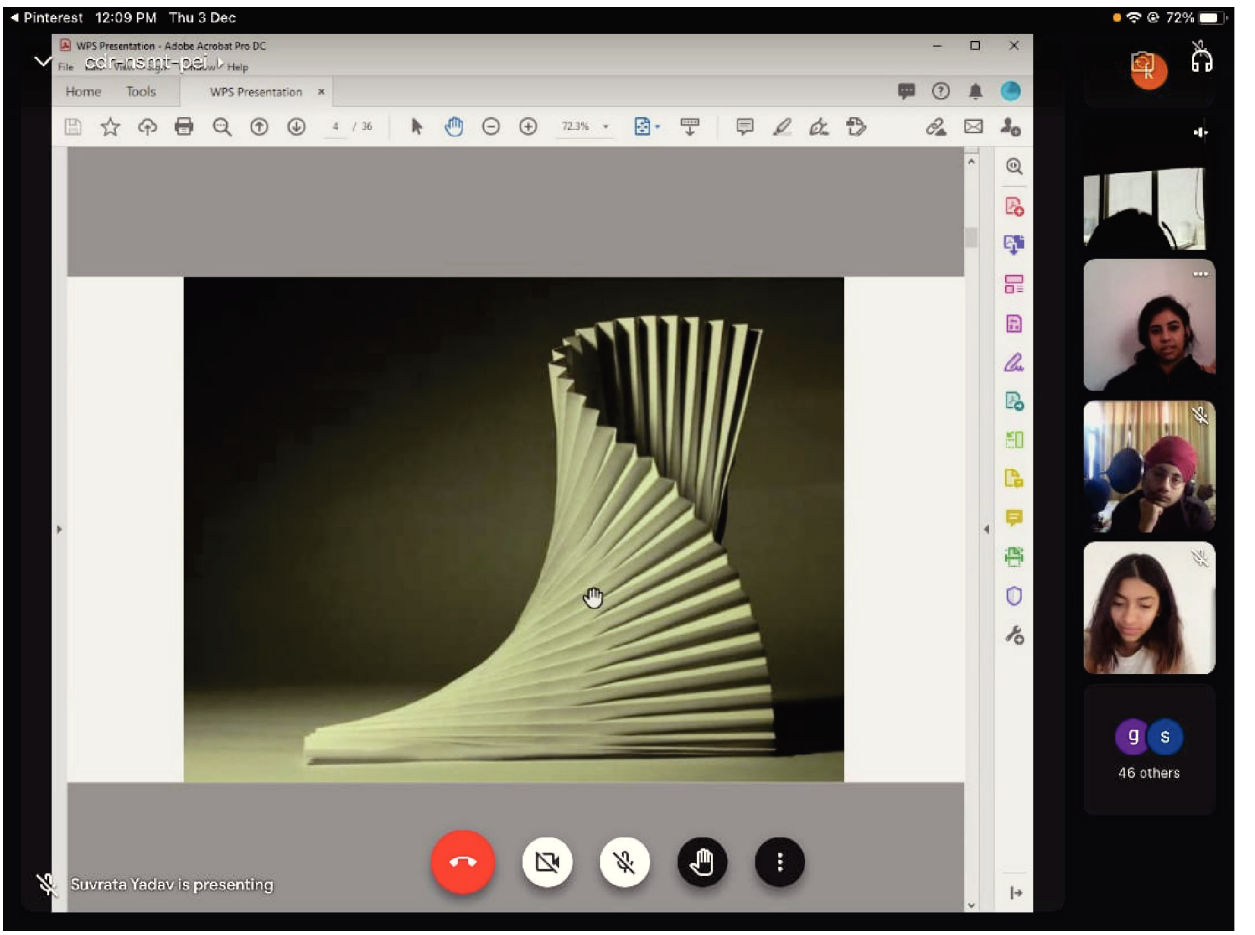

संरचना तत्वों पर ऑनलाइन सत्र

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में संचालनों और शिक्षण की गुणवत्ता विभिन्न संस्थाओं के वैधानिक और गैर वैधानिक निकायों के जरिये बनाए रखी जाती है। जैसे- सीनेट अकादमिक परामर्शदात्री समिति. फैकल्टी फोरम, केंद्रीकृत शिक्षा समिति, पुस्तकालय, परामर्शदात्री समिति, भोजनालय समिति, स्थानीय खरीद समिति, स्क्रीनिंग समितियां, मूल्यांकन समितियां इत्यादि। संस्थान अपने पाठ्यक्रमों, नीतियों, परियोजनाओं और क्रियाकलापों की नियमित समीक्षा करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसकी सेवाएं सभी हितधारकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को पूरा करती हैं और साथ ही वैधानिक और नियामक अपेक्षाओं को भी बनाए रखती हैं।

पीओपी सांचे से असाइनमेंट पूरा करता विद्यार्थी।

विद्यार्थियों द्वरा मृदा मॉडलिंग कार्य

4.6 प्रवेश

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्यप्रदेश विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी प्रवेश प्रक्रिया के आधार पर प्रवेश की अनुमति देता है। यह प्रवेश प्रक्रिया सभी पांच राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में केंद्रीकृत रूप से संचालित की जाती हैर और उम्मीदवारों की रचनात्मक समझ का परीक्षण किया जाता है। पहला चरण डिजाइन योग्यता परीक्षा (डीएटी) आरंभिक पास करना होता है। इसके बाद उम्मीदवारों को डिजाइन योग्यता परीक्षा (डीएटी) मुख्य में शामिल होने के लिए बुलाया जाता है। इसके आधार पर उनकी डिजाइन योग्यता और कौशल की परख की जाती है। डीएटी आरंभिक और मुख्य में समग्र प्रदर्शन के आधार पर एक योग्यता सूची तैयार की जाती है और उम्मीदवारों को संस्थान में प्रवेश के लिए आमंत्रित किया जाता है। वर्ष 2021-25 बैच में प्रविष्ट विद्यार्थियों का ब्योरा नीचे दिया गया है-

श्रेणी	कुल	आवंटित/भरी गई
सामान्य श्रेणी	30	30
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	8	1
ओबीसी-एनसीएल श्रेणी	20	20
अनुसूचित जाति श्रेणी	11	11
अनुसूचित जनजाति श्रेणी	6	0
सुपरन्यूमैरेरी श्रेणी	11*	2*
कुल	75 + 11*	62 + 2*

अंतिम चयन सीटों की उपलब्धता और प्रवेश प्रक्रियाओं में प्राप्त विद्यार्थियों के अंकों के आधार पर होता है। इस बात पर ध्यान देना आवश्यक है कि प्रवेश प्रक्रिया बहुत ही अधिक प्रतिस्पर्धी है और केवल विद्यार्थियों की सीमित संख्या का चयन प्रतिवर्ष प्रवेश के लिए होता है। एनआईडी एमपी में सीटों का ब्योरा नीचे दिया गया है।

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	सीट (प्रवेश वर्ष 2021 - 25)
1	डिजाइन (औद्योगिक डिजाइन) स्नातक	25 + 4* (अधिसंख्या)
2	डिजाइन (संचार डिजाइन) स्नातक	25 + 4* (अधिसंख्या)
3	डिजाइन (कपड़ा और परिधान डिजाइन) स्नातक	25 + 4* (अधिसंख्या)

पहले वर्ष में विद्यार्थियों को साझा फाउंडेशन अध्ययन कार्यक्रम पूरा करना होता है, इसके बाद पहले वर्ष में उनके प्रदर्शन और उनकी रूचि के आधार पर विषय आवंटित किए जाते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से स्नातक डिजाइन कार्यक्रम में कुल सीटों की संख्या बढ़ाकर मौजूदा 75 से 86 कर दी गई है, 11 अधिसंख्या सीटों को जोड़ कर। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की संख्या में अधिक विविधता लाना है और विदेशी विद्यार्थियों को प्रवेश देकर समावेशीता बढ़ाना है। अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को शामिल करने का उद्देश्य सांस्कृतिक विविधता और अंतरराष्ट्रीय परिपेक्ष्य लाना तथा अपने विद्यार्थियों को सार्वभौमिक विश्व के लिए तैयार करना है।

फाउंडेशन अध्ययन बैच 2020-24 द्वारा डिजाइन किया गया कैलेंडर।

स्टोन वेयर मृदा से बर्तन निर्माण

टेराकोटा कार्य का अभ्यास कर रही विद्यार्थी।

डिजाइन स्नातक (बी. डेएस.) बैच 2020-24

वार्षिक ग्रेड अंक औसत (एजीपीए) के अनुसार प्रतिभा, विद्यार्थियों द्वारा दिए गए विकल्प और विभिन्न विषयों में सीटों की उपलब्धता के आधार पर, 2024 बैच के विद्यार्थियों को विषय आवंटन का ब्योरा इस प्रकार है :

औद्योगिक डिजाइन	25
संचार डिजाइन	25
कपड़ा और परिधान डिजाइन	3

संस्थान में स्कूली विद्यार्थियों का आगमन।

कास्थ कला प्रयोगशाला में जानकारी प्राप्त करते विद्यार्थियों।

5. उपलब्धियां और गतिविधियां

5.1 संबद्धता, सदस्यता और समझौता ज्ञापन

5.1.1 सदस्यता

एनआईडी एमपी निम्नलिखित संघों का सदस्य है:

- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)
- मध्य प्रदेश वाणिज्य और उद्योग परिसंघ (एफएमपीसीसीआई)

इन संघों के प्रमुखों /वरिष्ठ अधिकारियों से औद्योगिक संपर्क के बारे में नियमित संवाद होता है। संस्थान के निर्देशक और अन्य फैकल्टी सदस्य इन संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। बैठकों में मुख्य रूप से कौशल विकास, पाठ्यक्रम डिजाइन, उद्योगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने, विद्यार्थियों के लिए इन्टर्नशिप और प्लेसमेंट अवसर, अनुसंधान और विकास सहयोग, उद्योग प्रायोजित प्रोजेक्ट, आयोजनों और कार्यशालाओं के लिए उद्योग-शिक्षा जगत सहयोग-समन्वय पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

उद्योगों के साथ सम्बद्धता उद्योग संसाधन तक पहुंच, वित्त पोषण और साझेदारी सहित कई मायनों में सहायक साबित होती है। इनसे विद्यार्थियों को प्रायोगिक और व्यवहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने, उन्हें नवीनतम औद्योगिक रूझानों से परिचित कराने और भविष्य के कार्यबल के रूप में तैयार करने में संस्थान को मदद मिली है।

प्रोटोटाइप विकास पाठ्यक्रम के अंत में विद्यार्थी पाठ्यक्रम कार्य प्रदर्शनी।

आगंतुक विशिष्ट अतिथि हथकरघा परिचालन की जानकारी लेते हुए।

5.1.2 समझौता ज्ञापन

एम्स भोपाल के साथ समझौता ज्ञापन

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश (एनआईडी एमपी) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल (एम्स बी) के साथ 20 सितंबर 2021 को एम्स भोपाल परिसर में अकादमिक सहयोग और प्रोजेक्ट साझेदारी के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस साझेदारी का उद्देश्य सहयोग समन्वय से शैक्षणिक, शोध और अनुसंधान और प्रोजेक्ट संबंधित गतिविधियों को जानकारी, आलेखों, रिपोर्ट और शिक्षण सामग्री इत्यादि के आदान-प्रदान के जरिये बढ़ावा देना है। इससे दोनों संस्थान के शोधकर्ताओं को स्वास्थ्य विज्ञान और डिजाइन क्षेत्रों में संपर्क बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस समन्वय से दोनों संस्थान विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योग की जरूरतों को पूरा करने वाले बुनियादी ढांचा विकास के लिए विशेषज्ञता और जानकारी का आदान-प्रदान कर सकेंगे।

एम्स भोपाल के निदेशक प्रो. (डॉ) सरमन सिंह ने ऐसे सहयोगी प्रयासों से शिक्षण और नवाचार का दायरा और बढाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह समझौता ज्ञापन परस्पर हित के क्षेत्रों में मिलकर काम करने का मार्ग प्रशस्त करेगा तथा स्वास्थ्य विज्ञान और डिजाइन क्षेत्र की विशेषज्ञता को व्यवसायिक उपलब्धियों में बदलेगा। इस अवसर पर एनआईडी एमपी के निदेशक प्रो. धीरज कुमार ने कहा कि समझौते का मुख्य उद्देश्य एक-दूसरे के संस्थान की क्षमताओं की पहचान

करना, परस्पर लाभदायक परियोजनाओं के लिए काम करना तथा प्रौद्योगिकी संवर्द्धन केंद्र, इनक्यूबेटर, एक्सलेटर जैसी सुविधाएं सथापित करने में सहयोग करना है। अब दोनों संस्थान मध्य भारत में उद्योगों के हित में जानकारी का अंतरण करने में सक्षम होंगे।

समझौता ज्ञापन के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

सामान्य उद्देश्य

(i) पेशेगत सक्षमता क्षेत्र में प्रत्येक संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रमों में सहयोग के उद्देश्य से जानकारी आलेखों, रिपोर्ट और शिक्षण सामग्री का आदान-प्रदान।

(ii) दोनों संस्थानों के सदस्यों के बीच शिक्षा और अनुसंधान में संपर्क सहयोग को बढावा देना।

(iii) दोनों संस्थानों के शोधकर्ताओं के बीच स्वास्थ्य विज्ञान और डिजाइन क्षेत्र में संपर्क बढ़ाना।

(iv) समन्वित अनुसंधान, शिक्षण, तकनीकी सहयोग, मूल्यांकन और प्रकाशन जैसे अकादमिक प्रोजेक्ट विकसित करना। इन परियोजनाओं के संचालन और डिजाइनिंग में योगदान के लिए दोनों संस्थानों से मानव और तकनीकी संसाधनों की पहचान की जाएगी। इसके अलावा इन शैक्षणिक परियोजनाओं के मूल्यांकन, निरीक्षण और उत्पादों के उपयोग के लिए संयुक्त रूप से तंत्र और कार्य योजना बनाई जाएगी।

(v) स्वास्थ्य विज्ञान और डिजाइन क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए- :

  क) शिक्षण और शोधकर्ताओं का आदान-प्रदान

  ख) व्याख्यान, सगोष्ठी, कार्यशाला और बैठकों का आयोजन

  ग) साझा हित की परियोजनाओं का विकास

  घ) दोनों संस्थानों के परस्पर हित में विद्यार्थियों और शिक्षकों का दौरा

  ङ) अनुसंधान संचालन में सहयोग (वित्त को छोड़कर)

(vi) विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योगों की आवश्यकता पूर्ति के लिए व्यावसायिक बुनियादी ढांचा के विकास के लिए विशेषज्ञता और सूचनाओं का आदान-प्रदान।

(vii) मध्य भारत में उद्योगों की मजबूती के लिए प्रौद्योगिकी संवर्द्धन केंद्र, इनक्यूबेटर, एक्सलेटर और इस प्रकार की अन्य पहल को समर्थन, इन केंद्रों को बढ़ावा देकर और जानकारी का आदान-प्रदान बढ़ाकर।

शैक्षणिक सहयोग समन्वय

(i) दोनों संस्थानों के शैक्षणिक कार्यक्रमों से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देकर पाठ्यक्रमों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और अन्य माध्यमों से शिक्षण अवसर बढाना।

(ii) पेशेगत सक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से दोनों संस्थानों के बीच विद्यार्थियों के दौरे को बढावा देना।

(iii) शिक्षण और शोधकार्यों में भागीदारी के उद्देश्य से फैकल्टी सदस्यों, पेशेवरों और विद्यार्थियों का आदान-प्रदान बढाना।

मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के साथ एसएलए

निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के साथ सेवा स्तरीय समझौते (एसएलए) पर 5 जनवरी 2022 को हस्ताक्षर किए गए :

(i) वर्तमान एनसीईआरटी पुस्तकों के समग्र दृश्य भाषा का अध्ययन, जिसमें फॉंट, कलर, इमेज, प्रिंटिंग और ले-आउट शामिल है।

(ii) त्रुटियों की पहचान और सुधारों का सुझाव देकर पुस्तकों की सुपाठ्यता बढाने के लिए आवश्यक अध्ययन करना और सुझाव उपलब्ध कराना।

इस अवसर पर एनआईडी एमपी के निदेशक प्रो. धीरज कुमार, एनआईडी एमपी के रजिस्ट्रार लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष के. बहुगुणा (सेवा निवृत्त), श्री प्रमोद मार्शल, विषय प्रमुख सीडी और सुश्री सेतु शर्मा फैकल्टी एनआईडी एमपी की ओर से उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम कार्यालय में एसएलए पर हस्ताक्षर।

निदेशक, एनआईडी एमपी मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के अधिकारियों के साथ एसएलए का आदान-प्रदान करते हुए।

एफआईपीएस के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव पैकेजिंग एंड सस्टेनेबिलिटी (एफआईपीएस) के साथ 21 जनवरी 2022 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया :

1. प्रत्येक पक्ष के अधिदेश और वर्तमान तकनीकी, वित्तीय और वैधानिक दायित्वों के संदर्भ में, किसी भी तरह से किसी भी पक्ष के वर्तमान कॉरपोरेट और वैधानिक संबंधों को नुकसान पहुंचाए बिना संभव माध्यमों की पहचान और परस्पर हितकारी समन्वय स्थापित करने के लिए।

2. दोनों पक्षों ने परस्पर हित की गतिविधियों की पहचान और समन्वय पर सहमति व्यक्त की, जिनका कार्यान्वयन दोनों पक्षों के नियमों और नीतियों के अनुरूप किया जाएगा। इस समझौते का उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच कौशल विकास, सूचना और जानकारी के अदान-प्रदान और क्षमता निर्माण के समन्वित प्रयासों के लिए औपचारिक सहयोग का आधार स्थापित करना है।

3. उद्देश्यों की सामान्यता में किसी सीमा के बिना सहयोग के क्षेत्रों में यह बातें शामिल होंगी :

   क) एनआईडी एमपी के डिजाइन स्नातक विद्यार्थियों को तकनीकी जानकारी और विशेषज्ञता उपलब्ध कराकर 'पैकेजिंग डिजाइन' के क्षेत्र में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से मानव संसाधन विकास को बढ़ावा देना।

   ख) परस्पर हित में अनुसंधान परियोजना के उद्देश्य को पूरा करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध कराकर 'पैकेजिंग डिजाइन' के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देना।

   ग) एनआईडी एमपी के विद्यार्थियों को 'प्राथमिक जानकारी' उपलब्ध कराने के लिए पैकेज डिजाइन इन्क्यूबेशन केंद्र की स्थापना तथा एनआईडी एमपी के विद्यार्थियों के लाभ के लिए निम्नलिखित दायरे और संचालनगत रूपरेखा के साथ स्टार्टअप व्यवसाय को बढ़ावा देना।

      i. इस केंद्र का उद्देश्य एफआईपीएस द्वारा मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर स्टार्टअप उद्यमों को विकसित होने में मदद करना है, जिससे वे किसी उत्पाद विशेष के पैकेज की सही रूपरेखा डिजाइन के लिए सही पैकेजिंग सामग्री का चुनाव कर सके और विभिन्न प्रकार की पैकेजिंग सामग्री की पहचान के बारे में जानकारी हासिल कर सकें। इसके लिए सामग्री के भौतिक, यांत्रिक और ऑप्टिकल गुणों पर विचार करना होगा और पैकेज को उन सभी प्रकार के नुकसानों से बचाना होगा, जिनसे पैकेज डिजाइन और लाने-लेजाने और भंडारण के दौरान नुकसान पहुंच सकता है, इसके अलावा इन उपायों से स्टार्टअप उद्यमों को परिकल्पना स्तर से व्यावसायिक चरण तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

      ii. पैकेज डिजाइन इनक्यूबेशन केंद्र से स्टार्टअप उद्यमों को परामर्श परियोजनाओं के लिए एफआईपीएस के सहयोग समन्वय में उद्यमियों

से जोड़ने और इन उद्यमों के सतत व्यवसायिक विकास में भी मदद मिलेगी।

iii. यह केंद्र राष्ट्रीय स्तर पर 'पैक डिजाइन पुरस्कार' भी आयोजित करेगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और पहचान दिलाने के लिए एनआईडी एमपी और अन्य डिजाइ संस्थानों के विद्यार्थियों को, जिनकी रूचि रचनात्मक पैकेजिंग डिजाइन में है, 'विद्यार्थी श्रेणी' के तहत नवाचारी पैकेज डिजाइन सृजित करने का अवसर उपलब्ध कराना है।

क. पैक डिजाइन पुरस्कार प्रतियोगिता से सस्ती, उपयोगकर्ताओं के अनुकूल, सुविधाजनक विशेषताओं और पर्यावरण अनुकूल 'डिजाइन प्रवेश' आमंत्रित करने में भी मदद मिलेगी। पैकेजिंग का उपयोग करने वाले उद्योगों के राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रतियोगिता में भाग लेने से एनआईडी एमपी के पैकेज डिजाइन को राष्ट्रीय पहचान मिलने की संभावना बढेगी और साथ ही उद्योगों को भी अपने व्यवसाय के विकास में मदद मिलेगी।

ख. प्रशासनिक सहयोग, प्रतियोगिता के लिए डिजाइन प्रवेश पाने में पैकेजिंग उद्योगों के साथ सम्पर्क, विजेता के मूल्यांकन के लिए निर्णायक मंडल सदस्य के रूप में तकनीकी सहयोग और पैक डिजाइन पुरस्कार समारोह के आयोजन के लिए एफआईपीएस, एनआईडी एमपी के साथ साझेदार होगा।

ग. यह "पैक - डिज़ाइन पुरस्कार" वार्षिक रूप से आयोजित किया जाएगा ताकि विजेता प्रविष्टियाँ "वर्ल्ड स्टार प्रतियोगिता" में भाग लेने के लिए भी पात्र होंगी, जो विश्व पैकेजिंग संगठन द्वारा विश्व डिज़ाइन संगठन) के सहयोग से आयोजित किया जाता है।

घ. उच्च उत्पादों के लिए उद्यमी विचार सृजन को प्रोत्साहित करने और तकनीकी सहायता, उपकरण, उद्यम पूंजी और अन्य वित्तपोषण प्राप्ति के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए "पैकेजिंग डिजाइन" पर उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना। संभावित उद्यमियों को डिजाइन और प्रोटोटाइप विकसित करने में सहायता के लिए इनसे प्रासंगिक व्यावसायिक योजनाओं और संभावित बाज़ार संपर्क के बारे में जानकारी भी उपलब्ध कराई जा सकेगी।

ङ. विभिन्न क्षेत्रों में उच्च क्षमता वाले पैकेज डिजाइनों के व्यावसायीकरण में सहयोग देना । इससे ऐसे उत्पादों के लिए बाजार संपर्क उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

च. दोनों पक्ष अपने संबंधित संस्थानों द्वारा समर्थित परियोजनाओं के तकनीकी और वाणिज्यिक मूल्यांकन के लिए परामर्श सेवा प्रदान करने में भी एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं।

छ. दोनों पक्ष एक-दूसरे के लिए सूचना और जानकारी के पूरक बनेंगे, जिसका उपयोग राज्य सरकारों और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों के लिए नीतिगत इनपुट तैयार करने में किया जा सकता है। किसी एक पक्ष द्वारा या संयुक्त रूप से या अन्य पक्षों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भागीदारी के माध्यम से यह उद्देश्य पूरा किया जा सकता है।

फिजिकल लर्निंग गतिविधियों के बाद परिसर में विद्यार्थियों का स्वागत।

श्री राहुल मीणा, एमटीएस द्वारा इन हाउस निर्मित प्लांटर विद्यार्थियों को दिया गया।

5.2 पुरस्कार और पहचान

मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के सीएम राइज हाइ स्कूलों में केजी से 12वीं कक्षा तक के छात्र और छात्राओं के लिए यूनिफॉर्म डिजाइन करने का प्रोजेक्ट एनआईडी एमपी को सौंपा।

मध्य प्रदेश सरकार ने, मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा स्वीकृत एनसीईआरटी पुस्तकों की दृश्य भाषा में सुधार का प्रोजेक्ट एनआईडी एमपी को सौंपा।

5.3 विशिष्ट आगंतुक

क्रं.सं.	विशिष्ट आगंतुकों के नाम पद सहित	आगमन तिथि
1	प्रो. एन.श्रीधरन, निदेशक एसपीए भोपाल ने एनआईडी एमपी का दौरा किया और हरित अभियान में भाग लिया।	24.07.2021
2.	श्री ऋषि गर्ग, कार्यकारी निदेशक, एमपी औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (एमपीआईडीसी) ने एनआईडी एमपी का दौरा किया	05.08.2021
3.	प्रो. एन.श्रीधरन, निदेशक एसपीए भोपाल और सुश्री अनुपमा भारती, एसपीए शिक्षकों ने एनआईडी एमपी का दौरा किया ।	10.08.2021
4.	श्री हिमांशु चंद्र, अपर क्लेक्टर, इंदौर ने एनआईडी एमपी का दौरा किया	28.09.2021
5.	श्री राजीव अग्रवाल निदेशक और प्रमुख, पब्लिक पॉलिसी इंडिया, फेसबुक और डॉ. आरती अग्रवाल वरिष्ठ कंसल्टेंट (एवीईईपी) ईसीआई, इंडिया एनआईडी एमपी के निदेशक से भेंट के लिए आईं और पौध रोपण अभियान में भाग लिया।	16.01.2022
6.	श्री राजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी और प्रमुख, शासी परिषद ने पांचवीं शासी परिषद बैठक के लिए एनआईडी एमपी का दौरा किया और पौधा लगाया।	11.03.2022

कोविड 19 महामारी के कारण अध्ययन अद्यापन कार्य वर्ष के अधिकांश समय तक वाधित रहा और संस्थान ने भारत सरकार और राज्य सरकार के निर्देशों का अक्षरश अनुपालन किया। इस दौरान बहुत सीमित संख्या में आगंतुकों को संस्थान में आने की अनुमति दी गई।

प्रो. एन श्रीधरण, निदेशक एसपीए भोपाल का आगमन

प्रो. एन श्रीधरण, निदेशक एसपीए भोपाल ने 24 जुलाई 2021 को निदेशक के साथ शैक्षणिक सहयोग क्षेत्र के बारे में विचार-विमर्श के लिए एनआईडी एमपी का दौरा किया। उन्होंने हरित अभियान में भी भागीदारी की और पौधारोपण किया।

श्री ऋषि गर्ग, कार्यकारी निदेशक, एमपीआईडीसी

श्री ऋषि गर्ग, कार्यकारी निदेशक, मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) ने पांच अगस्त 2021 को संस्थान के समक्ष उपस्थित मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए एनआईडी एमपी का दौरा किया। उन्होंने आचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में एमपीआईडीसी द्वारा नियोजित विकास कार्यों के बारे में निदेशक के साथ विचार-विमर्श भी किया।

मध्य प्रदेश के स्कूलों के प्राचार्यों का आगमन

मध्य प्रदेश के विभिन्न स्कूलों के प्रिंसिपल ने 28 से 30 अक्टूबर 2021 तक संस्थान का औपचारिक रूप से दौरा किया। उन्हें एनआईडी एमपी द्वारा संचालित डिजाइन शिक्षा और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। वे क्लासरूम, कार्यशाला, लैब, स्टूडियो और पुस्तकालय सहित परिसर के विभिन्न भागों को देखने गए। उन्हें संस्थान के कामकाज से अवगत कराया गया। अकादमिक कार्यक्रम, पाठ्यक्रम संरचना, प्रवेश प्रक्रिया, डिज़ाइन क्षेत्र में करियर की संभावना और संस्थान द्वारा स्थापना से लेकर अब तक की गई पहल की जानकारी एक प्रस्तुति के माध्यम से दी गई। उन्होंने प्रवेश प्रक्रिया और विभिन्न श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सीटों के बारे में और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को एनआईडी एमपी की डिजाइन शिक्षा और विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।

प्रधानाध्यापकों ने एनआईडी एमपी के पुस्तकालय को देखा।

एनआईडी एमपी के परिसर में स्कूलों के प्राचार्य।

आईएएसई प्रशिक्षुओं का आगमन

उन्नत अध्ययन शिक्षा संस्थान (आईएएसई), भोपाल से एम.एड प्रशिक्षुओं ने 29 दिसंबर 2021 को संस्थान का दौरा किया। उनके आगमन का उद्देश्य एनआईडी एमपी की डिजाइन शिक्षा और विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना था। उन्होंने संस्थान के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली, कुछ शिक्षकों सदस्यों से मुलाकात की। इस दल ने क्लासरूम, कार्यशाला, लैब, स्टूड़ियो, पुस्तकालय और परिसर के अन्य भागों को देखा। ये प्रशिक्षु संस्थान के प्रायोगिक शिक्षण दृष्टिकोण, प्रायोगिक कार्यों और आलोचनात्मक सोच पर बल देने की प्रक्रिया से प्रभावित हुए। वे एनआईडी एमपी के बारे में काफी बेहतर समझ और जानकारी के साथ वापस हुए।

एनआईडी एमपी परिसर में आए आईएएसई के एम.एड. प्रशिक्षु।

श्री राजीव अग्रवाल निदेशक और प्रमुख, पब्लिक पॉलिसी इंडिया, फेसबुक और डॉ आरती अग्रवाल, वरिष्ठ कंसलटेंट (एसवीईईपी), ईसीआई, भारत

श्री राजीव अग्रवाल निदेशक और प्रमुख, पब्लिक पॉलिसी इंडिया, फेसबुक और डॉ आरती अग्रवाल, वरिष्ठ परामर्शदाता, प्रणालीबद्ध मतदाता शिक्षा और मतदान भागीदारी (एसवीईईपी), निर्वाचन आयोग, भारत, एनआईडी एमपी के निदेशक के भेंट के लिए 16 जनवरी 2022 को परिसर में आए। संस्थान के अध्यक्ष प्रो. धीरज कुमार ने उन्हें संस्थान के अकादमिक कार्यक्रमों और संपर्क पहलों के बारे में जानकारी दी। संस्थान द्वारा चलाये जा रहे यूबीईआर प्रोजेक्ट की प्रगति पर भी विचार-विमर्श हुआ। श्री राजीव अग्रवाल और डॉ. आरती अग्रवाल ने हरित अभियान में भाग लिया और पौधे लगाए।

डॉ. आरती अग्रवाल, वरिष्ठ सलाहकार (स्वीप), ईसीआई, भारत द्वारा वृक्षारोपण

श्री राजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी और अध्यक्ष, गवर्निंग काउंसिल, का दौरा।

श्री. राजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव डीपीआईआईटी और अध्यक्ष, कार्यकारी परिषद, ने परिषद की 5वीं बैठक के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश का दौरा किया। उन्हें संस्थान द्वारा मध्य प्रदेश राज्य में कारीगरों, शिल्पकारों और उद्योग के लिए की जा रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश के निदेशक द्वारा परिसर के चारों ओर ले जाया गया, जिन्होंने उन्हें बुनियादी ढांचे के विकास की स्थिति के बारे में भी जानकारी दी। श्री आर के सिंह ने संकाय, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के साथ बातचीत की और प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं में मशीनरी और उपकरणों के कामकाज में गहरी रुचि ली।

संचालन/शासी परिषद् के अध्यक्ष की राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश के निदेशक और प्रशासनिक प्रमुखों के साथ बातचीत

संचालन/शासी परिषद् के अध्यक्ष को विद्यार्थियों द्वारा रेखीय सामग्री के अन्वेषण पर जानकारी दी जा रही है।

संचालन/शासी परिषद् के अध्यक्ष, पुस्तकालय का दौरा करते हुए।

अध्यक्ष, जीसी वुडवर्किंग असाइनमेंट की बुनियादी जानकारी प्राप्त करते हुए।

5.4 गतिविधियां

(i) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भारतीय योग पद्धति का महत्व उजागर करने और मानव मन एवं आत्मा पर योग के लाभप्रद प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 21 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश ने विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बीच तंदुरूस्ती और स्वस्थ मानसिकता को बढ़ावा देने के एक अवसर के रूप में इस दिवस का लाभ उठाया। कोविड-19 महामारी को देखते हुए, संस्थान ने सभी विभागों को अपने अपने स्थान पर योग दिवस मनाने का निर्देश दिया, ताकि वे योग की शक्ति का उपयोग करते हुए अपना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ कर सकें।

(ii) हिंदी पखवाड़ा

परिसर में 14 से 30 सितंबर 2021 तक हिंदी पखवाड़ा 2021 का आयोजन किया गया। 14 सितम्बर 2021 को 'हिन्दी दिवस' के अवसर पर निदेशक ने समस्त कर्मचारियों को 'हिन्दी-राजभाषा प्रतिज्ञा' की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि वे कार्यालयी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करें। पखवाड़े के दौरान संस्थान द्वारा विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें कहानी और कविता लेखन प्रतियोगिताएं शामिल थीं। सभागार में आयोजित समारोह में इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने सभी का स्वागत किया

निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान सभा को संबोधित करते हुए

हिंदी पखवाड़े के दौरान कर्मचारियों को पुरस्कार वितरण

हिंदी पखवाड़ा के दौरान आउटसोर्स कर्मचारियों को पुरस्कार वितरण

(iii) डिजाइन प्रशिक्षण 2021-22

2021-25 बैच के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए डिजाइन प्रशिक्षण 13 और 14 सितंबर 2021 को ऑनलाइन आयोजित किया गया। पहले दिन, विद्यार्थियों को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश टीम का परिचय, बी. डेएस. प्रोग्राम का अवलोकन, संस्थान में जीवन, नियमों और विनियमों का अनुपालन आदि शामिल थे। दूसरे दिन डिजाइन के क्षेत्र में देश के लब्ध प्रतिष्ठित विशेषज्ञों- श्री डेविड अब्राहम, श्री प्रोसेनजीत गांगुली और श्री विद्याधर पांडे के व्याख्यान/सत्र आयोजित किए गए।

विद्याधर पांडेय
अभिकल्प डिजाइन स्टूडियो
''बसमैन आफ इंडिया'' ऑटोमोबाइल डिजाइन

प्रसेनजित गांगुली
एनीमेटर, स्क्रीनराइटर, डिजाइन कंसल्टेंट
एनिमेशन और फिल्म डिजाइन

डेविड इब्राहिम
डिजाइनर, को-फाउंडर – इब्राहिम एंड ठाकोरे

(iv) सतर्कता जागरूकता सप्ताह

26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2021 तक "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2021 मनाया गया। यह एक वार्षिक कार्यक्रम है, जिसे सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने और विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र में नैतिक व्यवहार के महत्व के बारे में सभी को जागरूक बनाने के लिए मनाया जाता है। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मचारियों ने भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान शपथ ग्रहण समारोह

निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान कर्मचारियों को शपथ दिलाई

(v) राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ

संस्थान ने 31 अक्टूबर 2021 को "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में भारतीय गणराज्य के संस्थापकों में से एक, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई। कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के विचार को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

(vi) स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत 01 नवंबर से 15 नवंबर 2021 तक संस्थान में 15 दिन तक चलने वाला स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया। इसका आयोजन सफाई और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने और सभी को अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता की आदत डालने के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते किया गया। निदेशक, प्रोफेसर धीरज कुमार ने कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मचारियों को सफाई और स्वच्छता की स्थिति को बढ़ावा देने में योगदान करने की शपथ दिलाई। स्वच्छता की संस्कृति बनाने और स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के विचार को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान आउटसोर्स कर्मचारियों को मास्क वितरित किए गए

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान आउटसोर्स कर्मचारियों को मास्क वितरित किए गए

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान सुरक्षाकर्मियों को मास्क बांटे गए

(vii) संविधान दिवस

संविधान सभा द्वारा भारत का संविधान पारित किए जाने और इसके महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 26 नवंबर 2021 को संविधान दिवस मनाया गया। इसका उद्देश्य भारतीय संविधान के प्रति सम्मान और प्रशंसा की भावना पैदा करना और लोकतंत्र एवं राष्ट्रवाद के मूल्यों को बढ़ावा देना था। कर्मचारियों ने भारत सरकार की वेबसाइट पर भारतीय संविधान की प्रस्तावना ऑनलाइन पढ़ी।

(viii) अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन सत्र

23 नवंबर 2021 को संस्थान में आउटसोर्स कार्मिकों (सुरक्षा कर्मचारी, हाउसकीपिंग, एमटीएस और रखरखाव टीम) सहित विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए अग्नि सुरक्षा पर एक प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन सत्र आयोजित किया गया था। सत्र के दौरान फायर एंड सिक्योरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव श्री साजिद खान ने व्याख्यान दिया। उन्होंने अग्नि के प्रति सावधानियों और सभी प्रकार की अग्नि दुर्घटनाओं के लिए उपयुक्त अग्निशमन यंत्रों की जानकारी दी।

5.5 कोविड-19 के दौरान संस्थान द्वारा किए गए उपाय और मानव संसाधन विकास

कोविड-19 महामारी की अधिक घातक दूसरी लहर का प्रकोप और राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन संस्थान के लिए अग्नि परीक्षा की घड़ी थी। भौतिक शिक्षण प्रशिक्षण गतिविधियां निलंबित कर दी गईं और विद्यार्थियों को 22 मार्च 2021 को घर वापस भेज दिया गया। कोविड की दूसरी लहर ने संस्थान के कामकाज के लिए कठिन चुनौतियां पेश कीं। नतीजतन, संस्थान में भौतिक शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए परिसर बंद करना पड़ा। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश ने शुरू में सभी कार्यालयों को पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में काम करने की अनुमति दी, और बाद में जब महामारी का प्रभाव कुछ हद तक कम हुआ तो उपस्थिति रोस्टर बनाने का सहारा लिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल उन कर्मचारियों को परिसर में बुलाया जाए, जिनकी उपस्थिति कार्यस्थल पर अनिवार्य थी।

भौतिक शिक्षण गतिविधियों के निलंबन के दौरान, ऑनलाइन शिक्षण का सहारा लिया गया। सीखने की प्रक्रिया में विद्यार्थियों को शामिल करने के लिए वैकल्पिक शिक्षण गतिविधियों, जैसे ऑनलाइन चर्चा, संग्रहालयों/कला दीर्घाओं/डिजाइन प्रदर्शनियों का ऑनलाइन दौरा, इंटरैक्टिव असाइनमेंट और विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन बातचीत आदि का आयोजन किया गया। वर्चुअल स्टूडियो सत्रों ने विद्यार्थियों को अपने सहपाठियों और शिक्षकों के साथ वास्तविक समय संवाद करने में मदद की। विद्यार्थियों को एक आभासी वातावरण में कौशल सीखने और अभ्यास करने में मदद करने के लिए प्रशिक्षकों द्वारा इंटरएक्टिव ड्राइंग और एनोटेशन टूल का उपयोग किया गया था।

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन टूल और सॉफ्टवेयर तक दूरस्थ पहुंच प्रदान की, ताकि सीखने में बाधा न आए। ऑनलाइन पोर्टफोलियो ने विद्यार्थियों को अपने काम को प्रदर्शित करने और संकाय और साथियों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने में सक्षम बनाया। वीडियो व्याख्यान विद्यार्थियों को प्रदर्शन और उदाहरणों सहित आकर्षक और इंटरैक्टिव प्रस्तुतियों के जरिए सीखने में मदद करता है। छात्रों के विभिन्न कार्यक्रमों और सीखने की शैलियों को समायोजित करने के लिए सिंक्रोनस और एसिंक्रोनस सीखने के दृष्टिकोण का उपयोग किया गया था।

विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के प्रैक्टिकल इनपुट्स,

वित्तीय मुद्दों और निकट प्रियजनों की बीमारी के कारण मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। संस्थान ने महामारी के दौरान विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बढ़ते तनाव और चिंताएं दूर करने के लिए ऑनलाइन जागरूकता सत्र, ऑनलाइन परामर्श सत्र आदि भी आयोजित किए। इनमें ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवा प्रदाता की सेवाएं ली गईं। महामारी के कारण आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे विद्यार्थियों को राहत देने के लिए छात्रावास शुल्क आनुपातिक आधार पर लिया गया और उन्हें शिक्षण शुल्क का भुगतान करने में भी राहत प्रदान की गई।

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश ने कोविड-19 के संक्रमण से विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को बचाने के लिए, मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने, जैसे सख्त स्वास्थ्य और सुरक्षा उपाय लागू किए। संक्रमण के चरम पर होने के समय परिसर में प्रवेश/निकासी की सख्त नीति लागू की गई। कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संस्थान ने वर्क फ्रॉम होम की अनुमति दी है। संकाय और कर्मचारियों को ऑनलाइन कार्यशालाओं, वेबिनार और व्यावसायिक विकास के अन्य अवसरों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवधि के दौरान कुछ कर्मचारियों ने ऑनलाइन प्रमाणपत्र प्राप्त किए। संस्थान महामारी से संबंधित जानकारी और संसाधनों तक पहुंचने और इससे उत्पन्न चुनौतियों के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के लिए नियंत्रक मंत्रालय, जिला प्रशासन और अन्य संगठनों के संपर्क में रहा।

कार्यालयों में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए कर्मचारियों को निवारक उपायों पर दिशा-निर्देश जारी किए गए। 13 सितंबर 2021 को भौतिक शिक्षण के लिए संस्थान को फिर से खोलने के समय विद्यार्थियों के लिए एक व्यापक एसओपी जारी की गई थी। उन्हें कैंपस में रिपोर्ट करने से पहले आरटी पीसीआर टेस्ट कराने को कहा गया था। कक्षा की गतिविधियां शुरू होने से पहले छात्रों को छात्रावासों में 14 दिनों के संगरोध के तहत रखा गया था। लंबी अवधि के बाद संस्थान के फिर से खुलने से छात्रों को राहत मिली, क्योंकि लंबे समय तक ऑनलाइन सीखने के बाद, वे भौतिक कक्षाओं में लौटने और सीखने की गतिविधियों में शामिल होने के लिए उत्सुक थे। इसने उन्हें अपने सहपाठियों, फैकल्टी और कैंपस समुदाय के साथ फिर से जुड़ने का अवसर भी प्रदान किया। यह देखा गया कि इन-पर्सन क्लासेस की वापसी ने अलगाव और चिंता की भावनाओं को कम करने में मदद की, जो ऑनलाइन सीखने की अवधि के दौरान आम थीं। शारीरिक कक्षाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सामाजिक सहभागिता और समर्थन छात्रों के मानसिक और भावनात्मक कल्याण के लिए फायदेमंद पाया गया। छात्रों ने बताया कि सीखने की भौतिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने से उन्हें डिजाइन अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझने और बनाए रखने, रीयल-टाइम प्रतिक्रिया प्राप्त करने और शिक्षकों, तकनीकी कर्मचारियों और सहपाठियों के साथ इंटरैक्टिव चर्चाओं में शामिल होने की अनुमति मिली।

भोपाल शहर में बढ़ते कोविड -19 संक्रमण के कारण संस्थान को 14 जनवरी से 19 फरवरी 2022 तक भौतिक शिक्षण गतिविधियों के लिए फिर से बंद कर दिया गया।

ACHROMATIC — [Neutrals]

MONOCHROMATIC — [Blue]

COMPLIMENTARY — [Yellow, violet]

CLASH — [violet, yellow-green]

NEUTRAL — [Red, neutral]

SPLIT-COMPLIMENTARY — [Red, yellow green, blue green]

PRIMARY — [Red, Yellow, Blue]

TRIADIC — [Yellow, Blue, Red, green]

SECONDARY — [Red, green, yellow-orange, blue purple].

ANALOGUS — [yellow-orange, orange, orange-Red, Red].

MRYA V PRABHUKELUSKAR.

6.शिक्षण और प्रशिक्षण संसाधन

6.1 31 मार्च 2022 को स्थिति: -

पे लेवल - 14 (144200 - 218200) **01**

निदेशक

पे लेवल - 13 (123100-215900) **01**

प्रमुख डिजाइनर (प्रोफेसर), रजिस्ट्रार

पे लेवल - 12 (78800-209200) **05**

वरिष्ठ डिजाइनर (असोसिएट प्रोफेसर), मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, वित्त एवं लेखा नियंत्रक

पे लेवल - 11 (67700 - 208700) **05**

असोसिएट वरिष्ठ डिजाइनर (सहायक प्रोफेसर), प्रमुख तकनीकी प्रशिक्षक, उप-रजिस्ट्रार, मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष/ संसाधन केंद्र

पे लेवल - 10 (56100 - 177500) **08**

वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक, डिजाइनर/ शिक्षक,वरिष्ठ डिजाइन प्रशिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, वरिष्ठ इंजीनियर (एलबीएम)

पे लेवल - 7 (44900 - 142400) **03**

वरिष्ठ सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, वरिष्ठ अधीक्षक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, मुख्य सुरक्षा सेवाएं, असोसिएट वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक, असोशिएट वरिष्ठ डिजाइन प्रशिक्षक, उप अभियंता (इलेक्ट्रिकल), सहायक इंजीनियर (सिविल)

पे लेवल - 6 (35400 - 112400) **05**

अधीक्षक, वरिष्ठ सहायक डिजाइन प्रशिक्षक, तकनीकी प्रशिक्षक, सहायक इंजीनियर (आईटी)

पे लेवल - 5 (29200 - 92300) **06**

वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक, वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/ स्टूडियो), वार्डन, सुपरवाइजर (इलेक्ट्रिकल/ सुरक्षा), तकनीकी सहायक

पे लेवल - 4 (25500 - 81100) **00**

सहायक (लेखा/प्रशासन/ पुस्तकालय)

हरा रंग आंखों को हमेशा सुखद लगता है

हरित अभियान का प्रभाव परिसर में चारों ओर दिखाई देता है

6.2 परिसर और बुनियादी ढांचा

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश अपने उत्कृष्ट परिसर और आधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए जाना जाता है, जहां डिजाइन शिक्षा के क्षेत्र में सर्वाधिक उन्नत शिक्षण सुविधाएं विद्यमान हैं। परिसर भोपाल में अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र के निकट स्थित है। संस्थान का निर्माण विंध्याचल की पहाड़ियों की पृष्ठभूमि में 29.49 एकड़ भूभाग पर किया गया है। विद्यार्थियों को शैक्षणिक और सामाजिक रूप से सफल होने के लिए अनेक सुविधाएं और सेवाएं प्रदान की गई हैं। अकादमिक गतिविधियों के अलावा, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में साल भर मनोरंजक गतिविधियों और सामाजिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित की जाती है।

संस्थान विद्यार्थियों के सीखने के लिए सकारात्मक और अनुकूल माहौल बनाने के लिए बुनियादी ढांचे के महत्व को समझता है। हमारे क्लासरूम एवी सिस्टम, प्रोजेक्टर और वाई-फाई हॉटस्पॉट जैसे आधुनिक शिक्षण उपकरणों से लैस हैं। वर्कशॉप, स्टूडियो और लैब अत्याधुनिक मशीनरी और उपकरणों से भलिभांति सुसज्जित हैं, जो विद्यार्थियों को क्लासरूम शिक्षण को व्यावहारिक परिणामों में बदलने में मदद करते हैं। संस्थान की आईटी लैब में अत्याधुनिक वर्कस्टेशन और सिंटिक सिस्टम हैं, जो विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर से युक्त हैं, और युवा डिजाइनरों को विभिन्न रूपों में अपनी कल्पना के साथ प्रयोग करने की अनुमति देते हैं। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश लाइब्रेरी में डिजाइन, कला, शिल्प, संस्कृति और अन्य संबंधित विषयों पर पुस्तकों का सबसे आधुनिक संग्रह है। यह संस्थान समुदाय को ई-पुस्तकें, ई-संसाधन, समाचार पत्र और पत्रिकाएं भी प्रदान करता है।

प्रशासनिक खंड

प्रशासनिक खंड में संस्थान के प्रशासनिक कार्यालय हैं, जो छात्रों और कर्मचारियों को सभी प्रकार की सहायता प्रदान करते हैं। निदेशक का कार्यालय संस्थान को समग्र नेतृत्व और दिशा प्रदान करता है। कुल सचिव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, वित्त एवं लेखा नियंत्रक, शैक्षणिक सेवाओं, प्रशासन, स्थापना, खरीद, संपत्ति / कार्य, स्टोर, वित्त और लेखा, आईटी सेवाओं आदि के कार्यालय भी इस ब्लॉक में स्थित हैं। निदेशक के साथ विभिन्न बैठकें आयोजित करने के लिए इसमें 20 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक सम्मेलन कक्ष है।

विद्यार्थी अपने प्रवेश, शुल्क भुगतान, छात्रवृत्ति, परिणाम और किसी अन्य प्रशासनिक आवश्यकता से संबंधित मामलों के लिए इन कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं।

शैक्षिक खंड

अकादमिक खंड का उपयोग कक्षाएं, व्याख्यान, सेमिनार, समूह चर्चा, सम्मेलन, संगोष्ठी और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाता है। इसमें प्रभावी शिक्षण अधिगम की सुविधा के लिए विशाल और भलीभांति प्रकाश युक्त कक्षाएँ, विषयवार- प्रयोगशालाएँ, स्टूडियो आदि हैं। उपयोगकर्ता के अनुकूल शैक्षणिक वातावरण विद्यार्थियों के लिए इंटरैक्टिव वातावरण में सीखने पर ध्यान केंद्रित करना संभव बनाता है। खंड में 29 शिक्षकों के बैठने की जगह भी है। विजिटिंग मेडिकल ऑफिसर, काउंसलर और डिजाइन शॉप के लिए कमरे आवंटित किए गए हैं।

वर्कशाप ब्लॉक

वर्कशॉप ब्लॉक का उपयोग विभिन्न मशीनों और उपकरणों की मदद से व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित करने के साथ-साथ डिजाइन शिक्षा से संबंधित व्यावहारिक सत्र आयोजित करने के लिए किया जाता है। औद्योगिक डिजाइन (सिरेमिक, मिट्टी के बर्तन, बढ़ईगीरी आदि) और कपड़ा तथा परिधान डिजाइन कार्यशालाएं उच्च प्रशिक्षित डिजाइन पेशेवरों, प्रशिक्षकों और अन्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को सीखने में सहायता प्रदान करती हैं।

कार्यशालाओं का उपयोग विद्यार्थियों को डिजाइन उद्योग में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से युक्त करने के लिए किया जाता है। विद्यार्थी स्वयं के डिजाइन पोर्टफोलियो विकसित करने, उपयोगी अनुभव प्राप्त करने के साथ-साथ अन्य विद्यार्थियों के साथ सहयोग करने के लिए संसाधनों का उपयोग करते हैं।

आईटी केंद्र

किसी भी डिजाइन संस्थान में कुशल शिक्षण के लिए उत्कृष्ट कंप्यूटर केंद्र अनिवार्य है। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में आईटी केंद्र विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अध्ययन और अनुसंधान में मदद करने के लिए आवश्यक तकनीक और संसाधन प्रदान करता है। यह कई आईटी सेवाओं तक पहुंच भी प्रदान करता है, जिनका उपयोग शैक्षिक अनुभव को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

केंद्र, संस्थान की आईटी संबंधी आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकी संसाधनों से लैस है। यह नेटवर्किंग और वाई-फाई उपकरणों के मिश्रण के माध्यम से संस्थान को इंटरनेट की सुविधा प्रदान करता है और संस्थान की सूचना प्रणाली के संचालन के लिए तकनीकी और सिस्टम समर्थन प्रदान करता है। यह वर्कस्टेशन, सिंटिक ड्रॉइंग पैड, प्रिंटर, नेटवर्किंग बाह्य उपकरणों आदि से सुसज्जित है।

ज्ञान प्रबंधन केंद्र (केएमसी)

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में ज्ञान प्रबंधन केंद्र (केएमसी)/पुस्तकालय विद्यार्थियों और शिक्षकों को संसाधनों

और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। यह उनके अध्ययन और अनुसंधान के लिए अपेक्षित भौतिक और डिजिटल संसाधन और अनुसंधान सामग्री तक पहुंच प्रदान करता है। ज्ञान प्रबंधन केंद्र अध्ययन, शोध और सहयोग के लिए शांत स्थान भी प्रदान करता है। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में पुस्तकालय संस्थान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए सभा स्थल के रूप में कार्य करता है।

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में ज्ञान प्रबंधन केंद्र, संस्थान को शिक्षण संसाधनों की पहचान, मूल्यांकन, खरीद और उपलब्धता सुनिश्चित करने का कार्य भी करता है। ज्ञान प्रबंधन केंद्र अत्याधुनिक है, जो पूरी तरह से वातानुकूलित और कम्प्यूटरीकृत है, एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन किए गए फर्नीचर और फिटिंग से सुसज्जित है और व्यवसायियों की अत्यधिक समर्पित टीम द्वारा प्रबंधित है। ज्ञान प्रबंधन केंद्र ओपन-सोर्स लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर "कोहा" की सहायता से सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करके संस्थान की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करता है।

ज्ञान प्रबंधन केंद्र ने ओपन-सोर्स डिजिटल लाइब्रेरी सॉफ़्टवेयर "डीस्पेस" का उपयोग करके संस्थान के डिजिटल रिपॉजिटरी का निर्माण किया है। इसमें सभी इन-हाउस शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशासनिक आउटपुट, जैसी संस्थान की इवेंट फोटो गैलरी, इन-हाउस प्रकाशन, नीतियां, और संस्थान से संबंधित अखबार की कतरन आदि संरक्षित की गई हैं।

ज्ञान प्रबंधन केंद्र ने खुद की वेबसाइट/पोर्टल भी विकसित किया है, जो इंट्रानेट पर सुलभ है और ई-पुस्तकों, ई-जर्नल्स, ई-मैग्जीन्स, ई-समाचार पत्र, ऑडियोबुक्स आदि विभिन्न प्रकार की डिजिटल सामग्री तक पहुंच प्रदान करता है। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में पुस्तकालय संग्रह का ब्यौरा, नीचे दिया गया है:

क.	मुद्रित पुस्तकें	- 3509
ख.	मुद्रित समाचार पत्र	-13
ग.	पत्रिकाएं	-04
घ.	संसाधन :	
क.	ब्लूम्सबेरी डिजाइन पुस्तकालय	- 149 ई-पुस्तकें
ख.	ब्लूम्सबेरी विजुअल आर्ट लायब्रेरी	- 174 ई-पुस्तकें
ग.	जेएसटीओआर डेटाबेस	- 3000 + ई-जर्नल्स
घ.	मैग्स्टर लाइब्रेरी	- 5000+ ई-पुस्तकें और ई-समाचार पत्र
ङ.	ऑडियो विजुअल सामग्री	- 414

ऑडिटोरियम

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश ऑडिटोरियम बड़े कार्यक्रमों और व्याख्यानों के आयोजन से लेकर प्रदर्शन और पूर्वाभ्यास के लिए स्थान प्रदान करने तक, कई प्रयोजनों की पूर्ति करता है। इसमें 510 लोगों के बैठने की क्षमता है। पाठ्यक्रम से संबंधित वृत्तचित्रों/फिल्मों की स्क्रीनिंग के अलावा, इसका उपयोग अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान, पेशेवर सेमिनार, सम्मेलन, प्रस्तुतियां, बैठकें, उन्मुखीकरण आदि आयोजित करने के लिए किया जाता है।

विशेष ध्वनिक डिजाइन पैनल समूचे वोकल रेंज में उच्च स्पष्टता और स्पष्ट ध्वनि सुविधा प्रदान करते हैं, जो सभी प्रकार की कर्ण कटुता से मुक्त हैं। लाइटिंग सिस्टम में फ्रंट लाइटिंग, फुट लाइटिंग, स्पॉटलाइट्स और मैनुअल और प्रोग्रामेबल लाइटिंग कंट्रोल के साथ एक प्रोजेक्शन रूम शामिल है।

यह संस्थान की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो विद्यार्थियों के एकत्र होने और अनुभव साझा करने के स्थान के रूप में कार्य करता है। यह संस्थान के सांस्कृतिक क्लब को गतिविधियां आयोजित करने और दिखाने के लिए स्थान भी प्रदान करता है।

छात्रावास (लड़कियों और लड़कों के लिए)

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश के छात्रावास विद्यार्थियों को सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक रहने का वातावरण प्रदान करते हैं। ये समुदाय की भावना प्रदान करते हैं और विभिन्न पृष्ठभूमि और संस्कृतियों के विद्यार्थियों को परस्पर संवाद का अवसर प्रदान करते हैं। लड़कों और लड़कियों के छात्रावास पांच मंजिला भवन हैं, जिनमें एकल और डबल कमरे हैं। सभी कमरों में हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। छात्रावासों में मनोरंजन कक्ष, इनडोर खेल, स्वचालित वाशिंग

मशीन, आरओ जल आपूर्ति, सौर गीजर और अन्य सुविधाएं हैं।

छात्रावास अध्ययन और सामूहीकरण के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करते हैं और विद्यार्थियों को नए दोस्त बनाने, नेटवर्क कायम करने और एक दूसरे के बारे में अधिक जानने का अवसर प्रदान करते हैं। ढांचागत रूप से मजबूत होने के अलावा, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश छात्रावास संवाद और चर्चा के लिए पर्याप्त गुंजाइश प्रदान करता है। छात्रावासों में वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा अध्ययन/परियोजना समूहों में कनिष्ठ विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जाता है। संस्थान में, छात्रावास व्यक्तिगत और सामाजिक कौशल विकसित करने के साथ-साथ स्वतंत्र रूप से जीने का तरीका सीखने का अवसर प्रदान करता है।

विद्यार्थी भोजनालय

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में स्टूडेंट मेस विद्यार्थियों को भोजन और नाश्ता प्रदान करता है। मेस उनके लिए सामाजिक केंद्र के रूप में भी काम करता है और उन्हें सहपाठियों से मिलने, खाने और समूह के रूप में एकत्र होने के लिए जगह प्रदान करता है। स्टूडेंट्स मेस में 120 लोगों के बैठने की क्षमता है, जिसमें केंद्रीय रूप से वातानुकूलित डाइनिंग हॉल है। सुरक्षित और स्वच्छ खाना पकाने और परोसने की प्रक्रिया के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश द्वारा आधुनिक रसोई उपकरण और बर्तन प्रदान किए गए हैं।

मेस सेवा प्रदाता स्वच्छता जागरूकता के उच्चतम मानकों का पालन करता है। संस्थान की मेस कमेटी यह सुनिश्चित करने के लिए मेनू तैयार करते समय अत्यंत सावधानी बरतती है कि खाद्य पदार्थ सभी जनसांख्यिकी को कवर करें। इसके माध्यम से, मैस समुदायिक और अपनेपन की भावना पैदा करने में मदद करता है, जो राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश के अनुभव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बहु सुविधा कायाकल्प केंद्र

बहु-सुविधा कायाकल्प केंद्र (एमएफआरसी) संस्थान समुदाय के जीवन में उन्हें शारीरिक, सामाजिक और मानसिक कल्याण के अवसर प्रदान करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में एमएफआरसी विद्यार्थियों और रेजिडेंट्स को जिम, एरोबिक्स, जुंबा, योग और संगीत वाद्ययंत्र सुविधा प्रदान करता है। विद्यार्थी क्षमता निर्माण, सामान्य फिटनेस में सुधार, योग, ध्यान और मनोरंजन के लिए सुविधा का उपयोग करते हैं।

केंद्र कई तरह की गतिविधियों और सेवाओं जैसे फिटनेस ट्रेनर, इनडोर खेल और सामाजिक गतिविधियों की भी पेशकश करता है। यह विद्यार्थियों को सहपाठियों के साथ आराम करने और सामूहीकरण करने के लिए एक सुरक्षित और स्वागत योग्य स्थान प्रदान करता है।.

आवासीय क्षेत्र

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में कर्मचारी आवास शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए समुदाय की भावना प्रदान करते हैं और संस्थान को सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करने और बनाए रखने में मदद करते हैं। अंदर रहने वाले कर्मचारियों के पास ऑन-कैंपस सेवाओं, मनोरंजन सुविधाओं और अन्य सुविधाओं तक पहुंच है। आवासीय ब्लॉकों से सटा हुआ ओपन जिम कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों और विद्यार्थियों के बीच बहुत लोकप्रिय है।

एक टाइप फाइव यूनिट का उपयोग कार्यकारी गेस्ट हाउस के रूप में किया जाता है। संस्थान में कर्मचारियों के लिए 03 टाइप II, 03 टाइप III, 06 टाइप IV और 04 टाइप V कार्यस्थल-सुविधाजनक आवास इकाइयां हैं।

चिकित्सा केंद्र

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश का चिकित्सा केंद्र छात्रों और कर्मचारियों का कल्याण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह आवश्यक चिकित्सा सेवाएं, सलाह और सहायता प्रदान करता है। यह स्वास्थ्य संबंधी विषयों और स्वास्थ्य संवर्धन पहलों के बारे में जानकारी प्रदान करके परिसर में एक स्वस्थ वातावरण बनाए रखने में भी मदद करता है।

संस्थान के चिकित्सा कर्मचारी प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने, टीकाकरण करने और स्वास्थ्य जांच प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। संस्थान ने चिकित्सा सहायता के लिए एक डॉक्टर को दौरे के आधार पर नियुक्त किया है। एक पुरुष और महिला नर्सिंग सहायक प्रत्येक छात्र और कर्मचारियों की चिकित्सा आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं। संस्थान को मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए एक परामर्शदाता की भी व्यवस्था की गई है।

प्रशासनिक खंड

शैक्षिक खंड

प्रशासनिक खंड

शैक्षिक खंड

स्वागत कक्ष

ऑडिटोरियम

शैक्षिक खंड

पुस्तकालय

विद्यार्थियों के लिए रीडिंग रूम

महिला छात्रावास भूतल

बहु सुविधा मनोरंजन केंद्र

पुरुष छात्रावास प्रवेश द्वार

स्टुडेंट मेस का डाइनिंग हाल

ओपन जिम

स्टुडेंट मेस

हरित वातावरण के बीच बैठने का स्थान

वॉलीबाल कोर्ट

आईटी लैब

आवासीय क्षेत्र

आईटी लैब

7. परिसर जीवन

7.1 मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव

मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव (एमपीडीयू), जो एऩआईडी मध्य प्रदेश का वार्षिक डिजाइन उत्सव होता है, वर्ष 2021-22 के दौरान कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया।

7.2 थिंकइन (संगोष्ठी)

कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष 2021-22 में थिंकइन संगोष्ठी का आयोजन नहीं किया गया।

7.3 हरित अभियान

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बीच पर्यावरण प्रबंधन और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष भर हरित अभियान का आयोजन करता है। परिसर में वृक्षारोपण जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में मदद करता है, वायु प्रदूषण को कम करता है और संस्थान को छाया प्रदान करता है। वृक्षारोपण अभियान हमारे छात्रों को पर्यावरण, पारिस्थितिकी और वृक्षारोपण के महत्व के बारे में जानने का अवसर भी प्रदान करता है। संस्थान पर्यावरण और स्थिरता के बारे में बातचीत में छात्रों और शिक्षकों को शामिल करने के लिए इस अभियान का उपयोग करता है।

संस्थान में वृक्षारोपण अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश परिसर चट्टानी भूभाग पर विकसित किया गया था, जिसमें बहुत कम वनस्पति थी। संस्थान की स्थापना के बाद छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों, आउटसोर्स कार्मिकों और अतिथि गणमान्य लोगों ने परिसर के सभी क्षेत्रों में पेड़ लगाए हैं। निरंतर प्रयास के कारण पिछले तीन वर्षों में हरित आवरण में काफी वृद्धि हुई है।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित गणमान्य लोगों ने ग्रीन ड्राइव में भाग लिया:

- प्रोफेसर (डॉ.) एन. श्रीधरन, निदेशक, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल (24 जुलाई 2021)
- श्री राजीव अग्रवाल, निदेशक और प्रमुख, पब्लिक पॉलिसी इंडिया, फेसबुक (16 जनवरी 2022)
- डॉ. आरती अग्रवाल, वरिष्ठ सलाहकार (स्वीप), भारत निर्वाचन आयोग (16 जनवरी 2022)
- श्री. राजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी और अध्यक्ष, गवर्निंग काउंसिल एनआईडी एमपी (11 मार्च 2022))

हरित अभियान के दौरान पौधारोपण करते शासी परिषद के अध्यक्ष

7.4 स्थापना दिवस

संस्थान का चौथा स्थापना दिवस 22 फरवरी 2022 को ऑनलाइन मोड में मनाया गया, क्योंकि कोविड 19 महामारी के कारण भौतिक शिक्षण गतिविधियों को निलंबित कर दिया गया था। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलित करने के समारोह के साथ हुई, जिसके बाद निदेशक ने औपचारिक संबोधन किया, जिसमें उन्होंने संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों का अभिनंदन किया। प्रो धीरज कुमार ने संस्थान के लिए अपने दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और कहा कि समग्र प्रयास मूल्य डिजाइन शिक्षा प्रदान करने के लिए एक वातावरण बनाने की दिशा में रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान पिछले तीन वर्षों में मजबूती से आगे बढ़ा है, और हम विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त समर्थन, ध्यान और अवसर प्रदान करने के लिए वचनबद्ध हैं।

पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा मंत्रमुग्ध कर देने वाला ऑनलाइन मनोरंजन कार्यक्रम शानदार समारोह का मुख्य आकर्षण था। इसके बाद शिक्षकों और कर्मचारियों ने संस्थान की पहले तीन वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश गया। अंत में रजिस्ट्रार राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश ने धन्यवाद ज्ञापन

किया। उन्होंने कहा कि संस्थान इन वर्षों में शिक्षकों और कर्मचारियों की गई कड़ी मेहनत का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि हमें नई ऊर्जा के साथ उत्कृष्टता के पथ पर आगे बढ़ने के लिए खुद को फिर से समर्पित करना चाहिए।

इससे पहले दिन में, सुश्री स्मिता भारद्वाज, आईएएस, प्रमुख सचिव, कुटीर और ग्रामीण उद्योग विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, ने मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव (एमपीडीयू) 2022 के पोस्टर का अनावरण किया, जो राज्य के सबसे बड़े डिजाइन आयोजनों में से एक है। श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव, आईएएस, एमडी, हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम और एमडी, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, मध्य प्रदेश, ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सुश्री स्मिता भारद्वाज ने मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव 2022 के पोस्टर का अनावरण किया

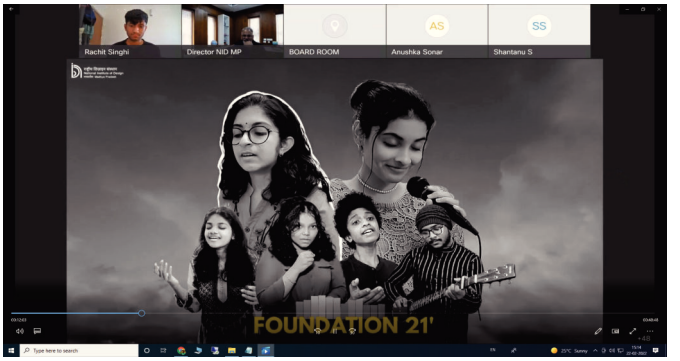

स्थापना दिवस के दौरान ऑनलाइन कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे तृतीय वर्ष के विद्यार्थी

राज एक्सप्रेस

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में चौथा स्थापना दिवस समारोह आयोजित

संस्थान ने पूरे किए सफलतम तीन साल

भोपाल। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश एनआईडी एमपी ने 2019 में अपनी स्थापना के बाद से तीन सफलतम वर्ष पूरे किए हैं। इस अवसर पर चौथा स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर एनआईडी एमपी के निदेशक प्रो. धीरज कुमार ने संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने संस्थान के लिए अपने दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और कहा कि संस्थान पिछले तीन वर्षों में मजबूती से आगे बढ़ा है और हम छात्रों को पर्याप्त सहायता और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों द्वारा इस मौके पर ऑनलाइन मनोरंजन कार्यक्रम मुख्य आकर्षण था। इसके बाद संस्थान के संकाय और कर्मचारियों द्वारा पहले तीन वर्षों की यादें ताजा की गई। अंत में रजिस्ट्रार एनआईडी एमपी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि संस्थान इन वर्षों में संकाय और कर्मचारियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत को स्वीकार करता है और हमें नई ऊर्जा के साथ उत्कृष्टता के पथ पर आगे बढ़ने के लिए खुद को फिर से समर्पित करना चाहिए। इस मौके पर स्मिता भारद्वाज, आईएएस, प्रमुख सचिव, कुटीर और ग्रामीण उद्योग विभाग ने मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव, एमपीडीयू के पोस्टर का अनावरण किया, जो राज्य में सबसे बड़े डिजाइन कार्यक्रमों में से एक है। अनुभा श्रीवास्तव, आईएएस, एमडी, हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम और एमडी, खादी और मध्य प्रदेश ग्रामोद्योग बोर्ड ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। एमपीडीयू का आयोजन 18 से 20 दिसंबर 2022 तक एनआईडी एमपी परिसर में आचारपुरा में फ्यूजन कॉन विषय पर किया जाएगा। यह आयोजन व्यापार शो, प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, कला और शिल्प प्रदर्शन और सांस्कृतिक गतिविधियों की एक प्रभावशाली श्रृंखला का प्रदर्शन करेगा। डिजाइन उत्सव कारीगरों, डिजाइनरों, उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, छात्रों और जनता को कई मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से डिजाइन के मूल्य का अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर संस्थान में मैत्रीपूर्ण खेलकूद का भी आयोजन किया गया।

चौथे स्थापना दिवस के कार्यक्रमों की प्रेस कवरेज

7.5 समारोह

देश में कोविड-19 के प्रकोप के बाद, संस्थान ने वर्ष के अधिकांश भाग के लिए भौतिक शैक्षणिक गतिविधियों को निलंबित कर दिया था। परिणामस्वरूप, विद्यार्थियों ने 22 मार्च से 13 सितंबर 2021 तक और फिर 14 जनवरी से 19 फरवरी 2022 तक ऑनलाइन शिक्षण गतिविधियों में हिस्सा लिया। संस्थान द्वारा कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए आयोजित किए गए कुछ उत्सवों का विवरण आगे पैराग्राफ में दिया गया है।

महिला दिवस

सभी क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान का सम्मान करने और उनकी सराहना करने के लिए 08 मार्च 2022 को महिला दिवस मनाया गया। एनआईडी एमपी ने महिलाओं की उपलब्धियों को स्वीकार करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए यह दिन समर्पित किया। महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और बाधाओं तथा महिलाओं के अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। सुश्री सिमी मैथ्यू ने सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अधिक प्रतिनिधित्व और समान अवसरों की आवश्यकता पर बल दिया।

महिला दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया

निदेशक, एनआईडी एमपी स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

व्याख्यान में भाग लेती महिला कर्मचारी व आउटसोर्स कर्मचारी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को राष्ट्रीय गौरव और उत्साह की प्रबल भावना के साथ मनाया गया। कोविड-19 द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण छात्रों ने अपने घरों से ऑनलाइन मोड में कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत कर्मचारियों, आउटसोर्स कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में निदेशक प्रो. धीरज कुमार द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। देश के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने और स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें कोविड संबंधी सभी सावधानियां बरती गईं। संस्थान ने एकजुट होकर देश की प्रगति और विकास के प्रति वचनबद्धता की पुष्टि की। इस मौके पर पौधारोपण अभियान भी चलाया गया।

एनआईडी एमपी बिरादरी का एक ग्रुप फोटो

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया

विश्वकर्मा जयंती

विश्वकर्मा जयंती संस्थान के वर्कशाप में 17 सितंबर 2021 को मनाई गई। दिव्य वास्तुकार, भगवान विश्वकर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए हवन का आयोजन किया गया और उपकरणों, मशीनरी और औजारों के लिए आशीर्वाद मांगा गया। सभी उपस्थित लोगों ने संस्थान की सफलता और प्रगति के लिए प्रार्थना की।

संस्थान में विश्वकर्मा जयंती मनाई गई

कर्मचारियों ने हवन में भाग लिया

औजारों, मशीनरी और उपकरणों के लिए भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद मांगा गया

दीपावली

2021 की दीवाली विशेष थी, क्योंकि कोविड 19 के कारण लंबे अंतराल के बाद विद्यार्थी परिसर में लौटे थे। सामाजिक दूरी के मानदंड को ध्यान में रखते हुए त्योहार मनाया गया। समारोह में इलेक्ट्रिक लाइटों की सजावट के साथ परिसर को रोशन किया गया था। आउटसोर्स कर्मचारियों को मिठाई बांटी गई। संस्थान ने एकजुट होकर बड़े उत्साह और प्रसन्नतापूर्वक त्योहार मानया। समारोह से सुदृढ़ संबंधों की पुष्टि हुई, एकजुटता की भावना और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा बढ़ावा मिला।

दीपावली के मौके पर रंगोली बनाई गई

दीपावली के मौके पर रंगोली बनाई गई

गणतंत्र दिवस

भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में 26 जनवरी 2022 को गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन भोपाल शहर में कोविड-19 के प्रकोप के कारण प्रतीकात्मक तरीके से किया गया था। इस अवसर पर कोई सामूहिक आयोजन नहीं किया गया।

7.6 स्वच्छता ही सेवा

स्वच्छता ही सेवा अभियान के हिस्से के रूप में आरोग्यता और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान ने 15 सितंबर से 02 अक्टूबर 2021 तक गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की। संस्थान को अपना परिवेश स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। संस्थान के कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए कचरे के उचित पृथक्करण और निपटान, पौधे लगाने, पानी बचाने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के बारे में जागरूकता फैलाने का अभियान चलाया गया।

सफाई अभियान में शामिल कर्मचारी

स्वच्छता ही सेवा अभियान में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वच्छता अभियान में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वच्छता अभियान में भाग ले रहे कर्मचारी

7.7 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश में इसके निवासियों के लिए जीवन

संस्थान का परिसर चूंकि भोपाल शहर के बाहरी इलाके में स्थित है, इस लिए यहां 15 आवासीय इकाइयां भी बनाई गई हैं, जो कर्मचारियों के बीच समुदाय की भावना पैदा करती हैं और काम और सहयोग के लिए अनुकूल माहौल बनाती हैं। संस्थान अपने कर्मचारियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान केन्द्रित करता है। परिसर में एक स्वास्थ्य केंद्र है, जो प्राथमिक चिकित्सा, नियमित जांच और मामूली उपचार जैसी बुनियादी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है। परामर्श और चिकित्सा के माध्यम से कर्मचारियों और उनके परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा एक आरोग्य परामर्शदाता नियुक्त किया गया है।

बहु सुविधा आरोग्य केंद्र (एमएफआरसी) व्यायाम उपकरण, संगीत वाद्ययंत्र, इनडोर खेल, योग आदि विभिन्न प्रकार के विकल्प प्रदान करता है। ये सुविधाएं शारीरिक फिटनेस, मानसिक कल्याण और सामाजिक संपर्क को बढ़ावा देती हैं। व्यायाम उपकरण और इनडोर खेल सुविधाएं कर्मचारियों और उनके परिवारों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने, तनाव दूर करने और उनके समग्र स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार करने में मदद करती हैं। संगीत वाद्ययंत्र रचनात्मकता को बढ़ावा देने, तनाव कम करने और आत्म-अभिव्यक्ति के लिए एक आउटलेट प्रदान करने में मदद करते हैं। योग तनाव कम करने, लचीलापन बढ़ाने और मानसिक स्पष्टता में सुधार करने में मदद करता है। एमएफआरसी कर्मचारियों के बीच समुदाय की भावना को बढ़ावा देता है और उन्हें स्वस्थ और उत्पादक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता है।

ओपन जिम बुनियादी फिटनेस उपकरण जैसे पुल-अप बार, पैरेलल बार और बैलेंस बीम से लैस है, जिसका उपयोग विभिन्न व्यायामों और वर्कआउट के लिए किया जा सकता है। सुविधा का उपयोग सभी उम्र और फिटनेस स्तर के लोगों द्वारा किया जाता है। कर्मचारी और उनके परिवार मोबाइल एटीएम बैंकिंग सुविधा का उपयोग करते हैं, जो प्रत्येक गुरुवार को परिसर में आती है। मैस सुविधा भुगतान के आधार पर उपयोग के लिए उपलब्ध है। मेस कमेटी यह सुनिश्चित करती है कि मेस पौष्टिक और विविध भोजन प्रदान करे, जो अपने छात्रों और कर्मचारियों की प्राथमिकताओं और आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है।

समुदाय के भीतर सीखने और ज्ञान-साझा करने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा अपने निवासियों के लिए पुस्तकालय सुविधाओं का विस्तार भी किया गया है। पुस्तकालय पुस्तकों, पत्रिकाओं और अन्य शिक्षण सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच प्रदान करता है, जो उन्हें अपने ज्ञान को व्यापक बनाने और नई चीजें सीखने में मदद करता है। एनआईडी एमपी लाइब्रेरी बौद्धिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक केंद्र है, जहां कर्मचारी विचारों पर चर्चा करने और सार्थक बातचीत करने के लिए एक साथ आते हैं। इस पहल का उद्देश्य कैंपस में अधिक जीवंत और बौद्धिक रूप से सक्रिय समुदाय का निर्माण करना है।

हरित अभियान में भाग लेते शहरवासी

एक कार्यक्रम में भाग ले रहे स्थानीय निवासी।

7.8 विद्यार्थी गतिविधियां

सह-पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों में संलग्न होने से विद्यार्थियों को शिक्षा से परे कई तरह के लाभ मिलते हैं जैसे कि सामाजिक कौशल, नेतृत्व के गुण, टीम वर्क, समय प्रबंधन कौशल विकसित करना, आदि। अन्य बातों के अलावा, विद्यार्थी खेल, संगीत, नाटक, सामुदायिक सेवा और क्लबों में संलग्न होते हैं। कई प्रकार की गतिविधियों में भाग लेकर, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश के विद्यार्थी नए कौशल सीखते हैं, रुचियों का पता लगाते हैं, आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान विकसित करते हैं।

विद्यार्थी गतिविधियों से उन्हें संस्थान के साथ अपनेपन और जुड़ाव की भावना विकसित करने में भी मदद मिलती है, जिससे सीखने का अधिक सकारात्मक और सहायक माहौल बनता है। इन गतिविधियों में भाग लेने से विद्यार्थी का व्यवसायिक कौशल भी बढ़ता है, क्योंकि इससे उनकी विविध रुचियां और कौशल प्रदर्शित होता है। संस्थान विभिन्न विद्यार्थी गतिविधियों का आयोजन और उत्सव मनाता है:

फाउंडेशन अध्ययन विद्यार्थियों का कार्य प्रदर्शन

स्टूडेंट्स ज्यूरी कार्य प्रदर्शन

औद्योगिक डिजाइन विद्यार्थियों के प्रोटोटाइप का प्रदर्शन

त्योहारों का आयोजन

त्यौहार हमारे समाज की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, और उन्हें मनाने से विद्यार्थियों को विभिन्न संस्कृतियों, रीति-रिवाजों और मान्यताओं के बारे में जानने का अवसर मिलता है। संस्थान में त्योहार मनाकर, वे सांस्कृतिक प्रथाओं और परंपराओं की विविध श्रेणी के संपर्क में आते हैं, जिनसे उनका दृष्टिकोण व्यापक बनाने और उनकी अंतर-सांस्कृतिक क्षमता बढ़ाने में मदद मिलती है। त्योहार मनाना सामुदायिक और सामाजिक एकता की भावना को भी बढ़ावा देता है, क्योंकि यह उन्हें एक साथ लाता है। विद्यार्थी इन समारोहों में बड़े उत्साह से भाग लेते हैं। परंतु, कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष के अधिकांश भाग में विद्यार्थी परिसर में नहीं थे, फिर भी जब भी वे उपस्थित होते थे, वे अपने अनूठे और अभिनव तरीके से त्योहार मनाते थे। उनकी भागीदारी ने सभी लोगों के

लिए उत्सव के अनुभव को समृद्ध बनाया और उत्साह एवं नवीनता की भावना पैदा की।

कोविड19 महामारी के बाद कैंपस का फिर से खुलना

कोविड-19 महामारी के समय में ऑनलाइन शिक्षण चरण के दौरान, विद्यार्थी यथासंभव लगातार नियमित कक्षाएं फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे। उनमें से अधिकांश का विचार था कि व्यावहारिक इनपुट-आधारित डिज़ाइन शिक्षा के लिए, दक्षता, सहभागिता और समग्र समझ के मामले में भौतिक कक्षाएं बेहतर थीं। अपने घरों से सीखने की सुविधा के बावजूद, वे ज्ञान हस्तांतरण और सीखने की क्षमता के मामले में कठिनाइयों के कारण संस्थान के फिर से खुलने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे। जैसे ही कोविड-19 महामारी के बाद स्थिति में सुधार हुआ, विद्यार्थियों को 22 मार्च से 13 सितंबर 2021 के बीच और उसके बाद 14 जनवरी से 19 फरवरी 2022 तक शारीरिक शिक्षण गतिविधियां फिर से शुरू करने के लिए परिसर में बुलाया गया। सुरक्षित दूरी बनाए रखने के उपायों का पालन करने के लिए इस बात पर जोर दिया कि हर समय मास्क पहने रहें और स्वच्छता और सफाई प्रक्रियाओं पर अधिक ध्यान दें।

(i) उनके लिए एक व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई ताकि उसका सख्ती से अनुपालन किया जा सके। परिसर में उनकी वापसी के बाद निम्नलिखित सावधानियां बरती गईं :

(ii) प्रत्येक विद्यार्थी को गृहनगर से वापसी से पहले कोविड-19 आरटीपीसीआर टेस्ट करवाना आवश्यक था और केवल नेगेटिव टेस्ट रिपोर्ट धारकों को ही यात्रा शुरू करने की अनुमति दी गई थी।

(iii) प्रत्येक विद्यार्थी के लिए स्मार्ट फोन पर आरोग्य सेतु ऐप इंस्टॉल करना अनिवार्य था।

(iv) संस्थान में शामिल होने के दौरान विद्यार्थी को 5 मास्क और कपड़े के दस्ताने ले जाना अनिवार्य किया गया।

(v) प्रत्येक विद्यार्थी से कहा गया कि वह एसओपी का अध्ययन करे और उसका पालन करने के लिए एक स्व-घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करे और माता-पिता के हस्ताक्षर करवा कर उसे कोविड 19 आरटी पीसीआर रिपोर्ट के साथ जमा करे।

छात्रावास में वाटर कूलर और वाशिंग मशीन क्षेत्र को सेनिटाइज किया गया

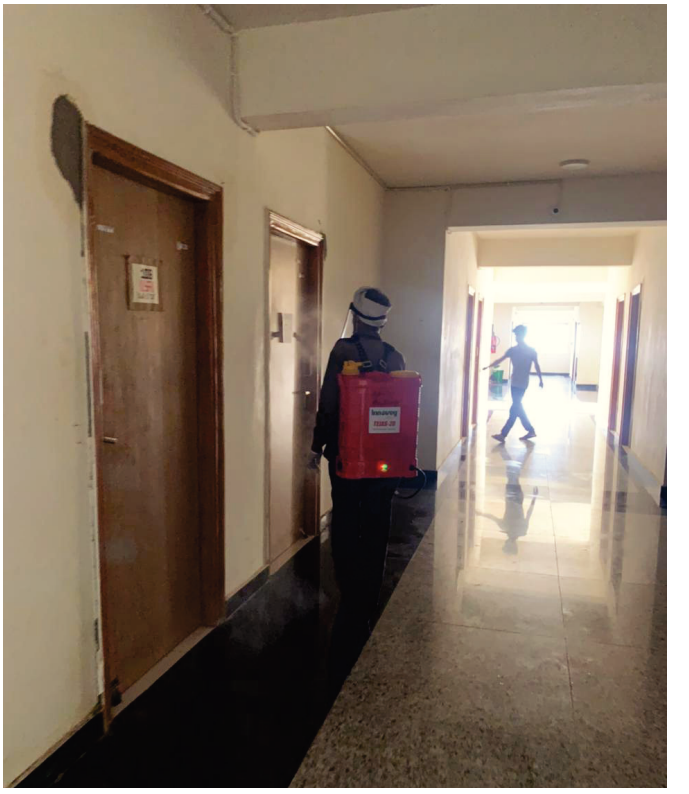

छात्रावास में दरवाजों के हैंडल सेनिटाइज किए गए

शैक्षणिक ब्लॉक, वर्कशॉप ब्लॉक, पुस्तकालय, मेस और छात्रावासों में समुचित सैनिटाइजेशन सुनिश्चित किया गया। कक्षाओं की शुरुआत से पहले और दिन के अंत में बार-बार छुई जाने वाली सतहों की सफाई और नियमित कीटाणुशोधन किया जाता था। शिक्षण सामग्री, कंप्यूटर, लैपटॉप, मशीन आदि को नियमित रूप से 70% अल्कोहल स्वाइप से विषाणुरहित किया गया। लिक्विड सोप की सुविधा वाले हैंड वाशिंग स्टेशन बनाए गए ताकि विद्यार्थी बार-बार हाथ साफ कर सकें। सभी जगहों पर भौतिक दूरी का पालन किया गया और भीड़ की अनुमति नहीं दी गई। एयर-कंडीशनिंग/वेंटिलेशन के लिए सीपीडब्ल्यूडी दिशा-निर्देशों का पालन किया गया और तापमान सेटिंग को 24-30 डिग्री सेंटीग्रेड की सीमा में रखा गया।

विद्यार्थी देश के विभिन्न स्थानों से आए थे, इसे देखते हुए उन्हें क्वारंटाइन में रखा गया था और भौतिक कक्षाओं में भाग लेने की अनुमति देने से पहले 14 दिन की अवधि के लिए उनके स्वास्थ्य की निगरानी की गई थी। सभी विद्यार्थियों की रोजाना थर्मल स्क्रीनिंग की गई। किचन, डाइनिंग हॉल, बाथरूम और शौचालय आदि में स्वच्छता की स्थिति की नियमित निगरानी की गई। विद्यार्थियों को स्वास्थ्य की स्व-निगरानी के बारे में जागरूक किया गया और परामर्शदाता और शिक्षक सदस्यों द्वारा उनके मनोवैज्ञानिक कल्याण पर नियमित निगरानी रखी गई।

निदेशक, एनआईडी एमपी विद्यार्थियों के कैंपस पहुंचने पर उनसे बातचीत करते हुए

निदेशक, एनआईडी एमपी कैम्पस में विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए

कैंपस में सहपाठियों के बीच बातचीत

जलपान के समय विद्यार्थियों के बीच हल्के फुल्के क्षण

बाहरी भ्रमण / गतिविधियाँ

परिसर में रहते हुए, विद्यार्थियों ने शैक्षणिक गतिविधियों के भाग के रूप में शहर के कुछ स्थानों का दौरा किया। पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में औद्योगिक दौरे भी किए गए।

आमतौर पर संस्थान द्वारा निम्नलिखित बाहरी गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं:

(i) प्रकृति फोटोग्राफी सैर: विद्यार्थी एक निर्मित क्षेत्र और उसके प्राकृतिक परिवेश की सैर करते हैं, स्थानीय वनस्पतियों और जीवों के बारे में सीखते हैं और इसे कैमरे में कैद करते हैं।

(ii) बाहरी कार्यशाला: विद्यार्थी डिजाइन की मूल बातें तलाशने और कला के अपने स्वयं के कार्यों का निर्माण करने में समय व्यतीत करते हैं।

(iii) डिज़ाइन टूर: विद्यार्थी किसी भवन/स्मारक के डिज़ाइन/वास्तुकला के जटिल विवरण के बारे में सीखते हैं, जिसमें किसी निर्देशित दौरे पर इसका इतिहास भी शामिल है।

(iv) प्रकृति के बीच डिजाइन: विद्यार्थी प्रकृति के बीच समय बिताते हैं, रचनात्मक प्रक्रिया की खोज करते हैं और प्राकृतिक सामग्री के साथ डिजाइन का काम करते हैं।

औद्योगिक दौरे पर जाते विद्यार्थी

एक फैक्ट्री में विद्यार्थियों को औद्योगिक पैकिंग के बारे में जानकारी दी जा रही है

कोरूगेटिड बॉक्स विनिर्माण प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए विद्यार्थी

औद्योगिक यात्रा के दौरान विचार विमर्श

खेलकूद गतिविधियां

कोविड-19 प्रतिबंधों के बीच विद्यार्थियों ने उचित सावधानियों का पालन करते हुए खुद को क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और कई अन्य खेलों और खेल गतिविधियों में शामिल किया। इससे उन्हें फिट और स्वस्थ रहने, टीम भावना का निर्माण करने और मौज-मस्ती का अवसर मिला। उन्होंने सुबह/शाम की सैर के लिए परिसर में परिधीय सड़क का भी उपयोग किया। विद्यार्थियों ने ओपन जिम और बहु-सुविधा व्यायाम केंद्र में उपलब्ध फिटनेस उपकरणों का भी उपयोग किया।

परामर्श

मानसिक तनाव की स्थिति में विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए संस्थान ने एक परामर्श एजेंसी को नियुक्त किया। एजेंसी ने व्यक्तिगत परामर्श, सामूहिक परामर्श, टेली-परामर्श और ऑनलाइन परामर्श जैसी सेवाओं की पेशकश की। इसके परामर्शदाता प्रशिक्षित पेशेवर थे, जो विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का आकलन करने में सक्षम थे और उन्हें उनकी चुनौतियों का सामना करने में मदद करने के लिए मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करते थे। परामर्श एजेंसी ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत और भावात्मक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करने के लिए ऑनलाइन वर्कशॉप और सेमिनार भी आयोजित किए।

बाद में, संस्थान ने नियमित रूप से प्रति सत्र आयोजन के लिए एक आरोग्य परामर्शदाता नियुक्त किया, जिसके साथ मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जा सकती थी। परामर्शदाता ने विद्यार्थियों को भावनाओं, तनाव, अवसाद, चिंता और अन्य मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के प्रबंधन में मदद की। उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी चुनौतियों के माध्यम से काम करने और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करने के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी और अन्य चिकित्सीय तकनीकों जैसे साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग किया। ये तकनीक विद्यार्थियों को लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए आवश्यक लचीलापन, आत्म-जागरूकता और आत्म-सम्मान विकसित करने में भी मदद करती है।

7.9 उत्कृष्ट पद्धतियां

सामग्री प्रबंधन: एनआईडी एमपी उत्कृष्ट वस्तुएं और सेवाएं खरीदने और जीएफआर-2017 के प्रावधानों का पालन करने के सिद्धांत के प्रति वचनबद्ध रहा। भंडार अनुभाग शैक्षणिक और प्रशासनिक विभागों के लिए माल और सेवाओं की खरीद और वितरण की पूर्ति करता है। यह सामग्री की खरीद, भंडारण और वितरण से संबंधित विधियों और प्रक्रियाओं की सहायता से भंडार संबंधी कार्य करता है। वस्तुओं की मात्रा, मूल्य और स्थान सहित सभी प्रकार की सामग्री की सटीक वस्तु सूची तैयार की जाती है। प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में सभी संपत्तियों और उपभोग्य सामग्री की वार्षिक जांच की जाती है।

संपदा कार्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए निवारक रखरखाव कार्यक्रम चलाता है कि सभी सामग्री और उपकरण ठीक से बनाए और चालू किए गए हैं। सामग्री के उपयोग की निगरानी यह सुनिश्चित करने के लिए की जाती है कि वस्तु सूची का उपयोग कुशल और लागत प्रभावी तरीके से किया जा रहा है। पारदर्शिता, जवाबदेही, वित्तीय औचित्य और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए संस्थान की नीति के हिस्से के रूप में, निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

(i) जीईएम और केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद।

(ii) कुछ हितधारकों के डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त कर लिए गए हैं और प्रत्येक निविदा के लिए अलग से निविदा मूल्यांकन समितियों का गठन किया गया है।

(iii) स्थानीय क्रय समिति के माध्यम से उचित मूल्य पर वस्तुओं की खरीद की जाती है।

(iv) विनिर्देशों को यथासंभव सामान्य रखा जाता है। बोली पूर्व बैठक प्रणाली के माध्यम से, संभावित बोलीकर्ता अपनी शंकाओं को स्पष्ट कर सकते हैं और निविदा में बदलाव का सुझाव दे सकते हैं।

सभी कर्मचारियों के महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मापदंडों की निगरानी साप्ताहिक आधार पर (आमतौर पर प्रत्येक सोमवार को) की जाती है। प्रशासन द्वारा कक्षा प्रतिनिधियों के साथ उनकी चिंताओं को समझने और सुधारात्मक उपाय करने के लिए मासिक बैठकें आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में एक बार संस्थान के लिए अग्नि सुरक्षा और जागरूकता सत्र आयोजित किए जाते हैं।

8. वित्तीय संसाधन

8.1 पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

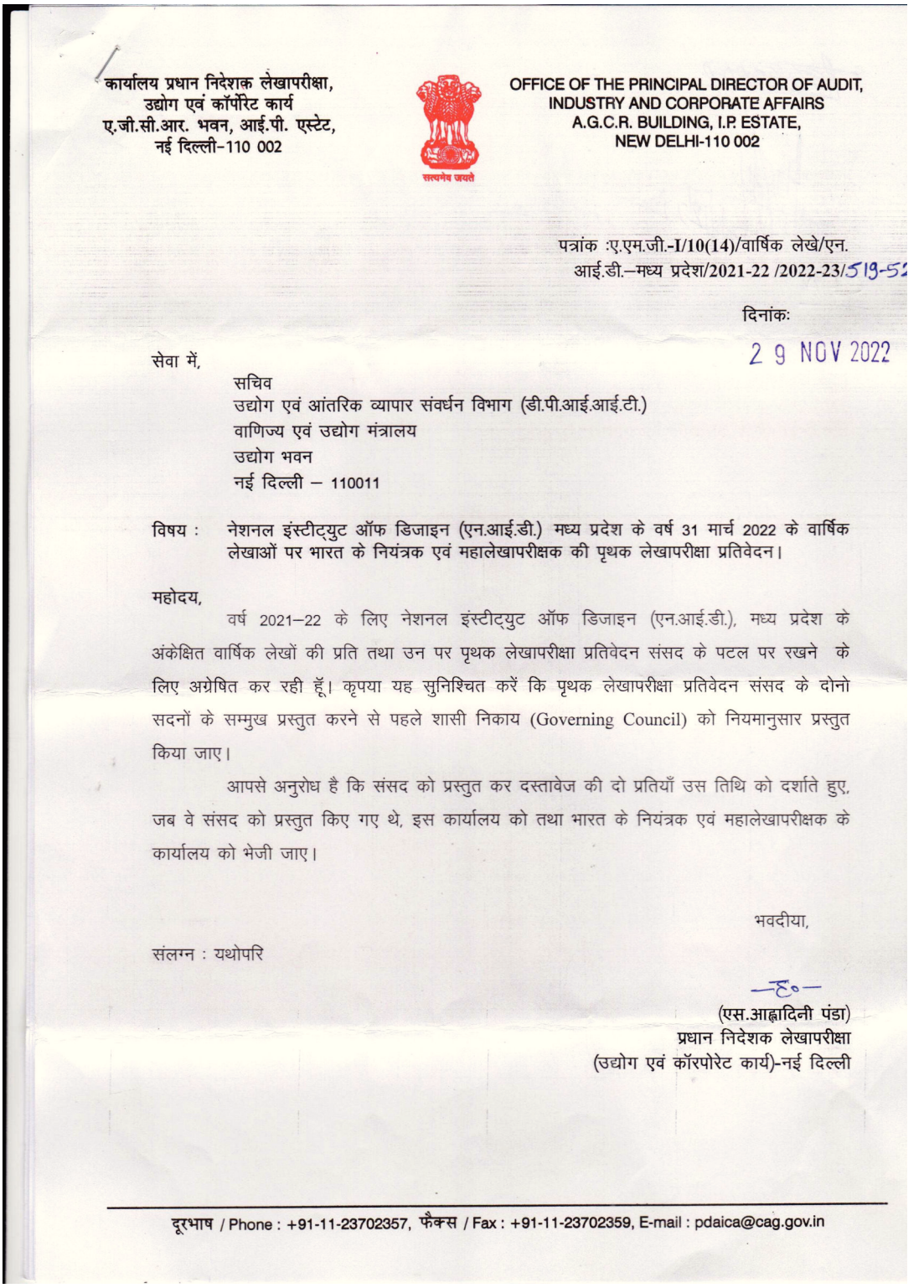

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा,
उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य
ए.जी.सी.आर. भवन, आई.पी. एस्टेट,
नई दिल्ली-110 002

सत्यमेव जयते

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT,
INDUSTRY AND CORPORATE AFFAIRS
A.G.C.R. BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

पत्रांक :ए.एम.जी.-I/10(14)/वार्षिक लेखे/एन.
आई.डी.–मध्य प्रदेश/2021-22 /2022-23/519-52

दिनांक: 29 NOV 2022

सेवा में,

सचिव
उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.)
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
उद्योग भवन
नई दिल्ली – 110011

विषय : नेशनल इंस्टीट्युट ऑफ डिजाइन (एन.आई.डी.) मध्य प्रदेश के वर्ष 31 मार्च 2022 के वार्षिक लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

वर्ष 2021–22 के लिए नेशनल इंस्टीट्युट ऑफ डिजाइन (एन.आई.डी.), मध्य प्रदेश के अंकेक्षित वार्षिक लेखों की प्रति तथा उन पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संसद के पटल पर रखने के लिए अग्रेषित कर रही हूँ। कृपया यह सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संसद के दोनो सदनों के सम्मुख प्रस्तुत करने से पहले शासी निकाय (Governing Council) को नियमानुसार प्रस्तुत किया जाए।

आपसे अनुरोध है कि संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किए गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

भवदीया,

संलग्न : यथोपरि

(एस.आह्लादिनी पंडा)
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा
(उद्योग एवं कॉरपोरेट कार्य)-नई दिल्ली

दूरभाष / Phone : +91-11-23702357, फैक्स / Fax : +91-11-23702359, E-mail : pdaica@cag.gov.in

पत्रांक :ए.एम.जी.-I/10(14)/वार्षिक लेखे/एन.आई.डी.–मध्य प्रदेश/2021-22 /2022-23/519-521 दिनांकः

2 9 NOV 2022

प्रतिलिपिः

1. निदेशक, नेशनल इंस्टीट्युट ऑफ डिजाइन (एन.आई.डी.) – ईंट खेती, अचारपुरा, पोस्ट अरवालिया, भोपाल, मध्य प्रदेश–462038 को एक प्रति सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न की जा रही है।

एस. ए. पंडा

(एस.आह्लादिनी पंडा)
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा
(उद्योग एवं कॉरपोरेट कार्य)-नई दिल्ली

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of National Institute of Design, Madhya Pradesh for the year ended 31 March 2022

1. We have audited the attached Balance Sheet of National Institute of Design (NID) Madhya Pradesh, Bhopal as on 31 March 2022 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 25(2) of the National Institute of Design Act, 2014. The preparation of these financial statements is the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these Financial Statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (C&AG) on the accounting treatment only with respect to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc. Audit observations on financial transactions with regards to compliance with the Laws, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspect, etc., if any, are reported through Inspection reports/ C&AG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

   i. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

   ii. The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Government of India under sub-rule (1) of Rule 4 of National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020.

   iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by National Institute of Design, Madhya Pradesh in so far as it appears from our examination of such books.

   iv. We further report that:

A. BALANCE SHEET

A.1 Fixed Assets (Schedule-6): ₹1,21,28,95,049/-
Capital Work in Progress-₹1,08,93,50,533/-

A.1.1 The above includes an amount of ₹98.94 crore being expenditure incurred during first phase of infrastructure development at the Institute which included construction of academic blocks, library, admin block, hostel, residential buildings etc. The construction in first phase was started in the year 2016. The campus was inaugurated virtually in February 2019 and partially completed facilities have already been put into use since July 2019. The Institute has not yet capitalized the same and kept the expenditure of ₹98.94 crore under Capital Work in Progress.

Non-capitalization of the above assets has resulted in overstatement of Capital Work in Progress and understatement of Fixed Assets (Buildings) by ₹98.94 crore.

A.1.2 The above includes an amount of ₹97,38,50,533/- under Capital Work in Progress as on 01 April 2020. However, Utilisation Certificates submitted by NBCC Limited against the grant received reflected an amount of ₹1,04,97,45,384/- and Fund position of NBCC Limited indicating amount received from client (NID, Madhya Pradesh) up to 2019-20 was ₹98,94,46,000/-. Moreover, NID, Ahmedabad had shown ₹1,06,52,89,633/- as grant utilized[1] up to 31 March 2020 for the setting up of New NID campus at Bhopal.

These figures need to be reconciled to bring clarity in the accounts of NID, Madhya Pradesh.

A.2 Earmarked Fund (Schedule-2): ₹8,62,23,931/-
Current liabilities (Schedule-5): ₹1,43,44,813/-

The above does not include an amount of ₹0.22 crore payable to the Ministry of Commerce and Industry on account of interest earned on Grants-in-Aid received during the year 2021-22.

During the year 2021-22, interest amounting to ₹0.22 crore was earned on Grants-in-Aid received by the Ministry which was booked as income as reflected in the Schedule-13 (Interest Earned) instead of showing it as current liability refundable to the Ministry.

This has resulted in overstatement of Income as well as NID MP Corpus Fund by ₹0.22 crore, and understatement of Current Liabilities by the same amount.

B. Grants-in-Aid

NID Madhya Pradesh had unutilized balance of grants amounting to ₹5.43 crore at the close of the year 2020-21 and received grants amounting to ₹20.15 crore under different heads (General: ₹5.35 crore, Salaries, ₹3.74 crore and Capital: ₹11.06 crore) from the

[1] ***The grants for construction of new campuses including that of Bhopal were routed through NID Ahmedabad***

Ministry of Commerce and Industry during the year 2021-22. Out of this, NID Madhya Pradesh had utilized ₹18.97 crore (General: ₹5.35 crore, Salaries: ₹3.74 crore and Capital: ₹9.88 crore) and surrendered an amount of ₹6.08 crore to the Ministry, with the balance of ₹0.53 crore remaining unspent as on 31 March 2022.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes to Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Separate Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the National Institute of Design Madhya Pradesh as at 31 March 2022; and

b. In so far as it relates to Income and Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

Place: New Delhi
Date:

(S. Ahlladini Panda)
Principal Director of Audit
Industry & Corporate Affairs

ANNEXURE TO SEPARATE AUDIT REPORT
(On the accounts of National Institute of Design Madhya Pradesh for the year ended on 31 March 2022)

1. **Adequacy of Internal Audit System**
   Internal Audit of the Institute was carried out by hired Chartered Accountant firm for the year 2021-22, however, final report was not made available at the time of conduct of this audit.

2. **Adequacy of Internal Control System**
   Internal Control System was inadequate and not commensurate with the nature and size of the Institute. The number of General Council's meetings held during the year 2021-22 were less than required as per statute. The MIS system has not been implemented.

3. **System of physical verification of Fixed Assets**
   Physical verification of fixed assets was carried out after the approval of accounts.

4. **System of Physical Verification of inventory**
   NID Madhya Pradesh is not maintaining any inventory.

5. **Regularity in payment of Statutory dues**
   The Institute was regular in payment of undisputed statutory dues during 2021-22.

मृणाल

Director (AMG-I)

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा,
उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य
ए.जी.सी.आर. भवन, आई.पी. एस्टेट,
नई दिल्ली–110 002

सत्यमेव जयते

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT,
INDUSTRY AND CORPORATE AFFAIRS
A.G.C.R. BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

पत्रांकः ए.एम.जी.-I/10(20)/ आई.आर.–26/ एन.आई.डी.(एम.पी.)/कंपलाइंस ऑडिट/2022–23/557

दिनांक : 13 DEC 2022

सेवा में,

प्रो० धीरज कुमार
निदेशक
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (एन.आई.डी.)
अचारपुरा, ईंट खेड़ी,
पोस्ट अरवलिया,
भोपाल, (मध्य प्रदेश)–462038

विषय : दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष तक राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश के अनुपालन लेखापरीक्षा पर निरीक्षण प्रतिवेदन।

महोदय,

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (म.प्र) के संदर्भ में समाप्त वर्ष मार्च 2022 तक की निरीक्षण प्रतिवेदन (भाग-II ए के 1 पैरा तथा भाग-II बी 9 पैरा) इस पत्र के साथ भेजी जा रही है। आपसे अनुरोध है कि इस पत्र के प्राप्त होने की तारीख से चार सप्ताह के अंदर उत्तर भेजने की कृपा करें।

भवदीय,

संलग्नकः यथोपरि

उप निदेशक
(ए.एम.जी-I)

दूरभाष / Phone : +91-11-23702357, फैक्स / Fax : +91-11-23702359, E-mail : pdaica@cag.gov.in

Inspection Report on the Compliance Audit of National Institute of Design, MP since inception to the year ended 31.03.2022.

Part - I

1. **Introduction:**

National Institute of Design, Madhya Pradesh (NID MP) is an "Institution of National Importance" under Department for Promotion of Industries and Internal Trade (DPIIT), Ministry of Commerce and Industry, Govt. of India. The Institute has a 29.49 acres' residential campus at Acharpura in Bhopal.

2. **Organizational set-up:**

As per NID Act. 2014 amended in year 2019, the body corporate constituting each institute shall consist of a chairperson, Director and other members of the Governing Council (GC) of the Institute. The Governing council (GC) shall be responsible for the general superintendence, direction and control of the affairs of the instituteand shall exercise all the powers of the institute not otherwise provided for by this Act, the statutes and the ordinances, and shall have the power to review the acts of the Senate. The Institute is run by a full-time Director who is assisted by Administration Staff such as Chief Administrative Officer, Controller of Finance & Accounts, Registrar and others, and Faculty Members.

3. **Objectives:**

NID MP currently offers full-time four year Bachelor's Programme in Design (B.Des.) with specialization streams of

- Industrial Design
- Communication Design and
- Textile & Apparel Design

with a multi-disciplinary approach to design education.

4. **Capital structure**

NID MP had commenced its first academic session with a batch of 57 students from its own campus at Acharpura in Bhopal in July 2019.The Capital Grant to the tune of Rs.

19.75 crores has been spent till date. The Institute is supported by the Government through grants sanctioned by DPIIT, Ministry of Commerce & Industry.

5. Budget and Financial Performance:

Budget Performance

(Rs. in crore)

Financial Year	2019-20	2020-21	2021-22
Revenue Expenditure	4.91	5.62	9.09

Financial Performance

(Rs. in crore)

Particulars	2019-20	2020-21	2021-22
CAPITAL FUND & LIABILITIES			
Capital Fund	109.52	110.42	119.29
Depreciation Fund	-	2.44	4.05
Earmarked Funds	1.50	3.15	8.62
Grants and Contributions	4.95	5.43	0.53
Grants for New NIDs –Bhopal	-	-	-
Current Liabilities	0.89	1.26	1.44
TOTAL	**116.86**	**122.70**	**133.93**
ASSETS			
Fixed Assets (At Cost)	103.5	110.21	121.29
Investments (At Cost)	-	-	-
Current Assets, Loans and Advances, etc.	13.15	12.49	12.64
Income & Expenditure Account	0.21	-	-
TOTAL	**116.86**	**122.70**	**133.93**

6. Working Results of the Institution:

(Rs. in crore)

Particulars	2019-20	2020-21	2021-22
INCOME			
Fees	1.34	2.02	4.44
Service Charges	-	0.03	0.02
Grants	5.39	5.62	9.09

Interest Earned	0.12	0.50	0.30
Other Income	0.03	0.16	0.25
Transferred from Capital Fund to the extent of Depreciation	0.85	1.31	1.61
TOTAL (A)	**7.73**	**9.82**	**15.71**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	1.93	2.88	3.77
Other Administrative Expenses	3.66	3.96	4.85
Expenses on Projects	-	0.02	0.01
Interest/ Bank Charges	-	-	-
Depreciation	0.85	1.31	1.61
Amount Transferred to Specific Funds	1.50	1.65	5.47
TOTAL (B)	**7.94**	**9.82**	**15.71**
Balance being Deficit carried over to Balance Sheet	**-0.21**	**-**	**-**

7. MOU targets and Achievements of the Institution:

NID MPis registered as a society working under administrative control of the DPIIT, Ministry of Commerce & Industry. No MoU stipulating targets for the Institution were signed in last three years between the Ministry and the Institution.

8. Manpower analysis:

(as on 31.03.2022)

Designation	Sanctioned strength	Men-in-position
Faculty Post	35	12
Administration Post	35	17
Non-Teaching (Technical) Posts	17	04
Total	**87**	**33**

9. Internal Audit:

Internal Audit of the Institute has been conducted for the year 2021-22 by Chartered Accounts firm SHAP & Associates, Gujarat.

10. Risk and Threats:

Risk areas related to NID MP include procurement and annual maintenance contracts,TDS compliance, recruitments, compliance with Government Statutes and orders, financial propriety in utilization of Grants and internal resources.

11. Status of Computerization:

NID MP has put in place varied IT infrastructure to automate the working process of the Institution.Many software applications such as Library Management System and accounting tools are being used in the Institute for the administrative as well as fulfilling educational needs.The Institute also has Digital Media Lab and Resource Centre equipped with latest digital equipment and ICT facilities to impart knowledge to its students.

12. Government Audit:

The audit of National Institute of Design Madhya Pradesh was conducted under section 14 of C&AG (DPC) Act, 1971 by Audit Party consisting of Sh.Amit Kumar, Sr.AO, Sh. Ratnesh Kumar Srivastava, AAOand Sh. Himanshu Bansal, AAO from 09.11.2022 to 18.11.2022.

13. Scope of Audit:

The audit period was from since inception of Institute (2019) to March 2022 ofNID, MP. The audit was conducted taking the followings into consideration:

- Business rules like GFR, polices, procedures, Delegation of financial powers.
- Agenda/Minutes of Meetings of Governing Council, Internal Audit Findings, Annual reports.
- Guidelines and circulars by the Ministry
- Files related to recruitments, tax compliance, construction of campus, etc.
- Other files furnished to audit

14. Sampling procedure:

Files related to contracts, recruitment, personnel files, procurement etc. were selected randomly.

15. Disclaimer:

The inspection report has been prepared on the basis of information furnished/ made available by NID, MP. The O/o the Principal Director of Audit, Industry & Corporate

Affairs, New Delhi disclaims any responsibility for any misinformation and/or non-information on the part of NID, MP.

Part-II A

Para 1: Non-recovery of ₹ 1.25 crore as interest earned on the deposited funds.

The Department of Promotion of Industry & Internal Trade (DPIIT) awarded the work of planning, designing and construction of new campus of National Institute of Design at Bhopal to NBCC (India) Limited as deposit works on turnkey basis with agency charges @ 7% at an initial sanctioned cost of ₹ 64.18 crores (revised upto ₹ 105.92 crore). An MoU was executed (30th March 2015) between DPIIT and NBCC including the scope of work for submission of architectural designs along with building plan, construction of office building including civil works, interiors furnishings, lifts, landscaping, electrical, plumbing and sanitation and IT infrastructure.The said work was to be completed in all respects within a period of 18 months reckoned from the 15th day after the payment of advance or the date of handing over the site or sanction of estimate or approvals of drawing by the statutory authorities whichever was later. The first advance payment of ₹ 147.00 lakh was released on 10.09.2015 however, the construction work started from 22.01.2016. The campus was inaugurated on 22.02.2019 and the institute had commenced its first academic session from July 2019. The sanctioned project cost was ₹ 98.63 crore inclusive of NBCC Agency Charges @7% and the last tranche of the payment was released by DPIIT to NBCC during FY 2018-19.

Clause 5.5 of the MoU provided that the Employer shall give initial deposit of 33.33% interest free advance of the estimate cost on signing of the agreement. This initial deposit would be retained for adjustment against the last portion of the estimated expenditure. Executing Agency shall incur expenditure from this advance for execution of works immediately. When 70% (Seventy Percent) of the advance made to Executing Agency for the project is utilized Executing Agency shall submit the utilization certificate so that the next installment of 33.33% could be released. The utilization certificate may be accompanied by a statement of physical progress achieved. This procedure would be repeated till last installment is released. On completion of work, the accounts of the works shall be closed, and a final statement shall be submitted for settlement along with refund of excess deposit received, if any, audited by a Chartered Accountant. Further, Clause 5.6 of the MoU provided that "any bank interest accrued on the deposits/ advance shall be passed on to the Employer".

Audit observed that as per NBCC letter dated 09.03.2022 an interest of ₹ 1,24,58,173/- is earned on the deposited funds which will be adjusted on completion of work. Further, it

being a deposit work all the payment has been made by the DPIIT/NID, MP to NBCC and there being no security available with DPIIT/NID, MP the chances of recovery of ₹ 1.25 crore as interest earned on the deposit fund is remote. Further, NBCC is claiming that interest earned was partially adjusted against the outstanding dues, in this respect details of interest earned and approval of adjustment, if any, may be furnished to audit.

Part-II B

Para 1: Irregularity in construction of new Campus of National Institute of Design, Bhopal and non-recovery of L.D. amounting to Rs. 10.6 crore form the contractor.

The Department of Promotion of Industry & Internal Trade (DPIIT) awarded the work of planning, designing and construction of new campus of National Institute of Design at Bhopal to NBCC (India) Limited as deposit works on turnkey basis with agency charges @ 7% at an initial sanctioned cost of ₹ 64.18 crores (revised upto ₹ 105.92 crore).

In this regard, the following is observed by audit:

1. As per clause 2 of MoU "the executing agency shall execute the work on a turnkey basis (Architectural services and Project Management Consultancy services from concept to completion) and hand it over within mutually agreed period of time from the date of signing of this MoU". However, it was observed that the NBCC has not given records such as Detailed Project Report, Master Plan, Estimates, architectural drawings for the construction of Campus to NID MP nor completed the project within the time i.e. 18 months from the date of start of construction (schedule date of completion being 22.07.2017). The work of construction of Amphitheater is still going on.

   In the absence of necessary records, deviations from approved plan and/or any outstanding component of the project work could not be ascertained, if there was any. As per the terms of MoU, NBCC was to notify the completion of work and a joint inspection by DPIIT and NBCC was to be carried out, however, in absence of above documents handing over and taking over of the project is still pending.
2. Clause 10.2 of MoU provided *that in case, completion of the project is delayed due to reasons solely attributable to the contractors/agency/ suppliers engaged for the project by the Executing Agency, the Executing Agency shall impose liquidated damages @ 0.375% on awarded contract value for each week of delay subject to a maximum of 10% of the awarded contract value and the benefit shall be passed on to*

the Employer". It was observed that though there is a substantial delay in completion of the project (construction of amphitheater still going on) NBCC has not levied any liquidity damaged on the subcontractors and passed the same to the employer (DPIIT/NID MP), in terms of the MoU. This resulted in non-recovery of liquidity damages of Rs. 10.6 crore (10% of 105.92 crore). It being a deposit work all the payment has been made by the DIPPT/ NID MP to NBCC without having any security deposits, Hence, chances of recovery of liquidity damages are remote.

Para 02: Expenditure on construction without approval of competent authority.

NBCC vide its letter dated 11.03.2021 stated that they had executed additional work of ₹ 5.12 crore at site beyond the sanction amount (ie ₹ 98.63 crore) on the belief that overall sanctioned amount for the project is ₹ 105.92 crore and requested for release the balance payment of ₹ 7.17 crore (₹ 5.12 crore against already executed works + ₹ 2.05 crore against balance works).

In this regard audit observed that:

1. Clause 3.4 of MoU provided "Executing Agency shall execute the works at sanctioned cost inclusive of agency charges for project management and planning, designing consultancy services. In case at detailed design/ execution stage, if there is an increase in this anticipated cost, the Execution Agency shall submit the details of the same with the supporting documents and technical/ administrative justification to the Employer" Further clause 3.14 of MoU provided that "Executing Agency shall submit the physical and financial progress report on monthly basis". However, the NBCC neither informed DPIIT before executing the additional work nor NID MP took prior approval of DPIIT before directing NBCC to execute additional work. This was in contravention of the clauses of the MoU agreement. The payment was later on regularized by DPIIT.
2. During execution of the contract work, NID MP directed NBCC that Amphitheatre needs to be revised completely as the current design and layout is not practical and has very limited seating capacity. NBCC submitted the proposal of completing the Amphitheater at ₹ 2.80 crore and the amount was release by DPIIT/NID MP to NBCC. The construction of Amphitheatre is still going on. It was observed that the initial DPR was approved by DPIIT/ NID MP without assessing the actual requirement of the institute and revision in the design and layout of the amphitheater was done after incurring a substantial amount on the construction of the amphitheater as per original drawing and layout, which was later demolished for construction of new amphitheater as per revised

layout and plan. The value of demolished work was not found on records produced to audit. The value of demolished work of old amphitheater and amount of expenditure incurred on demolition/clearance of site may be provided to audit.

Para 03: Delayed/ Non-surrender of savings in the grants.

According to the OM of Ministry of Finance no. 2(12)-B (D)/2021 & 2(13)-B (D)/2022, the last date for accepting the Surrender of Savings anticipated in the grants for 2020-21 and 2021-22 was fixed to be 20th March and 21st March respectively. As per rule 56 (1) and 56(2) of Budget Manual (MoF), Departments of the Central Government shall surrender to the Finance Ministry, by the dates prescribed by that Ministry before the close of thefinancial year. The savings as well as provisions that cannot be profitably utilized should be surrendered to Government immediately when they are foreseen without waiting till the end of the year. No savings should be held in reserve for possible future excesses.

During the audit it was observed that NID, Madhya Pradesh had a savings of Rs. 2.84 croreand Rs. 5.43 crore at the close of FY 2019-20 and 2020-21 respectively in the head of account 'Government Grants'. NID, Madhya Pradesh did not surrender any savings of grant to the government of India during 2019-20 and 2020-21. Moreover, NID Madhya Pradesh has a closing balance of Rs. 0.53 crore under the same head in 2021-22 which is a clear violation of the OM of Ministry of Finance and rule 56 of Budget Manual mentioned above.

The persistent savings in NID, Madhya Pradesh indicated that the budgetary controls in the institutions were not effective and previous years' trends were not taken into account while creating the demand for grant of funds for the year.

Para 04: Non-recovery of Income tax due to non-accounting of perquisites in the salary.

As per the provisions of section 17(2) of Income Tax Act 1961 perquisite, inter alia includes (i) the value of rent free accommodation provided to the assessee by his employer and (ii) the value of any concession in the matter of rent respecting any accommodation provided to the assessee by his employer.

Further, Rule 3 of the Income Tax Rules provides as under:

Valuation of unfurnished residential accommodation provided by the employer: -

(a) Union or State Government Employees -The value of perquisite is the license fee as determined by the Govt. as reduced by the rent actually paid by the employee.

(b) Non-Govt. Employees- The value of perquisite is an amount equal to 15% of the salary in cities having population more than 25 lakhs, 10% of salary in cities where population as per

2001 census is exceeding 10 lakhs but not exceeding 25 lakhs and 7.5% of salary in areas where population as per 8 2001 census is 10 lakhs or below. In case the accommodation provided is not owned by the employer, but is taken on lease or rent, then the value of the perquisite would be the actual amount of lease rent paid/payable by the employer or 15% of salary, whichever is lower. In both of above cases, the value of the perquisite would be reduced by the rent, if any, actually paid by the employee.

Value of Furnished Accommodation- The value would be the value of unfurnished accommodation as computed above, increased by 10% per annum of the cost of furniture (including TV/radio/ refrigerator/ AC/other gadgets). In case such furniture is hired from a third party, the value of unfurnished accommodation would be increased by the hire charges paid/payable by the employer. However, any payment recovered from the employee towards the above would be reduced from this amount.

During the audit it was observed that NID MP provided the facility of furnished accommodation to its officials. Test check of salary sheet of the officials of NID MP revealed that the value of perquisite in respect of providing furniture in the residential accommodation was not taken into account for the purpose of calculation of the salary/ income tax of the employees. NID MP, being an autonomous Institution, was required to compute the value of perquisite in respect of providing furniture in the residential accommodation and accordingly deduct tax from the salaries of the employees who had been allotted accommodation by the Institute. Due to non-inclusion of perquisite value in salary/ Income tax calculation resulted in a short deduction of income tax.

Further, the following information may also be provided.

1. Residential quarter wise value of furniture provided by the NID MP in each quarter.
2. Employee (who had occupied the residential quarter) wise value of perquisite in respect of furniture provided in the residential quarters and value of tax implication on the same.

Para 05: Short recovery of electricity charges from residents of the staff quarter.

NID MP has taken the electricity connection from Madhya Pradesh Kshetra Vidyut Vitaran Co. Ltd. Bhopal, under Tariff Category HV-3.2. B Non-Industrial on 33 KV with sanctioned demand of 400KVA. During audit it was noticed that NID MP is paying for the electricity bills at electricity tariff which is applicable to Category HV-3.2. B Non-Industrial whereas the tariff which is being charged from the residents of the staff quarters within the campus is under the domestic tariff category. It was observed that the electricity charges/ rates being low under the domestic tariff category as compared to charges/ rates under 'Tariff

Category HV-3.2 Non-Industrial' has resulted in under collection of electricity charges from the residents of staff quarters amounting to Rs. 0.77 lakhs **(Annexure 1)** for the year 2021-22. Further, the approval of the competent authority for recovery of electricity charges from the residents at domestic tariff category was not found on records.

Para 06: Irregularity noticed in Procurement of Goods and maintenance of stock registers.

The National Institute of Design MP procured bags and pouches, T-shirts, Man zipper jackets, Man Hoodies jackets etc. with NID MP logo, for display/ sale during the events organized by NID MP, to spread awareness about the Institute in common public. The details of purchase made by the NID MP are as follows:

Sr. no.	Item	Invoice date	Quantity	Amount	Sold/ utilized quantity	Balance stock	Amount	Stock Unutilised (in percentage)
1	Tote Bags + pouch	16.12.2019	155	45725	Not recorded	-	45725	100
2	Tote bags	31.07.2021	460	70035	Not recorded	-	70035	100
3	Men Zipper jacket	17.12.2019	383	239279	123	276	194174	81.15
4	Men Hoodies Jacket	15 & 18.12.2019	389	238654	87	255	177174	74.23
5	T-Shirt	15 & 17.12.2019	1307	241164	102	1164	208354	86.40
			Total	**834857**			**695462**	**83.30**

In this regard Audit observed the following:

1. As per GFR 2017, Rule 144 (iv) "*Care should also be taken to avoid purchasing quantities in excess of requirement to avoid inventory carrying costs*". The institute could not sale/ utilize the above items timely, this resulted in items worth ₹ 6.95 lakh (83.30% of total purchase) lying idle for a period of about 3 years in the store of the Institution. Also the quality of the items/ material lying in the store without being utilized deteriorates with laps of time.
2. Whether any provision has been made in the statutes of the Institute, for conducting purchasing and selling activity for profit. Kindly provide the copy of the provision.
3. Tote bags and pouches were recorded in fixed assets register (Vol -I page No.70) further 155 bags and pouches were issued to Textile and Apparel Department (TAD) and 460 no. of bag were issued to Admin/TAD. however, the same was not entered in their respective assets Register.
4. Details of sale/distribution/ available quantity of tote bags and pouches were not found on records.

5. TAD is not maintaining assets register properly i.e. details of issue of T-shirt, hoddies, zipper was not available in the assets register of TAD. It was also noticed that 15 Hoodies (with zipper) were missing the details of which were not available with the institution.

Para 07: Irregularity noticed in Procurement of Goods through comparison with different category/specification of items

A) As per the Clause 3 of Electrical Wires, Cables, Appliances and Protection Devices and Accessories (Quality Control) order 17 February 2003, "No person shall by himself or through any person on his behalf manufacture or store for sale, sell or distribute any electrical wires, cables, appliances, protection devices and accessories, which do not conform to the specified standards and do not bear Standards and do not bear Standard Mark of the Bureau on obtaining certification marks license." The BIS registration is essential for all electronics products/ appliances. Audit observed that NID MP procured (GEM order no. 511687723037598 dated 04.09.2020) "Unbranded both (single and twin) household Zig-Zag Sewing Machine Head" for ₹ 82240 (quantity 8 no @ 10280 per machine) which is available as per "BIS Specification No. IS 15449 (part 1): 2004". However, it was observed that the NID MP procured above item which do not have the mandatory BIS certification.

B) Clause 3(B) (ii) of ***General Terms and Conditions of GeM 4.0 (version 1.4)*** states that Primary User shall be fully responsible and accountable for all actions/ transactions done by Secondary Users on GeM portal. Further, clause 3(B)(iv) states that "while making procurement on GeM, the Buyers shall judiciously search and shortlist items using filters such as quantity, technical parameters, delivery period, warranty period, consignee location(s), Seller's eligibility etc. as per their approved requirements. Placement of contract for a product /service uploaded by the Seller in any wrong/inappropriate product category is strictly prohibited and such contracts be treated, as null and void and such buying shall adversely affect Buyer Rating on GeM".

The NID MP have purchased various types of goods from GeM portal at rates which were arrived at on a faulty and incorrect comparison basis. The rates of the goods procured were compared with rates of wrong/inappropriate product category or compared with prices of items whose specifications were different from the desired specifications of the goods which were eventually purchased by the buyer department. Audit noticed such anomalies as explained in the table below:

Sr. No.	Item	GeM tender no. & date	Tender value (in lakh)	Specification of Purchased item		Compared with other two items with following specifications	
1	Cannon iR 2006N with Duplex DADF & Toner	511687734255906 dt. 09.10.2020	499754	Type of printing	Mono	Colour	Mono
				RAM size (GB)	512	4096	2048
				Hard disk (GB)	0	320	128
2	Countrees Blackout roller blind	511687773607638 dt. 26.03.2021	346652	Length	1000mm	4000mm	4500mm
				Width	1000mm	2000mm	2400mm
3	GBC Automatic Plastic Body Paper shredding Machine	GEMC 511687733689728 dt. 11.02.2021	145000	Loading capacity	20kg	70 kg	20kg
				Sheet Thickness	0.7mm	0.9mm	0.5mm

As noticed above, the Institution has committed flagrant negligence while comparing specifications as well as price which resulted in the departments failing to get best competitive rates for the items procured by them. This also violated the ***General Terms and Conditions of GeM*** and rendered the contracts entered by them with the supplier as null and void and affected the concerned.

Para 08: Installation of DG set without assessing capacity requirement.

For proper electricity supply in the campus theelectricity connection of 400KVA (consumer code 3274191661) is available and for power back-up 4 DG set (2 pair of DG sets with one DG set of 750 KVA and other DG set of 400 KVA) at a cost of Rs. 1.55 crore were installed in the campus. In this regard audit observe the following:

1. Initially, as per requirement of electricity consumption in the institute, the connection demand was taken as 100KVA (30.05.2019). However, after start of the institute the connection demand was revised up to 400 KVA. At present the institute is functioning with the electricity load capacity of 400 KVA. However, the total load capacity of DG sets installed in the institute is 2300 KVA. This has resulted in installation of DG sets with load capacity which is more than the requirement and is unjustified, as huge expenditure was incurred in purchase and installation of these DG sets.

2. All these four DG sets are required to be kept in continuous use, as this is required to keep them functional. For keeping them functional, the institute have to incur expenditure on running and maintenance of these DG sets. If the electricity capacity requirement was assessed properly the running and maintenance expenditure on these extra capacity DG sets would have been minimized.

Para 09: Expenditure on additional work in excess of sanctioned cost.

The Department of Promotion of Industry & Internal Trade (DPIIT) awarded the work of planning designing and construction of new National Institute of Design at Bhopal to NBBC (India) Limited as deposit works on trunkey basis with agency charges @ 7% at an initial sanctioned cost of ₹ 64.18 crores (revised upto ₹ 105.92 crore). An MoU was executed (30th March 2015) between DPIIT and NBCC with the scope of work for submission of architectural designs along with building plan, Construction of office building including civil works, interiors furnishings, lifts, landscaping, **electrical,** plumbing and sanitation and **IT infrastructure.** The campus was inaugurated on 22.02.2019 and the institute had commenced its first academic session from July 2019.

Later the Institute realized that certain works are required to be carried out in addition to the works which were initially planned in the first phase. The Institute requested (26.02.2020) for additional fund under GIA capital in FY 2019-20 allotment to carry out works, which were affecting overall functionality, recreational activities and safety & security aspects of the campus. The details of works was as follows:

a. Construction of Resource Centre & Amphitheatre
b. Construction of Outdoor Sports Infrastructure: Football field, Basketball court, Volleyball court etc,
c. Construction control room for monitoring CCTV system
d. Illumination of areas in and around Residential Block
e. Construction of Utility rooms for working staff of mess, housekeeping, security etc.

DPIIT sanctioned (12.03.2020) the grant of ₹ 7.30 crore and NID MP entered into agreement (10.09.2020) with NBCC for execution of above work at ₹ 7.69 crore with all the terms and condition, including payment to be as per the Original Agreement date on 30.03.2015.

In this regard Audit observe the following:

1. The NID MP awarded the work to NBCC at ₹ 7.69 crore which was more than the sanctioned cost of ₹ 7.30 crore. In this regard it may please be clarified that from where the NID MP plans to recoup the estimated excess expenditure of ₹ 39 lakh.
2. Reason for not negotiation with NBCC to carry out all above work within the sanctioned limit.
3. As per progress report of execution of above work dated 04.03.2022 following deviation were noticed:

Name of the work	Sanctioned amount	Value of work execution	Excess expenditure more than sanctioned cost
Development of volleyball court	2520000	2883545	363545
Development of Cricket pitch	144000	206276	62276
Construction of Changing Room for working staff mess housekeeping	3357395	3974239	616844
Total	**6021395**	**7064060**	**1042665**

Please state the reason for execution of above work beyond the sanctioned limit.

4. The schedule time for completion of the work was 18 months. However, till that time construction of Amphitheater was still going on. Clause 10.2 of MoU provided *that in case, completion of the project is delayed due to reasons solely attributable to the contractors/agency/ suppliers engaged for the project by the Executing Agency, the Executing Agency shall impose liquidated damages @ 0.375% on awarded contract value for each week of delay subject to a maximum of 10% of the awarded contract value and the benefit shall be passed on to the Employer*". NBCC did not levy any liquidity damaged on the subcontractors for delay in completion of the project work.
5. The drawings of execution of above work and measurement book was not found on the records produced to audit.

PART-III

Follow up on findings outstanding from previous reports:

As it is first compliance Audit of NID, Madhya Pradesh, there are no previous Audit observations.

PART-IV: Best Practices

-Nil-

PART-V- Acknowledgement

NID, Madhya Pradesh has extended the reasonable cooperation to the audit party and provided information, records and clarification on the demand of Audit party.

(Dy. Director)

8.2 वार्षिक लेखा

FORM A
[See sub-rule 1 of rule 4]

National Institute of Design, Madhya Pradesh

Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2022

(Amount in Rupees)

Particulars	Schedule	31.03.2022	31.03.2021
CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CAPITAL FUND:	1	1,19,28,63,941	1,10,41,32,817
DEPRECIATION FUND:	6	4,05,31,108	2,44,18,220
EARMARKED FUND:	2	8,62,23,931	3,15,15,970
GRANTS AND CONTRIBUTIONS:	3	53,24,885	5,42,98,625
GRANT FOR NEW NIDs:	4	-	-
CURRENT LIABILITIES:	5	1,43,44,813	1,26,07,344
Total		**1,33,92,88,678**	**1,22,69,72,976**
ASSETS			
FIXED ASSETS (At Cost):	6	1,21,28,95,049	1,10,20,73,912
INVESTMENTS (At Cost):	7	-	-
CURRENT ASSETS, LOAN & ADVANCES, ETC:	8	12,63,93,629	12,48,99,064
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT:	9	-	-
Total		**1,33,92,88,678**	**1,22,69,72,976**
For Notes forming part of Accounts	17		

Place: Bhopal
Date: 16.05.2022

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
नियंत्रक एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts

FORM 'B'
[See sub-rule 1 of rule 4]

National Institute of Design, Madhya Pradesh

Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 2022

(Amount in Rupees)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
A. INCOME			
FEES:	10	4,43,71,440	2,19,49,875
SERVICE CHARGES:	11	1,87,838	3,33,750
GRANTS:	12	9,09,31,980	5,62,22,656
INTEREST EARNED:	13	29,43,739	49,89,373
OTHER INCOME:		25,35,161	16,04,398
TRANSFERRED FROM CAPITAL FUND TO THE EXTENT OF DEPRECIATION	1	1,61,12,888	1,30,84,880
TOTAL (A)		**15,70,83,046**	**9,81,84,932**
B. EXPENDITURE			
ESTABLISHMENT EXPENSES:	14	3,77,17,277	2,87,56,629
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES:	15	4,84,63,455	3,96,16,570
EXPENSES ON PROJECTS:	11	73,618	1,77,676
INTEREST/BANK CHARGES:		7,847	-
DEPRECIATION:(Refer note no. 1e)	6	1,61,12,888	1,30,84,880
AMOUNT TRANSFERRED TO SPECIFIC FUNDS:	16	5,47,07,961	1,65,49,177
TOTAL (B)		**15,70,83,046**	**9,81,84,932**
BALANCE BEING DEFICIT CARRIED OVER TO BALANCE SHEET (A-B)	9	-	-
For Notes forming part of Accounts, See Sch-17	17		

Place: Bhopal
Date: 16.05.2022

Director

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

SCHEDULE-1
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2022

CAPITAL FUND

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2022	31.03.2021
Schedule 1 – Capital Fund		
A. Capital Fund Balance as on 01.04.2021	1,10,41,32,817	1,09,52,19,069
a Add: i) Amount transferred from Central Govt. Grants Account for meeting Non-recurring expenditure	2,00,76,135	2,19,98,628
ii) Amount transferred from Appropriation of fund for Building under construction Account	8,47,67,877	-
iii) Amount transferred from Income & Expenditure A/c. on account of excess of cost over grant for Non-Recurring Expenditure	-	-
b. Less: Transferred to Income & Expenditure Account to the extent of depreciation on assets acquired out of Capital Funds	1,61,12,888	1,30,84,880
c. Less: Adjustment of the value of Machinery, Equipment & Furniture sold/discard during the year.	-	-
Sub-Total (A)	**1,19,28,63,941**	**1,10,41,32,817**
B. Land Reserve Balance as on	-	-
Total (A+B)	**1,19,28,63,941**	**1,10,41,32,817**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-2
[See sub-rule 1 of rule 4]

National Institute of Design, Madhya Pradesh

Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2022

EARMARKED FUNDS

Amount in Rupees

Sr. No.	Name of funds	Opening Balance as on 01.04.2021	Interest Credited	Other Credited	Amount debited	Ref. Note	Closing Balance as on 31.03.2022
1	NID MP Corpus Fund	3,15,15,970		5,47,07,961	-	1	8,62,23,931
	Grand Total	**3,15,15,970**	**-**	**5,47,07,961**	**-**		**8,62,23,931**
	Previous Year	**1,49,66,793**	**-**	**1,65,49,177**	**-**		**3,15,15,970**

Note 1 : Amount transferred from Income and Expenditure Acccount

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-3
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2022

GRANTS AND CONTRIBUTIONS

Amount in Rupees

Sr. no.	Name of Account	Opening Balance as on 01.04.2021	Grant Credited	Amount Debited			Ref. Note	Closing Balance as on 31.03.2022
				Non Recurring Exps	Transferred to I&E A/c	Other debited		
1	Central Government Grant (Plan)	5,42,98,625	20,15,33,000	9,87,76,135	9,09,31,980	6,07,98,625		53,24,885
	Grand Total	**5,42,98,625**	**20,15,33,000**	**9,87,76,135**	**9,09,31,980**	**6,07,98,625**		**53,24,885**
	Previous Year	**4,94,95,785**	**8,90,92,000**	**2,80,66,504**	**5,62,22,656**	**-**		**5,42,98,625**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-4
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2022

GRANTS FOR NEW NIDs

Amount in Rupees

Sr. no.	Name of Account	Grant Credited up to 31.03.2021	Grant utilised up to 31.03.2021	Opening Balance as on 01.04.2021	Grant Credited during the year	Total	Amount Debited			Closing Balance as on 31.03.2022
							Non-Recurring Exps	Transferred to CPWD/NBCC for Const. Work	Other debited	
	Central Government Grant Plan (non recurring) for implementation of National Design Policy: Setting up of New NID Campuses of NID (Madhya Pradesh)									
	Grand Total	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Previous Year	-	-	-	-	-	-	-	-	-

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-5
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2022

Current Libilities

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2022	31.03.2021
1. For Expenses	67,78,301	31,81,685
2. For Rent & Other Deposits	20,87,070	15,15,700
3. Sundry Credit Balances	33,52,780	79,09,959
4. For Advances for projects in progress	21,26,662	-
Total	**1,43,44,813**	**1,26,07,344**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-6
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2022

FIXED ASSETS

Amount in Rupees

Sl No.	Particulars	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		As on 01.04.2021	Addition	Sale/ Adjustment	As on 31.03.2022	As on 01.04.2021	For the year	Sale/ Adjustment	As on 31.03.2022	As on 31.03.2022	As on 31.03.2021
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
A	**IMMOVABLE PROPERTIES**										
1	Land	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
	Sub total of 1	**1**	**-**	**-**	**1**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1**	**1**
2	NID Campus Buildings	1,31,73,877	7,79,963	-	1,39,53,840	18,33,011	3,48,846	-	21,81,857	1,17,71,983	1,13,40,866
	Sub-total of (1+2) (A)	**1,31,73,878**	**7,79,963**	**-**	**1,39,53,841**	**18,33,011**	**3,48,846**	**-**	**21,81,857**	**1,17,71,984**	**1,13,40,867**
B	**MOVABLE PROPERTIES**										
1	Machinery, Equipment & Tools	3,48,62,437	71,06,919	-	4,19,69,356	61,80,642	41,96,936	-	1,03,77,578	3,15,91,778	2,86,81,795
2	Furniture & fixtures	39,89,463	24,82,952	-	64,72,415	5,92,584	6,47,242	-	12,39,826	52,32,589	33,96,879
3	Computers & Peripherals	3,74,81,083	1,05,68,645	-	4,80,49,728	1,25,07,749	96,09,946	-	2,21,17,695	2,59,32,033	2,49,73,334
4	Staff pool vehicles	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Library books	1,30,99,176	-	-	1,30,99,176	33,04,234	13,09,918	-	46,14,152	84,85,024	97,94,942
	Sub-total of B	**8,94,32,159**	**2,01,58,516**	**-**	**10,95,90,675**	**2,25,85,209**	**1,57,64,042**	**-**	**3,83,49,251**	**7,12,41,424**	**6,68,46,950**
C	**Capital Work in Progess**	99,94,67,875	8,98,82,658	-	1,08,93,50,533	-	-	-	-	1,08,93,50,533	99,94,67,875
	Sub-total of C	**99,94,67,875**	**8,98,82,658**	**-**	**1,08,93,50,533**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,08,93,50,533**	**99,94,67,875**
	Grand Total (A+B+C)	**1,10,20,73,912**	**11,08,21,137**	**-**	**1,21,28,95,049**	**2,44,18,220**	**1,61,12,888**	**-**	**4,05,31,108**	**1,17,23,63,941**	**1,07,76,55,692**
	Previous Year	**1,04,64,02,878**	**5,56,71,034**	**-**	**1,10,20,73,912**	**1,13,33,340**	**1,30,84,880**	**-**	**2,44,18,220**	**1,07,76,55,692**	**1,03,50,69,538**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-7
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2022

Investments (At cost)

(Amount in Rupees)

Particulars	**31.03.2022**	**31.03.2021**
Long Term	-	-
Fixed Deposits With	-	-
Bonds	-	-
Total	**-**	**-**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-8
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2022

Current Assets, Loan, Advances etc.

Amount in Rupees

Particulars	31.03.2022	31.03.2021
A. Current Assets:		
1. Inventories (at cost)		
a. Stores & Spares	-	-
b. Academic/Workshop/Lab/Studio Consumables	6,44,939	10,17,948
c. Glassware	-	-
d. Other Consumables	5,30,775	81,100
e. Stationery	-	-
Total A	**11,75,714**	**10,99,048**
2. Cash Balances on Hand	85,000	75,000
3. Bank Balances		
a. In Current Accounts with	32,13,275	36,35,087
Sub Total- a	**32,13,275**	**36,35,087**
b. In Savings Accounts with	-	-
Sub Total- b	**-**	**-**
Sub Total-(a+b)	**32,13,275**	**36,35,087**
c. In Call/Term Deposit Account with	8,60,00,000	8,75,00,000
Sub Total-c	**8,60,00,000**	**8,75,00,000**
Sub Total 3 (a+b+c)	**8,92,13,275**	**9,11,35,087**
Total (A) (1+2+3)	**9,04,73,989**	**9,23,09,135**

Director
प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-8

[See sub-rule 1 of rule 4]

National Institute of Design, Madhya Pradesh

Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2022

Current Assets, Loan, Advances etc.

Amount in Rupees

Particulars	31.03.2022	31.03.2021
B. Loan, Advances and Other Assets:		
(i) Loans:		
a. Secured	-	-
Sub Total of i(a)	**-**	**-**
b. Unsecured	-	-
Sub Total of i(a+b)	**-**	-
(ii) Advances:		
a. Advance to Suppliers	68,11,175	8,62,344
b. Capital Advance for Works	2,05,00,000	2,56,14,781
c. Contingency Advance to Staff	2,80,020	11,800
Sub Total (ii)	**2,75,91,195**	**2,64,88,925**
(iii) Other Current Assets		
a. Security Deposit	20,35,800	20,35,800
b. Accured Interest on STDR	38,32,424	34,59,800
c. TDS refundable	10,28,647	6,05,404
d. Prepaid Expenses	14,31,574	
Sub Total (iii)	**83,28,445**	**61,01,004**
Total of B (i+ii+iii)	**3,59,19,640**	**3,25,89,929**
Total of (A+B)	**12,63,93,629**	**12,48,99,064**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar

Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-9
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March 2022

Income and Expenditure Account

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2022	31.03.2021
Balance as on 01.04.2021	-	20,69,496
Less:- Met from NID's own Income	-	(20,69,496)
Add: Current year's deficit (Plan Recurring)	-	-
Less: Current year's surplus (Non-Plan Recurring)	-	-
Deficit carried over to Balance Sheet	-	-

Director
प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-10
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2022

Fees

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2022	31.03.2021
1. Tution Fees	3,88,13,293	2,18,80,875
2. Hostel Fees	55,23,209	-
3. Student Activity Fee	-	46,000
4. Film Club Fee	34,938	23,000
Total	**4,43,71,440**	**2,19,49,875**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar

Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-11
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2022

Income from Project receipts/Grants (Non Plan) & Expenses from projects (Non Plan)

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2022		31.03.2021	
	Project Expenses	Project Receipts	Project Expenses	Project Receipts
1. Project from M/s UBER India Ltd.	12,969	12,969		
2. Uniform Design Project from MP Govt.	649	1,74,869		
3. NABARD TRAINING PROGRAMME	60,000			
			1,77,676	3,33,750
Total	**73,618**	**1,87,838**	**1,77,676**	**3,33,750**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-12
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2022

Transfers from Grant & Contributions

(Amount in Rupees)

Particulars	**31.03.2022**	**31.03.2021**
1. From Central Government Plan Grant for Recurring Exp.	9,09,31,980	5,62,22,656
Total	**9,09,31,980**	**5,62,22,656**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-13

[See sub-rule 1 of rule 4]

National Institute of Design, Madhya Pradesh

Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2022

Interest Earned

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2022	31.03.2021
(Other than directly credited to Earmaked Funds)		
A) On Term Deposit		
a. Interest on STDRs	28,61,608	49,33,239
Sub-Total A	**28,61,608**	**49,33,239**
B) On Saving/Current A/c	-	-
Sub-Total B	**-**	**-**
C) On Loan/Deposit		
a. On Security Deposit	82,131	56,134
b.		
Sub-Total C	**82,131**	**56,134**
Total of A+B+C	**29,43,739**	**49,89,373**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar

Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-14
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2022

Establishment Expenses

(Amount in Rupees)

Particulars	Non-Plan Recurring Expenses	Plan Recurring Expenses			2021-22 Total	Total of Non-Plan and Plan Recurring Expenses 2020-21
		R & D	Other	Total		
1. Salary, Wages & Allowances						
a. Salaries and allowances	-	3,17,15,490	-	3,17,15,490	3,17,15,490	2,52,65,035
b. Leave Travel Concession	-	1,60,662	-	1,60,662	1,60,662	7,83,637
c. Leave Encashment to Serving Officials	-	-	-	-	-	66,924
d. Honorarium	-	-	-	-	-	-
e. Leave salary and Pension Contribution	-	-	-	-	-	-
f. Others	-	-	-	-	-	-
g. Remuneration to Employees on Contract		5,34,413		5,34,413	5,34,413	
Sub-Total 1	**-**	**3,24,10,565**	**-**	**3,24,10,565**	**3,24,10,565**	**2,61,15,596**
2. Provident fund contribution						
a. Contribution to NPS (Employer's Share)	-	48,87,794		48,87,794	48,87,794	22,20,211
Sub-Total 2	**-**	**48,87,794**	**-**	**48,87,794**	**48,87,794**	**22,20,211**
3. Gratuity contribution						
a. Payment of Gratuity	-	-	-	-	-	47,502
b. Leave Encashment to Retired Officials	-	53,300	-	53,300	53,300	1,29,839
c. Others	-	-	-	-	-	-
Sub-Total 3	**-**	**53,300**	**-**	**53,300**	**53,300**	**1,77,341**
4. Medical Reimbursement & Staff welfare						
a. Medical Reimbursement to Serving & Retired Officials	-	3,65,618	-	3,65,618	3,65,618	2,43,481
b. Others	-	-	-	-	-	-
Sub-Total 4	**-**	**3,65,618**	**-**	**3,65,618**	**3,65,618**	**2,43,481**
Total (1+2+3+4)	**-**	**3,77,17,277**	**-**	**3,77,17,277**	**3,77,17,277**	**2,87,56,629**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-15
[See sub-rule 1 of rule 4]

National Institute of Design, Madhya Pradesh

Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2022

Other Administrative Expenses

(Amount in Rupees)

Particulars	Non-Plan Recurring Expenses	Plan Recurring Expenses			2021-22 Total	Total of Non-Plan and Plan Recurring Expenses 2020-21
		R & D	Other	Total		
1. Travelling expenses		6,42,218	-	**6,42,218**	**6,42,218**	1,86,503
2. Telephone, Telex, Postage, Internet		12,59,496	-	**12,59,496**	**12,59,496**	4,33,662
3. Electricity & Water expenses	73,398	78,67,798	-	**78,67,798**	**79,41,196**	78,74,087
4. Maintenance: Mechanical, IT, Electrical, Electronics, Fuel		24,38,452	-	**24,38,452**	**24,38,452**	24,780
5. Vehicle maintenance & Operation charges		12,64,223	-	**12,64,223**	**12,64,223**	11,19,098
6. Material, Supplies Consumables & Misc. exp. etc		11,01,783	-	**11,01,783**	**11,01,783**	40,21,551
7. General Expenses for Satellite Centres			-	-	-	-
8. Advertisement & Publicity expenses		4,21,646	-	**4,21,646**	**4,21,646**	2,10,807
9. Welfare, Campus events & Other expenses		3,66,399	-	**3,66,399**	**3,66,399**	2,88,076
10. Library, Journals, Periodical, Exhibition, Subscriptions etc.		9,95,206	-	**9,95,206**	**9,95,206**	-
11. Student Freeship & Development			-	-	-	-
12. Faculty, Staff HRD, Other Misc. expenses		16,10,393	-	**16,10,393**	**16,10,393**	10,72,129
13. Rates, Taxes, Cesses			-	-	-	-
14. Repairs & Maintenance		3,64,534	-	**3,64,534**	**3,64,534**	5,09,687
15. Insurance			-	-	-	-
16. Legal expenses & Professional fees		1,11,169	-	**1,11,169**	**1,11,169**	47,254
17. Security,Houskeeping and Horticulture Maintenance		1,83,31,716	-	**1,83,31,716**	**1,83,31,716**	1,59,93,142
18. Audit fees		70,500	-	**70,500**	**70,500**	-
19. Refreshment & Hospitility Expenses		2,47,669	-	**2,47,669**	**2,47,669**	5,41,914
20. Outsourcing of Contracual Staff/Consultants		72,01,956	-	**72,01,956**	**72,01,956**	50,91,428
21. Academic & Workshop Contingencies		10,89,753	-	**10,89,753**	**10,89,753**	10,17,864
22. Guest House Expenses		8,207	-	**8,207**	**8,207**	2,920
23. Hiring of Machinery/Equipments		1,34,520	-	**1,34,520**	**1,34,520**	-
24. Stationery and Printing Expenses		4,26,332	-	**4,26,332**	**4,26,332**	2,52,400
25. Honorarium/TA to Visiting Faculty/Jury		23,63,488		**23,63,488**	**23,63,488**	
26. Other Misc. Expenses		72,599	-	**72,599**	**72,599**	9,29,268
			-	-	-	-
Total	**73,398**	**4,83,90,057**	**-**	**4,83,90,057**	**4,84,63,455**	**3,96,16,570**

Director

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
नियंत्रक वित्त एवं लेखा

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

नियंत्रक वित्त एवं लेखा
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-16

[See sub-rule 1 of rule 4]

National Institute of Design, Madhya Pradesh

Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2022

Amount Transferred to Reserve or Specific Fund

(Amount in Rupees)

Particulars	2021-22	2020-21
Transferred to NID MP Corpus Fund	5,47,07,961	1,65,49,177
Total	**5,47,07,961**	**1,65,49,177**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar

Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-17
[See sub-rule 1 of rule 4]
NATIONAL INSTITUTE OF DESIGN, MADHYA PRADESH
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet and Income and Expenditure account for the year ended March 31, 2022

Notes Forming Part of Accounts

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES:

a. BASIS FOR PREPARATION Of ACCOUNTS:

The Annual Statement of Accounts and Balance sheet of the Institute are prepared based on the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Forms of Annual Statement of Accounts) Rules 2020 notified by the DPIIT, Ministry of Commerce & Industry, Government of India vide Gazette notification no. G.S.R. 822 (E) dated 30.12.2020.

b. ACCOUNTING CONVENTION:

The Financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting except for fee collection and liability towards privileged leave and gratuity.

c. INVESTMENTS:

Long Term Investments are stated at cost.

d. FIXED ASSETS:

Fixed Assets are stated at the Cost. The cost includes invoice value, freight, octroi, and other incidental expenses relating acquisition.

e. GOVERNMENT GRANTS:

(i) Government grants are accounted on the basis of sanction from Government Department.

(ii) Government grant to the extent utilized towards capital expenditure, are transferred to the Capital Fund.

(iii) Government grants for meeting Revenue expenditure are treated as income of the year to the extent of expenditure incurred.

(iv) Un-Utilized grants are carried forward and exhibited as a Liability in the balance Sheet.

f. DEPRECIATION:

(i) **RATE OF DEPRECIATION**

Depreciation is calculated on Straight Line Method at the following rates:

Item	Rate (%)
Building	2.50
Machinery, Equipment & Tools	10.00
Furniture & Fixtures	10.00
Computers & Peripherals	20.00
Vehicles	20.00
Library Books	10.00

(ii) Depreciation on addition has been provided for the full year irrespective of date of acquisition.

(iii) An amount from Capital Fund account was transferred to Income and Expenditure account to the extent of depreciation provided on assets acquired out of capital grant.

(iv) Depreciation is not provided on assets sold during the year.

g. FOREIGN CURRENCY TRANSACTION:

Transactions denominated in foreign currency are accounted for at the exchange rate prevailing on the date of transaction. The bank balance held in foreign currency is converted into Rupee at RBI rate prevailing on the closing day of the financial year.

h. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES:

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

i. INCOME TAX:

The income of the Institute is exempt under Income-tax Act 1961. No provision for Income Tax is therefore made in the accounts.

j. RETIREMENT/TERMINAL BENEFIT

Terminal leave encashment benefit and Death cum Retirement Gratuity (DCRG) to the employees are accounted for on cash basis.

k. Revenue Income

(i) Various fees, except student activity fee, received from Students are treated as income for the year, as and when, these are realized.

(ii) Interest on STDR is taken on accrual basis for the year.

(iii) The revenue utilized towards the recurring expenditure, if any, incurred during the year has been shown at Sch 14 & 15 under the column "Non-Plan recurring expenditure".

I. CORPUS FUND

NID MP Corpus fund has been credited with the excess of revenue earned over and above the expenditure, if any, incurred from revenue, so earned, during the year. The portion of expenditure for the year, if any, over and above the Govt. Grant (recurring) was incurred from the revenue earned and difference has been transferred to Corpus Fund as shown in Sch 2 through Sch 16.

2. Contingent Liability for the year is ₹ 3,00,94,910/- (Previous year ₹. NIL) being income tax demand raised by the IT department for the year 2019-20. The rectification return has been filed.

3. Estimated amount of contract remaining to be executed on capital account and not provided for ₹ 40,97,105/- (Previous year ₹ 1,95,52,028/-) for construction of additional infrastructure.

4. Deficit for the year 2020-21 of ₹ Nil/- (For the previous year 2019-20 ₹ 20,69,496/-) has been debited to misc. expenses, as there is no specific govt. grant received for the same during the year.

5. Sch 15 "Other Administrative Expenses" includes an amount of ₹ 43,964/- as prior period expense of previous years.

6. Corresponding figures for the previous year have been re-grouped/rearranged wherever necessary.

7. Figures in the Final accounts have been rounded off to the nearest rupee.

8. New minor/sub head under various schedules have been included for better presentation of the Schedules and Annual Account.

9. Annexures to the Schedules has been attached for better understanding of the concerned schedules.

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

द्वारा संकलित:
श्री प्रशांत, सहायक प्रशासनिक अधिकारी
लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष के बहुगुणा (सेवानिवृत्त), कुलसचिव

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
अचारपुरा ईंटखेड़ी पोस्ट अरवलिया
भोपाल मध्यप्रदेश– 462038.
https://nidmp.ac.in